मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	29.5	19.7
जमशेदपुर	30.0	17.4
डालटनगंज	23.4	16.7

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

*

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | शुक्रवार, 16 फरवरी 2024 ● माघ शुक्ल पक्ष 07, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 1, अंक : 299 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

किसानों और केंद्र सरकार के बीच तीसरे दौर की बातचीत भी फेल

किसानों का भारत बंद आज, देश में हाई अलर्ट

कुमार माधवन

दिल्ली बॉर्डर पर किसान आंदोलन के बीच केंद्र सरकार और किसानों की चंडीगढ़ में हुई तीसरे दौर की वार्ता भी गुरुवार की देर रात फेल हो गई. 5 घंटे तक चली इस बैठक में सरकार और किसानों के बीच कोई सहमति नहीं बन पायी. सरकार की ओर से बैठक में शामिल कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और नित्यानंद राय ने किसानों को बताया कि एमएसपी पर कोई बड़ा फैसला रातों-रात नहीं किया जा सकता. इसके लिए समय चाहिए.

उन्होंने कहा कि पंजाब-हरियाणा के किसानों के लिए गेहूं और धान की एमएसपी पर खरीद पहले ही सुनिश्चित हो चुकी है. गन्ने का सबसे ज्यादा रेट दिया जा रहा है. कपास की खरीद एमएसपी पर हो रही है. लेकिन बैठक में मौजूद किसानों के प्रतिनिधियों ने साफ कहा कि उन्हें सभी फसलों पर एमएसपी चाहिए, वो भी जल्दी से जल्दी. सरकार कई सालों से इस मुद्दे को लटकाये हुए है, अब हम सिर्फ आश्वासन पर भरोसा नहीं कर सकते. उधर, संयुक्त किसान मोर्चा ने शुक्रवार को भारत बंद का आह्वान किया है. भारत बंद में पंजाब-हरियाणा के साथ पूरे देश के किसान संगठन शामिल होंगे. कांग्रेस व वाममोर्चा समेत कई राजनीतिक दलों ने भी भारत बंद को समर्थन दिया है. ऐसे में पंजाब से हरियाणा तक, दिल्ली से लेकर यूपी तक देश के सभी उत्तरी राज्यों में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है.

उधर, अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे किसानों के प्रदर्शन में गुरुवार को भी किसान दिल्ली में घुसने की कोशिश करते रहे. पुलिस उन्हें रोकने में जोर लगाती रही. यही कश्मकश पूरे दिन चलती रही. हरियाणा और पंजाब के किसानों ने दिल्ली को कई तरफ से घेर रखा है. दिल्ली पुलिस ने किसानों से निपटने के लिए 30 हजार आंसू गैस बम का आर्डर किया है. किसान नेता सरवन पंढ़ेर ने कहा, सरकार की मंशा ठीक नहीं. आंदोलन शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा. किसान नेता गुरनाम सिंह चारुनी ने कहा, तीन फैसले लिए गए हैं, पहला ये कि हम शुक्रवार को 3 घंटे के लिए हरियाणा को टोल फ्री रखेंगे, शनिवार को हर तहसील में ट्रैक्टर परेड होगी. 18 फरवरी को सभी किसान और मजदूर संगठनों की संयुक्त बैठक होगी. उसी बैठक में आगे के फैसले लिए जाएंगे.

- बुजुर्ग किसान हाथ में झंडे लेकर बॉर्डर पर मोर्चा संभालें
- दिल्ली पुलिस ने और मंगाए 30 हजार आंसू बम

आज खेतों में न जाएं किसान : राकेश टिकैत

किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि हमने ''ग्रामीण भारत बंद'' के बारे में बात की है कि किसान कल अपने खेतों में न जाएं. इससे कल एक बड़ा संदेश जाएगा. इस आंदोलन की एक नई विचारधारा है, एक नई पद्धति है. राजमार्ग बंद नहीं किया जाएगा, लेकिन हमारे बैठक बिंदुओं पर बैठकें जारी रहेंगी और हम वहीं निर्णय लेंगे. 17 फरवरी को सिसौली में मासिक पंचायत होगी. एमएसपी पर हमारी मांग तो है लेकिन इस पर रणनीति बनानी होगी. पंजाब और हरियाणा में जो घटनाएं हो रही हैं. हम इसकी आशा करते हैं. हमने कहा है कि इसके लिए भीड़ के रूप में इकट्ठा न हों. जहां तक बंद का सवाल है, हमने लोगों से स्वेच्छा से भाग लेने का आग्रह किया है.

मंत्रियों के नामों पर सस्पेंस

चंपाई कैबिनेट का विस्तार आज

विशेष संवाददाता। रांची

सीएम चंपाई सोरेन सरकार का कैबिनेट विस्तार शुक्रवार को होगा. राजभवन से इसके लिए कार्ड भी वितरित कर दिए गए हैं. शाम 4 बजे का समय राजभवन में शपथ ग्रहण के लिए तय किया गया है. मगर मंत्री कौन-कौन होंगे, इस पर देर शाम तक संस्पेंस कायम रहा. दोनों पार्टियों की ओर से बेहद सतर्कता बरती जा रही है. देर शाम तक राजभवन को मंत्रियों की सूची नहीं भेजी जा सकी थी. ऐसे में कयास लगाया जा रहा है कि शुक्रवार की सुबह मंत्रियों की सूची राजभवन भेजी जा सकती है. इधर प्रोजेक्ट भवन में सीएम सोरेन ने कहा कि मंत्रियों के नाम तय नहीं हुए हैं. नाम पर फैसला पार्टी अध्यक्ष शिबू सोरेन करेंगे. वह शिबू सोरेन से मिलने जाएंगे. इसके बाद ही नामों का अंतिम रूप से चयन करके राजभवन भेजा जाएगा. 12 वें मंत्री के सवाल पर भी उन्होंने कहा कि यह पार्टी अध्यक्ष ही तय करेंगे.

- देर शाम तक राजभवन को नहीं सौंपी गयी सूची, राजभवन ने शाम 4 बजे का समय मुकर्रर किया
- मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा- झामुमो कोटे के मंत्रियों के नाम पर अंतिम फैसला शिबू सोरेन लेंगे, 12 वें मंत्री पर फैसला पार्टी ही करेगी

कांग्रेस खेमे में दीपिका व अनूप के नाम की भी चर्चा

कांग्रेस सूत्रों से पता चला है कि पार्टी के पुराने मंत्री ही कंटीन्यू कर सकते हैं. बादल पत्रलेख व बन्ना गुप्ता का नाम तो आगे है, लेकिन डॉ रामेश्वर के नाम पर संशय है. प्रदीप यादव का नाम भी आगे था, लेकिन संथाल से आलमगीर के शपथ लेने के कारण उनके नाम पर अब विचार नहीं हो रहा. वैसे कांग्रेस ने मंत्रियों की फाइनल सूची सीएम चंपाई सोरेन को नहीं सौंपी है. हालांकि कांग्रेस खेमे की ओर से दीपिका पांडेय सिंह व अनूप सिंह के नाम की भी चर्चा होती रही.

बसंत सोरेन का नाम आगे, सीता भी लाइन में

झामुमो सूत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार पार्टी सुप्रीमो शिबू सोरेन परिवार से बसंत सोरेन का नाम सबसे आगे चल रहा है. 12वीं मंत्री के रूप में सीता सोरेन, प्रो. स्टीफन मरांडी और सुदीप कुमार सोनू का नाम की चर्चा थी. लेकिन इनमें से किसी का नाम फाइनल नहीं हो सका था. उधर,राजभवन सूत्रों के अनुसार शुक्रवार शाम 4 बजे का निमंत्रण पत्र छप कर बंट चुका है. लेकिन दर शाम तक सीएम ने अपने नए मंत्रियों के नाम की सूची राजभवन को नहीं भेजी थी.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	58,000
चांदी (किलो)	73,000

ब्रीफ खबरें

राम मंदिर पर स्मारक सिक्का हुआ जारी

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को अयोध्या में बने भव्य राम मंदिर पर एक स्मारक सिक्का जारी किया. इसके अलावा उन्होंने दो अन्य स्मारक सिक्के भी जारी किये जो महात्मा बुद्ध और एक सींग वाले गैंडे पर हैं. उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण निगम लि. के 19वें स्थापना दिवस समारोह में भगवान बुद्ध को ज्ञान प्राप्ति पर दो धातुओं से बना सिक्का और इसमें एक सींग वाले गैंडे पर सिक्का जारी किया.

महुआ मोइत्रा को ईडी ने किया तलब

नयी दिल्ली। ईडी ने टीएमसी और पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा को फेमा कानून के कथित उल्लंघन के एक मामले में समन जारी कर अगले सप्ताह पेश होने को कहा है. आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि मोइत्रा को दिल्ली स्थित ईडी कार्यालय में 19 फरवरी को पेश होने को कहा गया है.

भारत-कतर संबंध मजबूत हो रहे: मोदी

दोहा। पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी के साथ बातचीत के बाद कहा कि भारत-कतर संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं. उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष भविष्य के क्षेत्रों में सहयोग करने पर विचार कर रहे हैं.

संदेशखालि में दोषियों को छोड़ेंगे नहीं

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने गुरुवार को भाजपा पर अशांत संदेशखालि में समस्या पैदा करने का आरोप लगाया और कहा कि इलाके में शांति बहाल करने के लिए हरसंभव आवश्यक कार्रवाई की गई है. दोषियों को किसी भी कीमत पर छोड़ा नहीं जाएगा.

चुनावी बॉन्ड असंवैधानिक

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, कहा- दानदाताओं और राशि का हो खुलासा

शुभम संदेश नेटवर्क। दिल्ली

चुनावी बॉन्ड की वैधता के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को ऐतिहासिक फैसला सुना दिया. अपने फैसले में कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड पर रोक लगा दी है. कोर्ट ने इसे असंवैधानिक बताया और सरकार को किसी अन्य विकल्प पर विचार करने को कहा है. सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्टोरल बॉन्ड योजना की आलोचना करते हुए कहा कि राजनीतिक पार्टियों को हो रही फंडिंग की जानकारी मिलना जरूरी है. इलेक्टोरल बॉन्ड सूचना के अधिकार का उल्लंघन है.

चुनावी बॉन्ड योजना के अनुसार, चुनावी बॉन्ड भारत के नागरिक या देश में स्थापित ईकाई खरीद सकती थी. कोई भी व्यक्ति अकेले या अन्य के साथ मिल कर चुनावी बॉन्ड खरीद सकता था. जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29 (ए) के तहत पंजीकृत दल और लोकसभा या विधानसभा के पिछले चुनावों में एक फीसदी वोट पाने वाले दल चुनावी बॉन्ड प्राप्त कर सकते हैं. बॉन्ड को किसी पात्र राजनीतिक दल द्वारा अधिकृत बैंक के खाते के माध्यम से भुनाया जा सकता है.

क्या है चुनावी बॉन्ड योजना : मोदी सरकार ने 2 जनवरी 2018 को इसे अधिसूचित किया था. इसके मुताबिक, चुनावी बॉन्ड को भारत के किसी भी नागरिक या देश में स्थापित इकाई की ओर से खरीदा जा सकता है. कोई भी व्यक्ति अकेले या अन्य व्यक्तियों के साथ संयुक्त रूप से चुनावी बॉण्ड खरीद सकता है. जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के तहत पंजीकृत ऐसे राजनीतिक दल चुनावी बॉण्ड के पात्र हैं. शर्त बस यही है कि उन्हें लोकसभा या विधानसभा के पिछले चुनाव में कम से कम एक प्रतिशत वोट मिले हों. चुनावी बॉण्ड को किसी पात्र राजनीतिक दल द्वारा केवल अधिकृत बैंक के खाते के माध्यम से भुनाया जाएगा. -शेष पेज 7 पर

यह सरकार के लिए बड़ा झटका

चुनावी बॉन्ड योजना के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने वाली जया ठाकुर ने फैसले के बाद कहा, जो बॉन्ड के जरिए पैसा दान कर रहे थे, वो अपने नाम का खुलासा नहीं कर रहे थे. कहीं न कहीं ये लोग सरकार से फायदा चाहते थे. इस फैसले से लोगों के हितों की सुरक्षा होगी. जया ठाकुर का पक्ष सुप्रीम कोर्ट में पक्ष रखने वाले वकील वरुण ठाकुर ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को ऐतिहासिक बताया. ठाकुर ने कहा कि यह सरकार के लिए बड़ा झटका है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने 2019 से 2024 के बीच के सभी लेन-देन की जानकारी देनी होगी. सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को भी चुनाव आयोग के समक्ष पूरी रिपोर्ट देने को कहा है और चुनाव आयोग को एक हफ्ते के भीतर रिपोर्ट का खुलासा करना होगा.

सुप्रीम कोर्ट ने दिए ये निर्देश

1. एसबीआई चुनावी बॉन्ड से चंदा लेने वाले सभी राजनीतिक दलों की सूची जारी करे
2. एसबीआई सभी चुनावी बॉन्ड का ब्यौरा दे जिसे राजनीतिक दलों ने नकद कराया है
3. एसबीआई सभी जानकारी 6 मार्च 2024 तक चुनाव आयोग को संपूर्ण जानकारी दे
4. एसबीआई से मिली जानकारी को चुनाव आयोग 13 मार्च तक अपनी वेबसाइट पर डालें
5. चुनावी चंदे को छिपाना सूचना के अधिकार का उल्लंघन है
6. चुनावी बॉन्ड के लिए कंपनी एक्ट में संसोधन असंवैधानिक है
7. निजता के मौलिक अधिकार में राजनीतिक जुड़ाव गोपनीय रखना शामिल है

किसने क्या कहा

हम आज उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हैं जिसने मोदी सरकार की इस काला धन रूपांतरण योजना को असंवैधानिक बताते हुए रद्द कर दिया है. हमें याद है कि कैसे मोदी सरकार, पीएमओ और वित्त मंत्रालय ने भाजपा का खजाना भरने के लिए हर संस्थान - आरबीआई, चुनाव आयोग, संसद और विपक्ष पर बुलडोजर चला दिया था. इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि इस योजना के तहत 95 प्रतिशत चंदा भाजपा को मिला. उनका कहना था, हमें उम्मीद है कि मोदी सरकार भविष्य में ऐसे विचारों का सहारा लेना बंद कर देगी और उच्चतम न्यायालय की बात सुनेगी ताकि लोकतंत्र, पारदर्शिता और समान अवसर कायम रहे. **- मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस अध्यक्ष**

नरेंद्र मोदी की भ्रष्ट नीतियों का एक और सबूत आपके सामने है. बीजेपी ने इलेक्टोरल बॉन्ड को रिश्वत और कमीशन लेने का माध्यम बना दिया था. आज इस बात पर मुहर लग गई है. **- राहुल गांधी, कांग्रेस नेता**

कोर्ट के फैसले का सम्मान : भाजपा

भाजपा चुनावी बॉन्ड योजना का बचाव करते हुए कहा कि इसका प्रामाणिक उद्देश्य चुनावी चंदे में पारदर्शिता लाना था. भाजपा नेता और पूर्व कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने हालांकि कहा कि उनकी पार्टी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सम्मान करती है. कोर्ट की ओर से एक ऐतिहासिक फैसले में राजनीति के वित्तपोषण के लिए लाई गई चुनावी बॉन्ड योजना को रद्द किए जाने के बाद केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी की यह टिप्पणी सामने आई.

सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई से मांगी पूरी जानकारी

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पांच सदस्यीय पीठ ने मामले पर सर्वसम्मति से फैसला सुनाया. हालांकि पीठ में दो अलग विचार रहे, लेकिन पीठ ने सर्वसम्मति से चुनावी बॉन्ड पर रोक लगाने का फैसला सुनाया. सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में एसबीआई को 2019 से अब तक चुनावी बॉन्ड की पूरी जानकारी देने का आदेश दिया है. मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने पिछले साल दो नवंबर को मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था, जिसे गुरुवार को सुनाया गया.

ये सरकार का घोटाला: सिब्बल

राज्यसभा सांसद सिब्बल ने कहा, अब हमें पता चलेगा कि राजनीतिक दलों को किसने फंड दिया, साथ ही हमें ये भी पता चलेगा कि इससे किसे क्या फायदा मिला. क्योंकि कोई भी इतनी बड़ी राशि बिना किसी फायदे के नहीं देगा. इलेक्टोरल बॉन्ड में कोई भी 10-15 लाख नहीं देगा, पैसा करोड़ों में हो सकता है. अगर आप किसी पार्टी को 5 हजार करोड़ रुपए की फंडिंग दे रहे हैं तो आप कल्पना कर सकते हैं कि सिर्फ अमीरों ने फंडिंग की है और इसके बदले में उन्हें कुछ फायदे भी मिले होंगे. सुप्रीम कोर्ट के फैसले से लोकतंत्र में सभी को समान अधिकार मिलेंगे और भाजपा का भंडाफोड़ होगा. प्रधानमंत्री कहते रहते हैं कि घोटाला कहां है? लेकिन अब मोदी जी कहां हैं और उनकी आंखों के सामने घोटाला हो रहा था. यह सरकार का घोटाला है.

13 दिनों तक पूछताछ के बाद ईडी कोर्ट में पेशी

रिमांड हुई खत्म, अब हेमंत सोरेन भेजे गए होटवार जेल

31 जनवरी को जमीन घोटाला मामले में ईडी ने हेमंत सोरेन को किया था गिरफ्तार

शुभम संदेश टीम। रांची

ईडी कोर्ट में गुरुवार को पेशी बाद पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को होटवार जेल भेज दिया गया. 31 जनवरी को जमीन घोटाला मामले में हेमंत सोरेन को गिरफ्तार करने के बाद ईडी की टीम ने उन्हें ईडी कोर्ट में पेश किया था. इसके बाद तीन से सात फरवरी तक उन्हें रिमांड पर लिया गया था. फिर आठ से 12 फरवरी तक रिमांड पर लेकर ईडी ने पूछताछ की थी. तीसरी बार ईडी ने 13 से 15 फरवरी तक हेमंत सोरेन से पूछताछ की थी. ईडी ने कुल 13 दिनों तक हेमंत सोरेन से पूछताछ की. गुरुवार को उन्हें ईडी कोर्ट में पेश किया गया. इसके बाद ईडी कोर्ट ने उन्हें होटवार जेल भेज दिया है.

कड़ी सुरक्षा के बीच जेल पहुंचे हेमंत : रांची पुलिस के द्वारा कड़ी सुरक्षा के बीच पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को रांची के होटवार स्थित केंद्रीय कारागार लाया गया. हेमंत सोरेन को जेल में पूर्व से ही कमरा आवंटित किया हुआ है. पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को जो सेल अलॉट हुआ था उसमें अटैच बाथरूम और किचन मौजूद है. अपर डिवीजन के सेल नंबर एक को वीआईपी कैदियों को रखने के लिए इस्तेमाल किया जाता है. हेमंत को सेल में एक अर्दली भी उपलब्ध करवाया

तीन बार रिमांड पर लेकर ईडी कर चुकी है पूछताछ

कल्पना सोरेन ने हेमंत से की मुलाकात : हेमंत सोरेन से ईडी ऑफिस में उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ने आधे घंटे मुलाकात की. जिसके बाद हेमंत सोरेन के रूटीन चेकअप के लिए मेडिकल टीम ईडी ऑफिस पहुंची. कुछ देर बाद हेमंत सोरेन को लेकर ईडी की टीम कोर्ट लेकर गयी. कोर्ट ने उन्हें होटवार जेल भेजने का आदेश दिया.

हेमंत के करीबी विनोद सिंह से ईडी ने की पूछताछ

हेमंत सोरेन के करीबी विनोद सिंह गुरुवार को ईडी ऑफिस में पूछताछ के लिए पहुंचे. ईडी ने बीती 3 जनवरी और 13 फरवरी को विनोद के कई ठिकानों पर रेड की थी. इस दौरान ईडी को विनोद और हेमंत के बीच हुए वॉट्सएप चैट का पूरा ब्योरा मिला था, जिसमें बरियातू की उक्त 8.5 एकड़ जमीन पर बैंक्वेट हाल बनाने का मैप भी मिला था. ट्रांसफर-पोस्टिंग व कई अनुसंशा व आग्रह भी था. हेमंत सोरेन और विनोद सिंह के बीच 201 पन्नों की नयी चैट निकाली गयी है.

विनोद व भानु प्रताप बन सकते हैं सरकारी गवाह

बड़गाईं अंचल के तत्कालीन राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप और विनोद सिंह सरकारी गवाह बन सकते हैं. जमीन घोटाला मामले में दोनों से ही ईडी को बहुत सहयोग मिला है. इनसे मिले इनपुट पर ईडी को जांच में कई तथ्य मिले हैं, जो केस को मजबूती देंगे. छह अप्रैल 2021 को विनोद सिंह ने बैक्वेट हॉल के निर्माण का नक्शा हेमंत सोरेन को चैट के जरिए भेजा था. ईडी का दावा है कि इस चैट में जो लोकेशन दिया गया है, वह बरियातु स्थित 8.5 एकड़ जमीन है.

भारत रत्न के बहाने कांग्रेस को चिकोटी

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

चरण सिंह पर कांग्रेस की तकलीफ राज्यसभा में तब उजागर हो गयी, जब जयंत चौधरी ने बोलना शुरू किया, तो जयराम रमेश और खरगे भड़क गये.

प्रसंगवश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने करीब दो साल पहले कहा था कि वह चार साल तक राष्ट्रनीति करते हैं और पांचवें साल में राजनीति. तब ऐसा लगा था कि उन्होंने ऐसे ही कह दिया होगा. लेकिन चौधरी चरण सिंह और नरसिंह राव को भारत रत्न देकर उन्होंने कांग्रेस को ऐसी जगह चिकोटी काट दी है कि उसे न रोते बन रहा है, न दिखाते. भारत रत्न तो हरित क्रांति के जनक एमएस स्वामीनाथन को भी मिला है, लेकिन कांग्रेस को मर्मांतक पीड़ा हो रही है नरसिंह राव और चरण सिंह को सम्मान मिलने से. चरण सिंह पर कांग्रेस की तकलीफ राज्यसभा में तब उजागर हो गई जब जयंत चौधरी ने बोलना शुरू किया तो जयराम रमेश और मल्लिकार्जुन खड़गे भड़क गये. बवाल इतना बढ़ा कि सभापति जगदीप धनकड़ भी तमतमा गये. भाजपा के पुरुषोत्तम रुपाला ने तो खैर कांग्रेस को धो ही दिया. नरसिंह राव का उल्लेख करनेवाला उनका कोई वारिस किसी सदन में था ही नहीं, इसलिए उनके नाम पर सदन में कोई चर्चा नहीं हो सकी. पिछले चार साल से किसी को भारत रत्न नहीं मिला था और पांचवें साल मिला, तो इकट्ठे पांच लोगों को. इसी से मोदी के दो साल पहले वाले बयान की याद ताजा हो गयी है और इसी के साथ यह चर्चा भी पसर गयी है कि क्या गजब की राजनीति खेली गयी है. इन पांचों में से लालकृष्ण आडवाणी को छोड़कर कोई भाजपा का या उसका समर्थक नहीं रहा है.

कर्पूरी ठाकुर तिकड़मी राजनीति से आजीवन दूर रहे : स्वामीनाथन तो पूरी तरह अराजनीतिक थे और कर्पूरी ठाकुर राजनीतिक होते हुए भी तिकड़मी राजनीति से आजीवन दूर रहे. नरसिंह राव ने अपनी सरकार चलाने-बचाने के लिए सांसदों की खरीद फरोख्त भी की और भ्रष्टाचार के आरोप में खुद भी फंसे. उन्होंने ही झामुमो के सांसदों को खरीदा. ये सांसद जेल भी गये, क्योंकि पैसा पकड़ा गया था. सजा इसलिए नहीं हुई कि मामला सदन के अंदर का था. नरसिंह राव को भी निचली अदालत से सजा मिली, लेकिन अपील में छूट गये. उन्होंने अयोध्या में ढांचा विध्वंस का बदला लेने के लिए आडवाणी को हवाला कांड में फंसाया, संसद से वर्शिप एक्ट पास कराया ताकि अन्य विवादित स्थलों पर हिंदू दावा नहीं कर सकें और अयोध्या के विवादित स्थल पर मस्जिद बनवाने की घोषणा भी कर डाली. नरसिंह राव ने बाबरी ढांचा के विध्वंस के बाद भाजपा की चार राज्य सरकारें बर्खास्त भी कर दी. बावजूद इसके कांग्रेस के कुलभूषण मणिशंकर अय्यर का कहना है कि नरसिंह राव भाजपाई थे और कांग्रेस के वर्तमान भविष्य राहुल गांधी का कहना है कि अगर प्रधानमंत्री की कुर्सी पर कोई गांधी होता तो अयोध्या में मस्जिद नहीं गिरती.

नरसिंह राव से नफरत करती थीं सोनिया, इसलिए दिया गया भारत रत्न : नरसिंह राव ने नेता प्रतिपक्ष अटल बिहारी वाजपेयी को देश के नेता के रूप में जिनेवा भेजा ताकि कश्मीर पर पाकिस्तान के मिथ्यारोपों का मुकम्मल जवाब दिया जा सके. लेकिन भाजपा उनकी सरकार को अलीबाबा चालीस चोर की सरकार कहती थी. फिर भाजपा के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें सर्वोच्च सम्मान क्यों दिया ? इसलिए कि बहुभाषाविद् नरसिंह राव ने देश की डूबती अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए उदारीकरण का नया सवेरा लाया. -शेष पेज 7 पर

मोदी सरकार नहीं देगी न्याय: राहुल

संवाददाता। औरंगाबाद

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को केंद्र की मोदी सरकार पर केवल अमीरों के लिए काम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि उनकी यूपीए सरकार ने किसानों का कर्ज माफ कर दिया था. बिहार के औरंगाबाद में रैली में गांधी ने यह भी कहा कि अगर उनकी पार्टी को आपने वोट दिया, तो जाति गणना करवाने के बाद एक व्यापक वित्तीय सर्वेक्षण कराएंगे, ताकि संसाधनों के स्वामित्व में असमानता को प्रकाश में लाया जा सके. कांग्रेस नेता की भारत जोड़ो न्याय यात्रा एक दिन के ठहराव के बाद औरंगाबाद से गुरुवार को फिर से शुरू हुई. 45 मिनट के भाषण में गांधी ने भाजपा-आरएसएस पर एक को दूसरे से लड़ाने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि विभाजनकारी राजनीति ने ही मणिपुर में आग लगाने का काम किया. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी इस मौके पर कहा, यह चुनाव आखिरी मौका है.अगर मोदी की सरकार फिर आ गयी, तो देश से लोकतंत्र खत्म हो जाएगा.

राहुल गांधी ने दावा किया, गरीब और किसान कितनी भी आवाज उठाएं, वे जानते हैं कि इस देश में उन्हें न्याय नहीं मिल सकता. उन्होंने कहा, किसानों ने मुझे बताया, युवाओं ने बताया, हर रोज हमारे खिलाफ कोई न कोई अन्याय किया जाता है, हिंदुस्तान में गरीब लोगों को, कमजोर लोगों को, 21वीं सदी में न्याय नहीं मिल सकता और इसका नतीजा नफरत और हिंसा. राहुल ने कहा, गरीब व्यक्ति जितनी भी कोशिश कर ले, किसान जितना भी चिल्ला ले, मजदूर जितनी जोर से चीखे, उसे इस देश में मालूम है कि मुझे न्याय नहीं मिल सकता.

फारूक कुछ बोले, उमर कुछ

श्रीनगर। नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को घोषणा की कि उनकी पार्टी आगामी लोकसभा चुनाव और केंद्र शासित प्रदेश में संभावित विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी. इसे विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया के लिए एक झटके के तौर पर देखा गया. लेकिन देरशाम पार्टी के उपाध्यक्ष और पूर्व सीएम उमर अब्दुल्ला ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी हरहाल में इंडिया गठबंधन के साथ है. सीट शेयरिंग पर बातचीत जारी है. उमर बोले- हम लोग इंडिया गठबंधन में बने रहेंगे.

ब्रीफ खबरें

डीजीपी करेंगे सुरक्षा समिति की बैठक

रांची। झारखंड पुलिस मुख्यालय में डीजीपी अजय कुमार सिंह राज्यस्तरीय रेलवे सुरक्षा समिति की बैठक करेंगे. इस दौरान पटरी पर शव मिलने की स्थिति में किसी भी तरह के सीमा विवाद को समाप्त करने, स्टेशन परिसर में बढ़ती आवाजाही को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिक सतर्कता बरतने, रेलवे स्टेशन पर यात्रियों व उनके सामानों की चेकिंग के लिए लगे सुरक्षा-उपकरणों की देखरेख और रेलवे के महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों/स्टेशनों का सिक्योरिटी ऑडिट कराने का भी निर्देश दिया जाएगा.

ट्रेड यूनियन की बंदी: स्कूल खुले रहेंगे

रांची। ट्रेड यूनियनों के भारत बंद ते आह्वान को लेक स्कूलों के समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है. शहर के अलग-अलग स्कूलों में पहले की तरह ही क्लास चलेगी. डीएवी कपिलदेव के शिक्षक आलोक इंद्रगुरु, डीएवी नीरजा सहाय के दुष्यंत कुमार, जी एंड एच हाई स्कूल के प्रिंसिपल दिलीप कुमार झा और डीएवी पुंदाग के शिक्षक आशीष जायसवाल ने बताया कि हर रोज की तरह शुक्रवार को भी पूर्व निर्धारित समय से ही विद्यालय का संचालन होगा.

सड़क के मामले में रांची, गुमला, हजारीबाग और पश्चिमी सिंहभूम आगे

राज्य के 20 जिलों में 5000 वर्ग किमी से कम बनी सड़कें

रवि भारती। रांची

राज्य गठन के बाद से अब तक 20 जिलों में 5000 वर्ग किलोमीटर से भी कम सड़कें ही बन पाई हैं. वहीं राज्य के सिर्फ चार जिलों में ही पांच हजार वर्ग किलोमीटर से अधिक सड़कों का जाल बिछ पाया है. रांची में सबसे अधिक 7573.7 वर्ग किलोमीटर सड़क बनी है. राज्यभर में कुल 79690 वर्ग किलोमीटर सड़क का निर्माण हुआ है. वहीं 1243 किलोमीटर सड़क एनएचएआई (राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकार) को हस्तांतरित कर दी गई है.

सबसे कम सड़क का निर्माण कोडरमा और रामगढ़ में

राज्य के दो जिलो कोडरमा और रामगढ़ से सबसे कम सड़क का निर्माण हुआ है. कोडरमा में 1311.6 वर्ग किलोमीटर और रामगढ़ में 1389 वर्ग किमी ही सड़क का निर्माण हो पाया है. इसके अलावा साहिबगंज में 1706 वर्ग किलोमीटर और पाकुड़ में 1805.6 वर्ग किलोमीटर सड़क का निर्माण हुआ है.

रांची में सबसे अधिक 7573.7 वर्ग किलोमीटर बनी है सड़क

पलामू प्रमंडल में सड़कों के निर्माण में आई तेजी

पलामू प्रमंडल में सड़कों के निर्माण में तेजी आई है. चतरा में 3706.2 वर्ग किलोमीटर सड़क का निर्माण हुआ है. मेदिनीनगर में 4015.2 वर्ग किलोमीटर सड़क का निर्माण हुआ है. लातेहार में 3660.5 वर्ग किलोमीटर और गढ़वा में 4044 वर्ग किलोमीटर सड़क का निर्माण हो चुका है.

5000 वर्ग किमी से अधिक सड़क निर्माण वाले जिले

जिला	सड़क वर्ग किलोमीटर में
रांची	7573.7
गुमला	5320.9
पश्चिमी सिंहभूम	5290.2
हजारीबाग	5965.4

3000 वर्ग किमी से अधिक सड़क निर्माण वाले जिले

जिला	सड़क वर्ग किलोमीटर में
सिमडेगा	3756.2
पूर्वी सिंहभूम	3533.4
दुमका	3716.4
चतरा	3706.2
गिरिडीह	4887.1
मेदिनीनगर	4015.2
लातेहार	3660.5
गढ़वा	4044.2

1000 वर्ग किमी से अधिक सड़क निर्माण वाले जिले

जिला	सड़क वर्ग किलोमीटर में
खूंटी	2467
लोहरदगा	1490.8
सरायकेला	2724.6
जामताड़ा	1802.0
गोड्डा	2110.5
साहेबगंज	1706.0
पाकुड़	1805.6
कोडरमा	1311.6
बोकारो	2860.8
धनबाद	2074.7
रामगढ़	1389.0
देवघर	2478.6

अपने पैतृक गांव में सीएम चंपाई ग्रामीणों की समस्याओं से अवगत हुए

अपने गांव में महिलाओं का समस्या से संबंधित आवेदन देखते मुख्यमंत्री.

संवाददाता। रांची/सरायकेला

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन गुरुवार को सरायकेला-खरसांवा जिले के गम्हरिया प्रखंड स्थित अपने पैतृक गांव जिलिंगगोड़ा पहुंचे. यहां सीएम ने लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं से अवगत हुए. मुख्यमंत्री ने लोगों को उनकी समस्याओं का त्वरित और यथोचित निराकरण करने का भरोसा दिलाया. साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश भी दिये.

यह सरकार सुख-दुःख में हमेशा लोगों के साथ खड़ी रहेगी : मौके पर चंपाई सोरेन ने लोगों से कहा कि जन समस्याओं का समाधान करना ही सरकार की पहली प्राथमिकता है. हमारी सरकार का हमेशा से प्रयास रहा है कि जनता की परेशानियों का निदान कर सकें. कहा कि यह सरकार लोगों के सुख- दुःख में हमेशा उनके साथ खड़ी है. यही वजह है कि "आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार" कार्यक्रम के तहत अधिकारियों का दल आपके दरवाजे पर पहुंचा और आपकी समस्याओं को सुनने के साथही साथ उसका समाधान भी किया. सीएम ने आश्वासन दिया कि यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा. कहा कि हम सभी को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से काम कर रहे हैं, क्योंकि आपकी भागीदारी से ही राज्य का विकास संभव है.

कोर्ट की सिक्योरिटी प्राथमिकता

संवाददाता। रांची/बोकारो

बोकारो प्रक्षेत्र के डीआईजी सुरेंद्र कुमार झा ने गुरुवार को बोकारो व्यवहार न्यायालय परिसर का औचक निरीक्षण किया. झारखंड उच्च न्यायालय के निर्देश पर निरीक्षण कार्यक्रम के तहत डीआईजी सुरेंद्र झा सिविल कोर्ट पहुंचे थे. जहां पर उन्होंने पूरे कोर्ट परिसर का निरीक्षण किया. इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली. डीआईजी ने कहा कि कोर्ट की सुरक्षा प्राथमिकता में है. इसमें कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, यदि किसी प्रकार की चूक मिलती है, तो त्वरित रूप से कार्रवाई की जाएगी.

तैनात पुलिस कर्मियों को बुलाकर उनसे हर चीज की जानकारी ली

सुरक्षा में तैनात पुलिस कर्मियों को बुलाकर उनसे हर चीज की जानकारी ली. सिविल कोर्ट में तैनात सुरक्षा कर्मियों को जो सुरक्षा उपकरण उपलब्ध करवाए गए हैं, उनकी जांच भी डीआईजी के द्वारा की गई. इस दौरान सुरक्षा को लेकर कई खामियां डीआईजी ने पकड़ी है, जिसे दूर करने का निर्देश दिया गया है.

नक्सली प्रदीप खेरवार से दुबारा की जा रही पूछताछ

रांची। ऑपरेशन डबल बुल से हथियार जब्ती मामले में एनआईए ने नक्सली कमांडर को दोबारा रिमांड पर लिया है. एनआईए पांच लाख के इनामी नक्सली प्रदीप सिंह खेरवार को चार दिनों की रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है. इससे पहले भी एनआईए उससे चार दिन तक पूछताछ कर चुकी है.

बदला लेने के लिए नक्सलियों ने की थी तैयारी : गौरतलब है कि पिछले साल लोहरदगा-लातेहार सीमा पर स्थित बुलबुल जंगल में ऑपरेशन डबल बुल के दौरान 28 हथियार की जब्ती मामले की जांच एनआईए कर रही है. नक्सलियों ने एक करोड़ के इनामी पोलित ब्यूरो सदस्य प्रशांत बोस उर्फ बूढ़ा की गिरफ्तारी का बदला लेने के लिए बूढ़ा पहाड़ पर पूरी तैयारी की थी और हथियार व गोला-बारूद जुटाया था. इसका नेतृत्व 15 लाख का इनामी रीजनल कमांडर रवींद्र गंझू कर रहा था.

प्रदीप सिंह खेरवार पर कई हमले को अंजाम देने का है आरोप : दरअसल टॉप माओवादी कमांडर प्रदीप सिंह खेरवार को नक्सली कमांडरों ने जीपीएस नाम दिया है. प्रदीप सिंह को लातेहार, लोहरदगा और बूढ़ापहाड़ के इलाके की एक-एक पहाड़ और जंगल की जानकारी है. उसने माओवादी के टॉप कमांडर रवींद्र गंझू और छोटू खरवार के बारे में पुलिस को कई जानकारी दी है.

अंबेडकर भवन में नेशनल सेमिनार का आयोजन

दिल्ली में गूंजी आदिवासी धर्म कोड की मांग, कई प्रदेशों के प्रतिनिधि जुटे

विशेष संवाददाता। रांची

आदिवासी/सरना धर्म कोड की आवाज दिल्ली तक पहुंची. राष्ट्रीय आदिवासी /इंडिजिनस धर्म समन्वय समिति भारत के द्वारा राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन दिल्ली के अंबेडकर भवन में किया गया.

सेमिनार में झारखंड सहित आदिवासी बहुल राज्यों के आदिवासी प्रतिनिधि शामिल हुए. सेमिनार के माध्यम से पूरे देश के आदिवासियों की आदिवासियत एवं अस्मिता बचाए रखने के लिए ट्राइबल कॉलम की मांग की गयी, जिसका मौके पर मौजूद विभिन्न संगठनों के आदिवासी समाज के लोगों ने समर्थन किया. पुरानी मांग ट्राइबल कॉलम को सरकार के समक्ष प्रस्तुत किया गया. मुख्य संयोजक अरविंद उरांव द्वारा पूरे देश के आदिवासियों को संगठित कर अपनी मांगों को सरकार के समक्ष मजबूती से रखने का आह्वान किया गया.

झारखंड, राजस्थान, आंध्र सहित कई राज्यों के प्रतिनिधियों ने सेमिनार में हिस्सा लिया

सेमिनार की अध्यक्षता गेंदा सिंह ने, जबकि संचालन राजकुमार कुंजाम ने किया. झारखंड से जय आदिवासी केंद्रीय परिषद के अध्यक्ष निरंजन हेरेंज टोप्पो, राजस्थान से डॉ हीरा मीणा, गिर्राज मीणा, अंडमान निकोबार से जादो पाहन, आंध्र प्रदेश से रामा राव डोरा, तेलंगाना से मानिक राव अरका, असम से गंगाधर नेताम, अमित इंति, उत्तर प्रदेश से शिव शंकर गोंड, अशोक गोंड, कमलेश कुमार गोंड, झारखंड से बिरसु असुर, शनिचरवा किसान, गुजरात से दिलीप कुमार धुरिया, राजकिशोर गोंड, मध्यप्रदेश से भुवन सिंह कोर्राम, जालंधर सिंह उइके, झारखंड से मुन्ना टोप्पो, बाबूलाल महली, बिरसा कच्छप, रंजीत लकड़ा, बिरसा पाहन, राजन करमाली, अरविंद करमाली, विनोद बेदिया, रितिका भोक्ता आदि शामिल हुए.

सांसद गीता कोड़ा ने कोर्ट में सरेंडर किया, जमानत मिली

संवाददाता। रांची

पश्चिम सिंहभूम की सांसद गीता गोड़ा ने बुधवार को आर्थिक अपराध की विशेष न्यायाधीश केके मिश्रा की अदालत में आत्मसमर्पण किया. इसके बाद अदालत ने 10-10 हजार के दो निजी मुचलके पर उन्हें जमानत दे दी. यह मामला इनकम टैक्स रिर्टन नहीं भरने से जुड़ा है. अधिवक्ता जीतेंद्र कुमार ने गीता कोड़ा की ओर से पक्ष रखा. दरअसल इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के आर्थिक अपराध के तहत गीता कोड़ा के खिलाफ 2009-10 में आयकर रिटर्न नहीं भरने को लेकर और आय की सही जानकारी नहीं देने के आरोप में चार जनवरी 2012 को अदालत में केस दर्ज कराया गया था. इसी मामले में गीता कोड़ा ने 20 दिसंबर को राहत के लिए अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की थी.

13 मार्च को सामने आ जाएगा देश बेचने- खरीदने वालों का नाम

चुनावी बॉन्ड के जरिए काले धन को सफेद करने के काम पर लगी रोक : सुप्रियो भट्टाचार्य

खास बातें

- अंदेशा है केंद्र सरकार ला सकती है अध्यादेश
- सुप्रीम कोर्ट का फैसला स्वागत योग्य है

विशेष संवाददाता। रांची

इलेक्टोरल बॉन्ड पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को झामुमो ने ऐतिहासिक करार देते हुए इसका स्वागत किया है. पार्टी महासचिव सह केंद्रीय प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को बड़ा फैसला सुनाया है. आज के दिन की तारीख बड़ी है. सुप्रीम कोर्ट का फैसला स्वागत योग्य है. चुनावी बॉन्ड के माध्यम से शुरू काले धन को सफेद करने के कारनामे पर लगाम लगी है. उन्होंने कहा कि इस फैसले के दायरे में सभी राजनीतिक दल आ रहे हैं. सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक पार्टियों को चुनावी बॉन्ड के जरिए मिलनेवाले चंदे पर रोक लगा दी है. इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए चंदा देनेवालों के नाम, एसबीआई को चुनाव आयोग को देने होंगे. इतना ही चुनाव आयोग उन नामों की लिस्ट को अपनी वेबसाइट पर साझा करने होंगे. वे गुरुवार को पार्टी कार्यालय में मीडिया से बातचीत कर रहे थे.

13 मार्च के बाद ईडी पीएम, गृह मंत्री और नड्डा से पूछताछ करेगी

भट्टाचार्य ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने एसबीआई को तीन सप्ताह के अंदर चुनावी बॉन्ड खरीदने वालों के नाम जारी करने का निर्देश दिया है. देश बेचनेवाले लोग चुनाव के समय सामने आयेंगे, 13 मार्च ऐतिहासिक दिन होगा, जब देश बेचने और खरीदनेवालों के नाम सामने आयेंगे. हमें अंदेशा है कि सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले पर अध्यादेश लाने की तैयारी हो सकती है. क्या ईडी सूची जारी होने के बाद प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और जेपी नड्डा को रिमांड पर लेकर पूछताछ करेगी. देश बेचनेवाले और खरीदनेवालों को सभी जानते हैं. भाजपा अदालत से बच सकती है, लेकिन मई में जनता की अदालत से कैसे बच पायेगी. सुप्रीम कोर्ट के निर्णय ने साबित कर दिया कि इस देश में देर जरूर है मगर अंधेर नहीं.

पूंजीपतियों की रक्षा में जुटी केंद्र सरकार को लगा है तगड़ा झटका

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि 2014 के बाद पूंजीपति लोगों की कैसे रक्षा की जाए, इसके लिए चुनावी बॉन्ड की शुरुआत की गई. 2014 से पहले नरेंद्र मोदी पूरे देश का भ्रमण कर रहे थे और एक विशेष विमान मिला था. वह विमान एक विशेष समूह ने दिया था. उस समूह का नाम अडानी था. पूर्व वित्त मंत्री ने 2017 में एक कानून बनाया. चुनावी बॉन्ड को इस तरीके से पेश किया गया, जैसे कोई क्रांतिकारी कदम है. एसबीआई को यह चुनावी बॉन्ड जारी करने का काम दिया गया था और उस बॉन्ड को कोई भी व्यक्ति खरीद सकता है और किसी भी पार्टी को दे सकता है. इस बॉन्ड पर सभी ने आपत्ति जतायी थी. लेकिन उसके बाद 2018 में इसे जारी कर दिया गया. इसे आरटीआई से भी अलग रखा गया.

स्वास्थ्य मंत्रालय का 21 को घेराव करेंगे कर्मी

रांची। झारखंड एमपीडब्ल्यू कर्मचारी संघ के सदस्यों ने गुरुवार को अपनी मांगों से संबंधित तख्ती लेकर विरोध दर्ज किया. आंदोलन में राज्य के सभी 24 जिलों के एमपीडब्ल्यू स्वास्थ्य कर्मी शामिल हुए. संघ के प्रदेश अध्यक्ष पवन कुमार और महासचिव मंगल हेम्ब्रम ने बताया कि कर्मी मांग पत्र का बैनर/तख्ती लगाकर शुक्रवार को भी विरोध दर्ज कराएंगे. सभी कर्मी 21 फरवरी को , नेपाल हाउस स्थित स्वास्थ्य मंत्रालय का घेराव करेंगे.

झासा के प्रतिनिधि सीएम चंपाई से मिले

रांची। राज्य प्रशासनिक सेवा संघ के प्रतिनिधिमंडल ने प्रोजेक्ट भवन में गुरुवार को सीएम चंपाई सोरेन से मुलाकात की. संघ की अध्यक्ष रंजीता हेंब्रम और महासचिव राहुल कुमार ने नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासनिक मुद्दों पर विचार-विमर्श किया. मुख्यमंत्री सोरेन ने संघ की समस्याओं को सुना- जाना और समझा और समाधान का आश्वासन दिया. साथ ही हर संभव सहयोग करने की भी बात कही.मौके पर सीएम के प्रिंसिपल सेक्रेट्री विनय चौबे भी मौजूद थे.

CLASSIFIED

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

चौंकिए मत... ये शहर की ही सड़कें हैं

गड्ढों में तब्दील है अपनी रांची

तरुण चौबे। रांची

शहर की प्रमुख सड़कें बेतरतीब तरीके से चीर दी गयी हैं. शहरियों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था करने में जुटी एजेंसी जुडको पाइपलाइन बिछा रही है. ठेका कंपनी ने मेन लाइन का पाइप बिछाने के लिए पहले से चिकनी सड़कें बेतरतीब तरीके से काट दी हैं. मुख्य सड़कों के साथ गली-मुहल्लों की सड़कों की भी जीसीबी से खुदाई की गयी, जिससे आधी सड़क बर्बाद हो गयी. संवेदक ने गड्ढों को भरने के लिए डस्ट भी गिराया, लेकिन ढंग से भराई नहीं हुई. अनगिनत छोटे-बड़े गड्ढे उभर आए. सड़क ऊबड-खाबड़ हो गयी, जिसकी वजह से हर रोज हादसे हो रहे हैं. उधर कोकर से कांटाटोली, बहूबाजार होते हुए पटेल चौक तक फ्लाईओवर बन रहा है. लेकिन आवागमन के लिए जो सर्विस लेन गड्ढों में तब्दील है,. बारिश में तो कीचड़मय हो गयी है, जिसमें गिरकर दुपहिया वाहन चालक तो घायल हो ही रहे हैं, कार चालक भी फंस जा रहे हैं. रह-रह कर सड़क जाम हो रही है. बारिश से सड़कें जार-जार हो गयी हैं. जब मौसम खुला रहता है, तो धूल से राहगीर परेशान होते हैं.

सरकुलर रोड, पुरुलिया रोड, एचबी रोड जाएं, तो सावधान रहें

जुडको हर घर नल योजना के तहत मेन सप्लाई लाइन के लिए पाइप बिछा रहा है. लालपुर चौक से कोकर चूना भट्ठा तक सड़क खोद गयी है. फिर लालपुर चौक से सरकुलर रोड, निर्मल महतो चौक तक सड़क खोदी गयी है. अच्छी बात ये है कि रात में पाइप लाइन बिछायी जा रही है और सड़क को स्टोन डस्ट से भरा भी जा रहा है. लेकिन यहीं ठेका कंपनी के मजदूर डंडी मार दे रहे हैं. सड़क पर जगह-जगह छोटे-बड़े गड्ढे उभर आये हैं. सड़क की जो कटिंग जीसीबी से हुई है, उबड़-खाबड़ हो गयी. आधी सड़क बर्बाद. सड़क के आधे चिकने हिस्से से ही सभी पार करना चाहते हैं. नतीजतन जाम लगता है. ऊबड़-खाबड़ रास्ते में दुपहिया वाहन चालक हर राज गिरते हैं.

इन सड़कों से गुजरें तो रहें अलर्ट

कोकर, कांटाटोली, बहूबाजार सर्विस लेन : कदम-कदम पर गड्ढे

कोकर से कांटाटोली, बहूबाजार, मुंडा चौक, पटेल चौक होते हुए फ्लाईओवर बन रहा है. पिलर खड़े हो चुके हैं, लेकिन सर्विस लेन की हालत बहुत ही खराब है. पूरी तरह से गड्ढों में तब्दील. छोटे, मंझोंले, बड़े गड्ढे में हिचकोले खाते वाहन पर करते हैं. दुपहिया वाहन चालक हर रोज गिरते हैं. मौसम में बदलाव के कारण सर्विस लेन के गड्ढों में बारिश का पानी भर गया था. दुपहियावाहन चालक जरा से चूके, तो गिरना तय है. हर रोज दर्जनों वाहन चालक गिर कर घायल होते हैं. फ्लाईओवर निर्माण के कारण बहुबाजार से कांटाटोली की ओर जाने वाले रास्ते पर आधा दूर तक एक लेन कर दिया गया है. इससे रास्ता संकरा हो गया है. कांटाटोली चौक से बहुबाजार तक सर्विस लेन में सैकड़ों छोटे-बड़े गड्ढे भरे पड़े हैं.

लालपुर चौक से चूना भट्ठा कोकर तक ऊबड़-खाबड़ गड्ढे

लालपुर चौक से चूना भट्ठा तक गड्ढा खोदा गया था. गड्ढा भरने के नाम पर डस्ट डाल कर छोड़ दिया. गड्ढों को ठीक से नहीं भरने के कारण सड़क के आधा हिस्सा में उबड़-खाबड़ हो गया है. वाहन चालक हर रोज गिरकर जख्मी हो रहे हैं. सड़क के दोनों किनारे सब्जी बेचनेवालों का कब्जा, ऊबड़-खाबड़ गड्ढे के कारण सुबह से शाम तक हर आधे घंटे पर लगता है जाम. गड्ढे में कोई गाड़ी फंसी, तो लंबा जाम लगता है.

क्या कहते हैं शहरवासी

भगवान भरोसे सड़क से गुजरते हैं राहगीर

लालपुर निवासी मयंक रंजन ने बताया कि बारिश के कारण कोकर-कांटाटोली, बहाबाजार सर्विस लेन कीचड़मय हो गयी है. प्रतिदिन दर्जनों बाइक सवार दुर्घटना का शिकार हो रहे है. सर्विस लेन को ठीक करने की पहल नहीं की जाती है. राहगीर भगवान भरोसे ही इस सड़क से होकर गुजरते हैं.

जरा सी भी सावधानी हटी, तो दुर्घटना घटी

कांटाटोली के इमरान ने बताया कि एक साल से फ्लाइओवर का काम चल रहा है. सर्विस लेन तो बनी है, लेकिन कच्ची-पक्की है. कभी कीचड़, तो कभी धूल से परेशानी होती है. हर दिन यहां पर घंटों जाम लगता है. कोई वैकल्पिक व्यवस्था भी नहीं है. मजबूरी में लोग सर्विस लेन से होकर आना-जाना करते हैं .गड्ढों के कारण वाहन भी खराब होते हैं. जरा सी भी सावधानी हटी, तो दुर्घटना तय है.

आप गिरते हैं तो गिरें, किसी को मतलब नहीं

कोकर निवासी अनुज उरांव ने कहा कि कांटाटोली फ्लाईओवर के सर्विस लेन में गड्ढे भरे पड़े हैं. इन गड्ढों के कारण हमेशा लोग दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं. न तो फ्लाईओवर बनानेवाली एजेंसी सर्विस लेन को दुरुस्त कराती है और न नगर निगम के अफसर. जाम लगता है तो लगे, गड्ढे में फंसते, गिरते हैं, तो गिरें. किसी को कोई मतलब नहीं.

एनटीपीसी अवैध खनन मामला : सरकार को सुपरसीड कर रहे पीसीसीएफ

डीएफओ के बचाव में उतरे, पर तर्कों का सबूत नहीं

प्रवीण कुमार। हजारीबाग/रांची

वन विभाग के अफसर अपनी कार्यशैली की वजह से अक्सर विवादों में घिरते रहे हैं. पूर्व पीसीसीएफ एके रस्तोगी बोकारो में सहारा इंडिया की 70 एकड़ जमीन मामले में जांच की जद में हैं. वहीं वर्तमान पीसीसीएफ संजय श्रीवास्तव अपने कनीय अधिकारी हजारीबाग के तत्कालीन डीएफओ आरएन मिश्र को बचाने के चक्कर में गलतियां कर रहे हैं. मामला हाईप्रोफाइल है. एनपीटीसी ने पंकरी बरवाडीह कोल परियोजना (हजारीबाग) में 100 एकड़ से अधिक वन भूमि में अवैध खनन करा लिया है. दैनिक शुभम संदेश लगातार इस अवैध खनन का पर्दापाश करते हुए अफसरों की कारगुजारियों को सामने ला रहा है. अब पीसीसीएफ बिना किसी सबूत के ही अपने कनीय पदाधिकारी के बचाव में जुट गए हैं.

डीएफओ ने जांच अधिकारी की अनुशंसा अपनी रिपोर्ट में छुपायी

पीसीसीएफ ने आरोपी डीएफओ आरएन मिश्रा के पक्ष में राज्य सरकार को जो रिपोर्ट सौंपी है, उसमें अविनाश कुमार परमार और शैलेन्द्र सिंह की जांच रिपोर्ट पर मार्च 2022 को पश्चिमी वन प्रमंडल पदाधिकारी को भेजी गयी विभागीय जांच रिपोर्ट की कंडिका दो में लिखा था कि प्रयोक्ता एजेंसी द्वारा एफसी एक्ट की धारा 3ए एवं 3 बी के तहत कार्रवाई की जा सकती है, लेकिन आरएन मिश्रा ने इस तथ्य को छुपा दिया था. इस बिंदु को भी जांच केदायरे में नहीं लाया गया.

पीसीसीएफ का तर्क, पर प्रमाण नहीं

तत्कालीन डीएफओ के पक्ष में मुख्य वन संरक्षक की रिपोर्ट पर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (हॉफ) ने अपर मुख्य सचिव, वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को जो रिपोर्ट भेजी, उसकी कंडिका तीन में कहा कि मिश्रा ने स्पष्ट किया है कि दुमुहानी नाला का यह स्थल अधिसूचित वन भूमि नहीं है. अत: सीधे-सीधे भारतीय वन एक्ट 1927 के अंतर्गत वनवाद नहीं किया जा सकता. हालांकि मिश्रा ने उक्त स्थल अधिसूचित वन भूमि अंतर्गत है या बाहर है, इसका साक्ष्य नहीं दिया. मिश्रा ने स्पष्ट किया कि वन एक्ट 1927 के तहत वनवाद नहीं किया जा सकता और उनके द्वारा की गयी कार्रवाई 28.03.2019 के वन संरक्षण एक्ट की नियम के दिशा-निर्देश के तहत हैं. लेकिन साक्ष्य नहीं दिया गया, जिससे यह साबित हो सके कि फॉरेस्ट क्लीयरेंस की शर्तों का उल्लंघन करने पर वन अधिनियम के तहत कार्रवाई नहीं हो सकती. पीसीसीएफ ने बिना किसी दस्तावेज के मिश्रा के पक्ष में दलील दी, जो सवालों के घेरे में है.

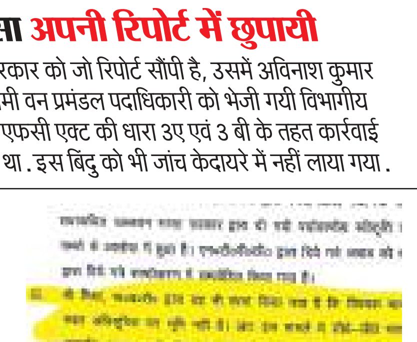

प्रधान मुख्य संरक्षक की रिपोर्ट

अवैध खनन पर पर्दा डालने के लिए रिपोर्ट ही बदल दी

पीसीसीएफ ने आरोपी डीएफओ आरएन मिश्रा के पक्ष में राज्य सरकार को जो रिपोर्ट सौंपी है, उसमें एक रिपोर्ट को बदल कर दूसरी रिपोर्ट बनाने का कारण वन संरक्षक, प्रादेशिक अंचल हजारीबाग द्वारा आरएन मिश्रा को एनटीपीसी का पक्ष अंकित कर दूसरी रिपोर्ट मांगा जाना बताया गया. लेकिन मुख्य वन संरक्षक (सतर्कता) और पीसीसीएफ ने यह नहीं देखा कि वन संरक्षक ने डीएफओ से प्रयोक्ता अभिकरण का पक्ष अंकित करने को कहा था, न कि कार्रवाई की बिंदु पर अनुशंसा करने को कहा था, जिसका निर्णय भारत सरकार लेती है. इसके अलावा एनटीपीसी के पक्ष के साथ रिपोर्ट मांगी गयी थी, जिसका जिक्र दूसरी रिपोर्ट में नहीं किया गया.

वन विभाग ने माना, अवैध खनन हुआ, पर दोषी किसी को नहीं माना

एनटीपीसी की पंकरी बरवाडीह कोल परियोजना (हजारीबाग) में वन विभाग अवैध खनन की बात तो स्वीकारता है, लेकिन दोषी किसी को नहीं मानता. सुप्रीम कोर्ट में 6 जून 2022 को मेसर्स बालासोर एलॉयज लिमिटेड बनाम ओडिशा राज्य मामले में सुनवाई करते हुए जस्टिस शाह ने अपने आदेश में कहा था कि "फॉरेस्ट क्लीयरेंस का आवेदन लंबित है, तो इसे फॉरेस्ट क्लीयरेंस नहीं माना जा सकता. अगर फॉरेस्ट क्लीयरेंस के आदेश के बिना खुदाई की जाती है, तो वह अवैध है. लेकिन वन विभाग खुद को कोर्ट के इस आदेश से भी ऊपर मानता है. तत्कालीन डीएफओ आरएन मिश्रा ने जो रिपोर्ट भेजी थी, उसमें एनटीपीसी को फॉरेस्ट क्लीयरेंस की शर्तों में संशोधन की अनुशंसा कर दी. दुमुहाना नाला (नदी) को नष्ट कर सौ एकड़ में अवैध खनन के दोषियों को बचाने के लिए तत्कालीन डीएफओ मिश्रा ने एनटीपीसी के दिए पक्ष के अनुसार ही रिपोर्ट बदल दी.

---

150 करोड़ रुपये का इनकम टैक्स भरा

कांग्रेस के सांसद धीरज साहू टैक्स भरने में भी हुए नंबर वन

रवि भारती। रांची

कुछ महीने पहले दिसंबर में सुर्खियों में आए झारखंड से राज्यसभा सांसद धीरज साहू इनकम टैक्स भरने में भी नंबर वन बने. उन्होंने 150 करोड़ रुपए इनकम टैक्स के रूप में जमा किए हैं. धीरज साहू उस समय चर्चा में आए थे, जब पिछले साल दिसंबर में आइटी डिपार्टमेंट ने उनके ओडिशा, रांची सहित कई ठिकानों पर रेड किया था. जिसमें 350 करोड़ रुपए से अधिक नकदी और आभूषण भी बरामद किए गए थे. यह मामला पूरे देश में सुर्खियों में बना रहा था. सूत्रों के अनुसार उन्हें शेष राशि में से 50 करोड़ रुपए के बारे में कोई जानकारी नहीं है. इस पर आयकर विभाग पेनाल्टी भी लगा सकता है. हाल ही में धीरज साहू से ईडी ने हेमंत सोरेन से जुड़े मामलों में पूछताछ की थी. जिसमें उनसे पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के दिल्ली स्थित आवास से जब्त बीएमडब्ल्यू कार के बारे में पूछताछ हुई थी.

क्या था यह हाई प्रोफाइल मामला

इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने ओडिशा स्थित बौद्ध डिस्टिलरी प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े परिसरों पर छापेमारी के दौरान 351.8 करोड़ कैश जब्त किया था. यह कंपनी उनके परिवार द्वारा चलाई जाती है. सूत्रों के मुताबिक, एक वाट्सएप ग्रुप ईडी की जांच के दायरे में आ गया, जिससे जुड़े कुछ लोगों ने दिल्ली में जब्त बीएमडब्ल्यू के मालिकाना हक को लेकर चर्चा की थी. अब धीरज साहू ने ईडी को बीएमडब्ल्यू कार के बारे में क्या जानकारी दी, यह तो नहीं मालूम. लेकिन सूत्रों की मानें तो धीरज के बयान से ईडी संतुष्ट है.

क्या कहता है नियम

आयकर के नियमों के अनुसार, अघोषित आय पकड़ी जाने पर भारी टैक्स के साथ-साथ पेनाल्टी का भी प्रावधान है.

टैक्स स्लैब के हिसाब से 300 फीसदी तक टैक्स और पेनाल्टी लगायी जा सकती है.

अघोषित संपत्ति के मामले में आयकर विभाग की ओर से अधिकतम 33 फीसदी का टैक्स लगाया जाता है. जिसमें 3 फीसदी सरचार्ज होता है. इसके बाद 200 फीसदी तक पेनाल्टी लगाई जा सकती है.

नियम के मुताबिक अगर पकड़ी गई संपत्ति चालू वित्त में अर्जित की गई हो, तो फिर उस पर कुल 84 फीसदी टैक्स और पेनाल्टी वसूली जाएगी.

लेकिन अगर यह काली कमाई बीते वर्षों की है, तो फिर उस पर 99 फीसदी तक टैक्स और पेनल्टी वसूली जा सकती है.

अभी भी 50 करोड़ का नहीं हो रहा खुलासा

सूत्रों के मुताबिक, 50 करोड़ रुपये के बारे में सांसद कुछ भी बताने में असमर्थ हैं और उन्हें टैक्स और जुर्माना देना होगा. कांग्रेस सांसद ने कहा है कि कैश बिजनेस टर्नओवर का हिस्सा था. जुलाई में जब रिटर्न फाइल किया जाएगा तो हम देखेंगे.

रिम्स ओपीडी

विभाग	डॉक्टर का नाम
मेडिसिनः	डॉ संजय कुमार सिंह
ऑर्थोपेडिकः	डॉ जीके गुप्ता
कार्डियोलॉजीः	डॉ पीजी सरकार
टीबी एवं चेस्टः	डॉ ब्रजेश मिश्रा
नेत्रः	डॉ सुनील कुमार
ऑब्स गायनीः	डॉ किरण त्रिवेदी
ईएनटीः	डॉ आरके चौधरी
सीटीवीएसः	डॉ विनीत महाजन
नेफ्रोलॉजीः	डॉ प्रज्ञा घोष पंत
सायकेट्रीः	डॉ अजय बाखला
न्यूरोलॉजीः	डॉ सुरेंद्र कुमार-डॉ रूपेश प्रसाद

सदर अस्पताल

- मेडिसिनः डॉ बीएन पोद्दार, डॉ लक्ष्मीकांता सोय
- ऑब्स एंड गायनीः डॉ रश्मि प्रसाद, डॉ रानी सिंह
- पीडियाट्रिक(शिशु रोग)ः डॉ दयानंद
- हेमाटोलॉजीःडॉ अभिषेक रंजन
- यूरोलॉजीः डॉ शैलेंद्र शुक्ला

ब्रीफ खबरें

एचईसी में विफल रही कर्मियों की विशेष वार्ता

रांची। एचईसी में अफसर-कर्मी आंदोलन के एक महीना बीत चुका है. गुरुवार को एचईसी बचाओ समिति और प्रबंधन के बीच विशेष वार्ता का कोई परिणाम नहीं निकला. मजदूरों ने कहा कि बिना चेयरमैन के आए वार्ता का परिणाम नहीं निकल सकता है. जिन मांगों पर एचईसी का आलाकमान राजी है, उसपर प्रबंधन को एप्रुवल के साथ वार्ता में आना होगा. शुक्रवार को टेंडर ठेकेदार के साथ प्रबंधन की बात होगी. बता दें निगम मुख्यालय के सामने कर्मचारी रोजाना धरना प्रदर्शन कर अपने बकाया वेतन और ठेका श्रमिकों का कॉन्ट्रैक्ट रिन्यूअल करने की बात कह रहे हैं.

कैबिनेट में कांग्रेस के नये चेहरों को मिले मौका

रांची। कांग्रेस कोटे के मंत्रियों को रिप्लेस करने की मांग को लेकर पार्टी के कई विधायकों ने प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर से गुरुवार की देर शाम मुलाकात की. कांग्रेस प्रभारी के पास नए चेहरों की मांग को लेकर जानेवालों में खिजरी विधायक राजेश कच्छप, महगामा विधायक दीपिका सिंह पांडेय, झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह, मांडर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की, बड़कागांव विधायक अंबा प्रसाद, बेरमो विधायक जयमंगल सिंह उर्फ अनूप सिंह, सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा और मनिका विधायक रामचंद्र सिंह शामिल थे.

संयुक्त किसान मोर्चा का भारत बंद आज

रांची। संयुक्त किसान मोर्चा और संयुक्त ट्रेड यूनियन की ओर से शुक्रवार को भारत बंद का आह्वान किया गया है. इसको लेकर झारखंड सीएनजी ऑटो चालक महासंघ ने बयान जारी कर 16 फरवरी भारत बंद का समर्थन किया है. महासंघ की ओर से 16 फरवरी 2024 की बंदी का पूर्ण समर्थन करते हुए अपना ऑटो ई रिक्शा एवं प्राइवेट बसों टन में परिचालन करने वाले सभी चालक भाइयों से अनुरोध है कि अपना परिचालन भी बंद रखें और बंदी को सफल बनाने की अपील की है.

जदयू कार्यकारिणी की बैठक आज

रांची। जदयू के प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने बताया कि जदयू प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक 16 फरवरी को पुरानी विधानसभा स्थित विधायक क्लब सभागार में दिन के 11 बजे से होगी. बैठक की अध्यक्षता राज्यसभा सांसद सह जदयू के प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो करेंगे. बैठक में सभी जिला, नगर अध्यक्ष एवं प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे. बैठक में आगामी लोकसभा चुनाव एवं संगठन पर चर्चा की जाएगी. यह जानकारी प्रदेश प्रवक्ता सागर कुमार ने दी.

चुनावी बॉन्ड पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला, काला धन सफेद करने का सपना चकनाचूर

कांग्रेस ने मनाया जश्न, निकाला जुलूस, पीएम मोदी का पुतला फूंका

विशेष संवाददाता। रांची

सुप्रीम कोर्ट द्वारा चुनावी बॉन्ड को लेकर दिये गये फैसले पर कांग्रेस ने गुरुवार को जश्न मनाया. मोदी सरकार का पुतला फूंका. इस मौके पर कांग्रेस नेताओं ने कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा चुनावी बॉन्ड पर दिया गया फैसला मोदी के चिर परिचित सपनों पर हथौड़ा बनकर पड़ा है. जिससे कॉरपोरेट घरानों के काले धन को सफेद करने के मोदी के सपने चकनाचूर हो गए हैं. इस ऐतिहासिक फैसले का हम स्वागत करते हैं.

इस अवसर पर केशव महतो कमलेश, प्रदीप तुलस्यान, विधायक राजेश कच्छप, राजीव रंजन प्रसाद, संजय लाल पासवान, अमूल्य नीरज खलखो, राकेश सिन्हा, मानस सिन्हा, संजय पांडेय, विनय सिन्हा दीपू, सतीश पॉल मुंजनी, ब्रजभूषण पाण्डेय, कमल ठाकुर, सोनाल शांति, डॉ. राकेश किरण महतो, डॉ. कुमार राजा, संजय सिंह, खुर्शीद हसन रूमी, जगदीश साहु, निरंजन पासवान, ऋषिकेश सिंह, अमरेन्द्र सिंह, अभिलाष साहु, राजेश सिन्हा सन्नी, नेली नाथन, सुनील सिंह, अख्तर अली, प्रेम कुमार, उज्ज्वल प्रकाश तिवारी, छोटू सिंह, नीतू देवी, सुन्दरी तिर्की, भानू प्रताप बड़ाईक, अर्चना मिश्रा, रामदेव सिंह, रमन सिंह, राजीव नारायण प्रसाद, गुलाम रब्बानी, शहीद अंसारी, जगरनाथ शाहु, मदन महतो, किशोरी लकड़ा, प्रभात कुमार सहित सैकड़ों कांग्रेसजन शामिल थे.

जुलूस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर के नेतृत्व में निकाला गया

कांग्रेस भवन से एक जुलूस प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में निकला. जो अलबर्ट एक्का चौक पहुंचा. जहां पर पीएम मोदी का पुतला दहन किया गया. मौके पर राजेश ठाकुर ने कहा, मोदी सरकार की काला धन रूपांतरण योजना यानी चुनावी बॉन्ड को देश में वित्त विधेयक के रूप में पेश किया गया था. उस पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने पानी फेर दिया. 2017 में जब इसे विधेयक के रूप में पेश किया गया, तबसे कांग्रेस इसके अलोकतांत्रिक स्वरूप की निंदा कर रही थी और देश के लिए इसे हानिकारक और मोदी सरकार द्वारा काले धन को चंदे के रूप में प्राप्त करने का एक हथियार मान रही थी. कांग्रेस ने इससे जनता को अवगत कराते हुए संसद के भीतर और बाहर सड़कों पर पूरी क्षमता से लड़ाई जारी रखी. इस विधेयक से लोकतांत्रिक ढांचे के स्वरूप में बदलाव की प्रारंभिक कोशिश की गई, परंतु सात वर्षों के संघर्ष के बाद सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले से संघीय व्यवस्था को ध्वस्त होने से बचा लिया. भ्रष्टाचार की सीमा को पार कर इस बॉन्ड के जरिए भाजपा ने कितना चंदा कॉरपोरेट कंपनियों से प्राप्त किया, उसे जनता को जानने का हक है और देर सवेर इसका खुलासा अवश्य होगा. ठाकुर ने कहा कि इस बांड का फायदा उठाकर कानूनन दुरुपयोग करते हुए भ्रष्टाचारी मोदी सरकार ने अपने मित्र कॉरपोरेट घरानों से अरबों रुपये काला धन चंदा के रूप में प्राप्त किया होगा. इस मौके पर कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, पूर्व केंद्रीय मंत्री सहित कई लोगों ने अपने विचार रखे.

इलेक्टोरल बॉन्ड को असंवैधानिक करार देने पर राजनीतिक दलों की प्रतिक्रिया

कांग्रेस, वाममोर्चा ने की सराहना

संवाददाता। रांची

इलेक्टोरल बॉण्ड योजना पर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के पक्ष में राजनीतिक दलों की व्यापक प्रतिक्रिया हुई है. कांग्रेस, भाकपा माले, सीपीआई तथा सीपीआईएम ने उक्त निर्णय को स्वागत किया है. भाकपा-माले के राज्य सचिव मनोज भक्त ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए कहा है कि राजनीतिक पार्टियों को कौन एवं कितना चन्दा दे रहा है यह जानने का भारत के मतदाताओं को पूरा अधिकार है. इलेक्टोरल बॉण्ड के जरिये देशी और विदेशी व्यक्तियों एवं कम्पनियों के लिए गुप्त रूप से राजनीतिक दलों को असीमित मात्रा में चन्दा देने का प्रावधान बनाया गया था. यह क्रोनीवाद और भ्रष्टाचार को बढ़ाने वाली लोकतंत्र के लिए बेहद घातक कार्रवाई थी.

सीपीआई के राज्य कार्यकारणी सदस्य सह जिला सचिव अजय सिंह ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि इलेक्ट्रोल बॉन्ड के जरिए भाजपा देश के काले धन को वैध बनाने का कार्य कर रही थी. साथ ही साथ आमलोगों को ठगने का कार्य कर रही थी, बड़े बड़े पूंजीपतियों को आईटी और ईडी का भय दिखाकर धन अर्जन करने का कार्य कर रही है.आम लोगों को आपके पैसे के बारे में जानकारी होना चाहिए के किसके पैसे के बल पर आप राजनीति कर रहे है. किन किन पूंजीपतियों को आपके द्वारा लाभ पहुंचाया गया है और टैक्स से छूट मिला है.

सीपीआईएम के केंद्रीय कमेटी सदस्य प्रकाश विप्लव ने कहा है कि इस फैसले ने, अज्ञात कॉर्पोरेट दाताओं द्वारा सत्ताधारी पार्टी का खजाना भरने के लिए बनाई गई इस योजना को पूरी तरह से खारिज कर दिया है. पार्टी ने खुद शुरुआत में घोषित किया था कि पार्टी चुनावी बांड स्वीकार नहीं करेगी क्योंकि यह योजना भ्रष्टाचार को वैध बनाती है. यह अब आवश्यक है कि पारदर्शिता, पैसे और चुनाव में बराबरी का मैदान सुनिश्चित करने के लिए राजनीतिक और चुनावी अनुदान के लिए जनवादी सुधारों को सामने लाया जाए. कांग्रेस मीडिया प्रभारी राकेश सिंहा ने कहा कि चुनावी बॉण्ड प्रणाली को वर्ष 2017 में एक वित्त विधेयक के माध्यम से पेश किया गया था. इसे वर्ष 2018 में लागू किया गया. वे दाता की गुमनामी बनाए रखते हुए पंजीकृत राजनीतिक दलों को दान देने के लिए व्यक्तियों और संस्थाओं हेतु एक साधन के रूप राजनीतिक दल इस्तेमाल करते थे. जिसे सुप्रीम कोर्ट ने आपने फैसले में चुनावी बांड योजना को असंवैधानिक करार दिया है. कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि यह योजना नागरिकों के सूचना के अधिकार का उल्लंघन करती है, जिससे संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर असर पड़ता है. सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला ऐतिहासिक है. भाजपा को बताना चाहिए चुनाव बांड के नाम पर कितने कॉर्पोरेट से चंदा लिया है और उसे क्या लाभ पहुचाया है.

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक फंडिंग के लिए चुनावी बॉंड योजना को असंवैधानिक करार देते हुए गुरुवार को कहा कि चुनावी लोकतंत्र के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वोट देने की स्वतंत्रता पर अनुचित प्रभाव नहीं पड़े. कोर्ट ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत मान्यताओं की अभिव्यक्ति की गारंटी है और राजनीतिक राय का निर्माण राजनीतिक अभिव्यक्ति का पहला चरण है. चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच जजों की संविधान पीठ ने कहा कि राजनीतिक संबद्धता की गोपनीयता के अभाव में राजनीतिक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का स्वतंत्र रूप से प्रयोग नहीं किया जा सकता है.

आयकर विभाग के नये प्रावधान 43बी (एच) को लेकर चैंबर भवन में परिचर्चा

नया प्रावधान बेहद उपयोगी, व्यापारी स्वीकार करें : महेश पोद्दार

संवाददाता। रांची

आयकर विभाग के नये प्रावधान 43बी (एच) से व्यापारियों के बीच बनी भ्रांतियों के समाधान को लेकर गुरुवार को चैंबर भवन में परिचर्चा का आयोजन किया गया. परिचर्चा में व्यापारी वर्ग, उद्यमियों ने एमएसएमई की धारा 43बी(एच) के प्रावधानों को लेकर अपनी शंकाएं, जिज्ञासा एवं सुझाव रखे, जिसका पैनलिस्ट के तौर पर उपस्थित चार्टर्ड एकाउंटेंट सीए जेपी शर्मा, रंजीत गाडोदिया, सीए दीपक गाडोदिया और सीए नवीन डोकानिया द्वारा जानकारी दी गई. यह कहा गया कि माइक्रो एवं स्मॉल इंडस्ट्रीज के हितों को ध्यान में रखकर भारत सरकार के द्वारा यह प्रावधान लाया गया है, जिससे उन्हें भुगतान में राहत मिल सके. सीए रंजीत गाडोदिया ने विषय प्रवेश कराते हुए कहा कि एमएसएमई यूनिट से खरीदारी करनेवाले खरीदार को 45 दिनों के भीतर भुगतान करना होगा. ऐसा नहीं होने की स्थिति में उस भुगतान राशि को आय माना जायेगा, जिसपर सरकार को आयकर लगेगा. कहा गया कि जो सप्लाई मैनुफैक्चरर और सर्विस प्रोवाइडर द्वारा की गई हो जो कि एसएमई में निबंधित हैं, उन्हें 45 दिन के अंदर भुगतान करना अनिवार्य होगा और जो सप्लाई व्यवसायी के द्वारा की जाती है, जो मैनुफैक्चरर और सर्विस प्रोवाइडर नहीं हैं और जिनका एमएसएमई में निबंधन व्यवसायी के तौर पर हुआ है उनके भुगतान पर यह नियम लागू नहीं होता.

परिचर्चा में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित सांसद (राज्यसभा) महेश पोद्दार ने कहा कि जीएसटी की तरह व्यापारी वर्ग इस एक्ट को भी स्वीकार करें. यह प्रावधान एसएसआई यूनिट के लिए बेहद उपयोगी है. स्मॉल स्केल इंडस्ट्री के रूग्ण होने का प्रमुख कारण लिक्विडिटी क्राइसिस का लंबे समय तक बने रहना है. एक छोटा ट्रेडर और मैनुफैक्चरर दोनों की चुनौतियां एक समान हैं. इस प्रावधान को कुछ समय के लिए डिफर करने के विचार पर उन्होंने असहमति जताते हुए कहा कि जीएसटी के प्रभावी होने के शुरुआती दिनों में गलतियों को क्षम्य माना गया था. चैंबर ऑफ कॉमर्स का दायित्व है कि वह आनेवाली कठिनाइयों में संशोधन पर अपने सुझाव सरकार तक पहुंचाये.

चैंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री और महासचिव परेश गट्टानी ने संयुक्त रूप से व्यापारियों के बीच बनी हुई भ्रांतियों पर विस्तार से चर्चा की. परिचर्चा के अंत में सभी अतिथियों को शॉल व प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया. परिचर्चा में चैंबर उपाध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, सह सचिव शैलेश अग्रवाल, अमित शर्मा, कोषाध्यक्ष ज्योति कुमारी, कार्यकारिणी सदस्य संजय अखौरी, राम बांगड, साहित्य पवन, विमल फोगला, प्रवीण लोहिया, सुनील सरावगी, नवीन अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष ललित केडिया, कुणाल अजमानी, धीरज तनेजा, सदस्य दीपक गदयान, साकेत मोदी, मनोज मिश्रा, एससी जैन, रमेश साहू, संदीप छापडिया, कुणाल विजयवर्गीय, अंकिता वर्मा, माला कुजूर, मदन प्रसाद साहू, आस्था किरण, रोहित कुमार, ओमप्रकाश छापडिया, विक्रम खेतावत, श्रवण राजगढिया, विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी समेत सैकडों व्यापारी उपस्थित थे.

बारिश के बाद कोहरे के आगोश में पूरा झारखंड, पारा भी गिरेगा

संवाददाता। रांची

तीन दिनों की बारिश के बाद शुक्रवार से झारखंड में मौसम साफ रहेगा. मौसम विभाग के अनुसार, 16 फरवरी से आसमान साफ रहेगा. सुबह में राजधानी रांची समेत राज्य के उत्तरी-पश्चिमी, मध्य और दक्षिणी भागों में कहीं-कहीं हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा रहने की संभावना है. वहीं बादल छंटने के बाद राज्य के न्यूनतम तापमान में 3 से 4 डिग्री की गिरावट हो सकती है. इसके बाद अगले 2 दिनों में इसमें धीरे-धीरे 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है. पिछले 24 घंटों में राज्य में कई स्थानों पर हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा हुई. वहीं रांची जिले में कहीं- कहीं ओलावृष्टि भी दर्ज की गई. सबसे अधिक वर्षा 35.0 एमएम रांची में दर्ज की गई. सबसे अधिक तापमान 31.0 डिग्री चाईबासा का रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 13.7 डिग्री सेल्सियस रांची में दर्ज किया गया. गुरुवार को राज्य के दक्षिणी और निकटवर्ती मध्य भागों में कहीं-कहीं गर्जन के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हुई.

जानिए विभिन्न शहरों का तापमान

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	27.2	13.7
जमशेदपुर	29.5	17.4
डालटनगंज	27.4	16.7
बोकारो थर्मल	26.1	16.5
चाईबासा	31.0	15.4
देवघर	23.3	16.7
गिरिडीह	23.3	15.8
गढ़वा	25.0	16.6
लोहरदगा	24.5	13.8
गोड्डा	25.0	16.1

आजसू का काम केवल छात्रों के साथ राजनीति करनाः रोहित

संवाददाता। रांची

झारखंड एनएसयूआई के प्रदेश सचिव रोहित पांडेय ने आजसू पर सवाल उठाया है. उन्होंने बयान जारी करते हुए आजसू पर कई आरोप भी लगाए है. उन्होने कहा है कि आजसू पार्टी ने पिछली सरकार में रहकर भाजपा सरकार के साथ केवल छात्र और युवाओं को ठगा है. अभी जब गठबंधन की सरकार बहाली निकाल रही है और पूर्व हुई बहाली क्लियर करवा रही है तो आजसू और भाजपा के पेट में दर्द हो रहा है. आजसू छात्र संघ के अध्यक्ष अगर छात्र छात्राओं के इतना ही हितैषी है तो बताएं कि पिछली सरकार ने कितनी वैकेंसियां निकाली हैं और कितनों को नौकरी दी है. वहीं उन्होंने जेएसएससी पेपर लीक मामले पर कहा कि हमारी सरकार ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एसआईटी गठित कर जांच की करवाई शुरू कर दी. लगातार गिरफ्तारियां हो रही हैं और कुछ न कुछ नए सुराग मिल रहे हैं. आजसू भाजपा के लोग सब्र करें बहुत जल्द बहुत कुछ और नए नए नाम भी सामने आएंगे और कई खुलासे होंगे. आखिरकार आजसू क्यों चाहती है की सीबीआई जांच हो, यह अपने आप में जांच का विषय है. जिस तरह आजसू सीबीआई जांच की मांग कर रही है, उससे लगता है कि आजसू के अपने लोग हैं और वह दोषियों को बचाना चाह रही है. सीबीआई केंद्र सरकार की एजेंसी है और बीजेपी की जहां जहां सरकार है, वहां वहां भी पेपर लीक हुआ है और अभी तक कोई कार्रवाई नही हुई है.

गुरुवार को मां सरस्वती को विदाई दी गयी. युवाओं ने बड़े उत्साह के साथ विद्या की देवी की प्रतिमाओं का विसर्जन किया. और मां से बल-बुद्धि-विद्या का आशीर्वाद मांगा.
फोटो : रमीज

भारत-इंग्लैंड टेस्ट के लिए आज से टिकटों की बिक्री

संवाददाता। रांची

जेएससीए स्टेडियम में 23 से 27 फरवरी तक भारत और इंग्लैंड के बीच चौथा टेस्ट खेला जाएगा. जिसके लिए ऑनलाइन टिकटों की बिक्री शुक्रवार से शुरू हो रही है. खेल प्रशंसक दोपहर 12 बजे से पेटीएम ऐप और Insider.in पर टिकट ले सकते हैं. जबकि टिकटों की ऑफलाइन बिक्री 20 से शुरू होगी. ऑनलाइन खरीदे गए टिकट 20 को सुबह 9:30 बजे से स्टेडियम के पश्चिमी गेट पर जाकर भौतिक रूप में लेना होगा. एक व्यक्ति 6 टिकट खरीद सकता है और काउंटर से टिकट लेते समय व्यक्ति का पहचान पत्र जरूरी है. वहीं ऑफलाइन टिकट पश्चिमी गेट पर बने टिकट काउंटर पर 20 से 22 तक सुबह 9.30 से 1 बजे तक और दोपहर 2 बजे से शाम 4.30 बजे तक उपलब्ध होंगे. जिसमें चार काउंटर चालू होंगे. 23 से 27 फरवरी तक मैच के दौरान भी प्रशंसक टिकट ले सकते हैं. टिकटों की खरीद के एक काउंटर चालू होगा.

टिकटों की कीमत

- ए विंग लोअर : 400 रुपये प्रतिदिन
- ए विंग लोअर टियर : 400 रुपये प्रतिदिन
- बी विंग : 500 रुपये प्रतिदिन
- सी विंग लोअर टियर : 400 रुपये प्रतिदिन
- डी विंग लोअर टियर : 400 रुपये प्रतिदिन
- अमिताभ चौधरी पवेलियन : 700 रुपये प्रतिदिन
- प्रेसिडेंट एंक्लोजर : 2000 रुपये प्रतिदिन
- हॉस्पिटैलिटी ब्लॉक : 1500 रुपये प्रतिदिन
- कॉरपोरेट लाउंज : 1200 रुपये प्रतिदिन.
- एमएस धौनी पवेलियन लक्जरी : 2500 रुपये प्रतिदिन हॉस्पिटैलिटी के साथ

मेल-मिलाप

झामुमो, राजद, कांग्रेस छोड़ सैंकड़ों लोगों ने ली भाजपा की सदस्यता, प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने किया स्वागत

लालटेन छोड़ घूरन राम ने समर्थकों के साथ थामा कमल का दामन

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड में राजद के नेता और पूर्व एमपी घुरन राम ने गुरुवार को राजद छोड़ कर भाजपा का दामन थाम लिया. प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने घुरन राम,माधवचंद्र महतो, ब्रजेंद्र हेंब्रम,राजेंद्र मुंडा व उनके समर्थकों का स्वागत किया.

इन्होंने ली सदस्यताः विनोद चंद्रवंशी, उमेश सिंह,मनदीप राम, उमेश सिंह, विजय मेहता, सुरेश कुमार, मुकेश गौड़, सन्नी चंद्रवंशी, बृज बिहारी , विनोद चंद्रवंशी, बिरसा, सुखराम मुंडा, मदन, हेमन्त केसरी, जागरण उरांव दिलीप ठाकुर और मदन प्रामाणिक आदि शामिल हैं.

जनता तीसरी बार मोदी सरकार बनाने के लिए संकल्पितः बाबूलाल मरांडी

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 2024में देश की जनता तीसरी बार मोदी सरकार बनाने के लिए संकल्पित है. हमें जन जन के बीच में जाकर पीएम मोदी के संदेश को पहुंचाना है. प्रधानमंत्री ने जो 400 पार का लक्ष्य दिया है, उसे पूरा करना है. मोदी सरकार पिछले 10 वर्षों में गांव, गरीब, किसान, मजदूर, महिला, आदिवासी, दलित पिछड़े सभी को विकास की मुख्यधारा से जोड़ा है. जनधन खाता, शौचालय, प्रधानमंत्री आवास,आयुष्मान योजना, प्रति व्यक्ति 5 किलो अनाज, उज्ज्वला गैस योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, जैसी अनेक कल्याणकारी योजनाएं आम जनता तक पहुंची हैं.

भ्रष्टाचार पर हो रहा कड़ा प्रहार

बाबूलाल ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार हो रहा. झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को उनके किए का परिमाण भुगतना पड़ रहा है. मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने अगर लीक नही बदली, तो उन्हे भी ऐसे ही परिणाम के लिए तैयार रहना पड़ेगा. हेमंत सोरेन ने झारखंड के खान,खनिज , बालू, पत्थर सब को लूटा. बिचौलिए, दलाल को खुली छूट दी. जब इससे भी पेट नही भरा तो गरीब युवा बेरोजगारों की नौकरी बेंच दी. दलाल, बिचौलिए के व्हाट्स ऐप चैट ने पूरा इतिहास भूगोल बता दिया है. भ्रष्टाचार ,लूट और झूठ के खिलाफ लड़ाई में शामिल होने के लिए सबको आमंत्रण है.

भाजपा कोई परिवार की पार्टी नहीः रवींद्र राय

ज्वाइनिंग कमिटी के प्रदेश संयोजक डॉ रविंद्र कुमार राय ने कहा कि भाजपा कोई परिवार की पार्टी नहीं. बल्कि सभी समाज,वर्ग की पार्टी है. भाजपा का लक्ष्य केवल सत्ता परिवर्तन नहीं बल्कि समाज का परिवर्तन भी है. भाजपा सर्व व्यापी सर्व समावेशी सोच के साथ अंत्योदय का लक्ष्य पूरा कर रही. घूरन राम ने पार्टी के केंद्रीय और प्रदेश नेतृत्व का आभार प्रकट करते हुए कहा कि भाजपा ही आदिवासी, दलित, पिछड़े सभी समाज का सम्मान करती है. प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश आज तेजी से विकास कर रहा.

भगवान बिरसा मुंडा एयरपोर्ट विस्थापित मोर्चा ने दिया धरना

संवाददाता। रांची

बिरसा मुंडा एयरपोर्ट विस्थापित मोर्चा ने एयरपोर्ट टर्मिनल बिल्डिंग के समक्ष गुरुवार को धरना दिया, जिसका नेतृत्व मोर्चा के अध्यक्ष अजीत उरांव ने किया. सुबोधकांत सहाय भी समर्थन में पहुंचे. उन्होंने कहा कि विस्थापितों की मांगें जायज हैं. उन्हें हटाने से पहले पुनर्वास के साथ भूमि अधिग्रहण के एवज में पर्याप्त मुआवजे का भुगतान होना चाहिए. इस दिशा में मोदी सरकार हमेशा लापरवाही बरतती रही. उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट क्षेत्र के आसपास के ग्रामीण मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ गोलबंद हो रहे हैं, जिसका खामियाजा केंद्र को भुगतना पड़ सकता है. केंद्र सरकार यथाशीघ्र विस्थापितों की मांगें मान ले, अन्यथा व्यापक जनांदोलन होगा. कांग्रेस नेता अजयनाथ शाहदेव ने कहा कि एयरपोर्ट अथॉरिटी और भारतीय सेना द्वारा अधिग्रहीत जमीन का उचित मुआवजा यथाशीघ्र केंद्र सरकार दिलाए.

विस्थापितों को उनकी भूमि से बेदखल करने के पूर्व ग्रामीणों के पुनर्वास की व्यवस्था की जाए, अन्यथा केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ ग्रामीणों का गुस्सा कभी भी उग्र आंदोलन का रूप ले सकता है.धरना को एयरपोर्ट विस्थापित मोर्चा के अध्यक्ष अजीत उरांव व पूर्व पार्षद सुधीर गोप ने भी संबोधित किया. मौके पर काफी संख्या में एयरपोर्ट के आसपास के ग्रामीण महिला और पुरुष मौजूद थे।

सीबीएसई : पहले दिन वोकेशनल विषयों की हुई परीक्षा, सभी प्रश्न सिलेबस से पूछे गये थे, बेहतर अंक प्राप्त होने का भरोसा

10वीं व 12वीं बोर्ड की परीक्षा शुरू, पेपर अच्छा होने के बाद छात्रों के खिले चेहरे

पियूष गौतम। रांची

खास बातें

- 10वीं के 71,500 व 12वीं के 40,500 विद्यार्थी हुए शामिल
- औसत दर्जे के थे वोकेशनल परीक्षा में पूछे गये सवाल

सीबीएसई बोर्ड की 10वीं व 12वीं की परीक्षा गुरुवार से शुरू हो गई. परीक्षा खत्म होने के बाद अलग-अलग परीक्षा केंद्रों से बाहर निकले परीक्षार्थी काफी खुश नजर आए. हालांकि पहले दिन वोकेशनल विषयों की ही परीक्षा आयोजित हुई. 12वीं बोर्ड के लिए एंटरप्रेन्योरशिप विषय जबकि 10वीं के लिए पेंटिंग आदि विषयों का परीक्षा हुआ. एग्जाम देकर परीक्षा केंद्रों से बाहर निकले छात्रों ने बताया कि पेपर आसान था. सभी प्रश्न सिलेबस से ही पूछे गए थे. 12वीं कक्षा के निखिल नाम के छात्र ने बताया कि परीक्षा के प्रश्न औसत दर्जे के पूछे गए थे. जिसने भी ध्यानपूर्वक पढ़ाई की है निश्चित ही उसके अंक बेहतर आएंगे. वहीं 12वीं के एक अन्य छात्र आलोक ने बताया कि 10 प्रतिशत सवालों को छोड़ कर सभी प्रश्न औसत थे. बता दें कि रांची जोन में शामिल 6 जिले रांची, सिमडेगा, लोहरदगा, लातेहार, खूंटी व गुमला में कुल मिलाकर 33 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं. केवल रांची में ही सर्वाधिक 23 परीक्षा केंद्र बने हैं. इस बार पूरे राज्य से लगभग एक लाख 12 हजार स्टूडेंट्स परीक्षा दे रहे हैं. जिसमें 10वीं के 71,500 छात्र जबकि 12वीं के 40,500 विद्यार्थी शामिल हैं. वहीं रांची से 10वीं बोर्ड के 13 हजार जबकि 12वीं बोर्ड से करीब 10 हजार अभ्यर्थी परीक्षा दे रहे हैं.

ब्रीफ खबरें

कलीसिया के लिए चालीसा काल रुकने का समय

रांची। चालीसा काल प्रभु यीशु के दुखभोग, मृत्यु और पुनरुत्थान को याद करने का समय है. परमेश्वर का पुत्र होने पर भी वे इस धरती पर मनुष्यों के बीच आए और भलाई के कार्य किए. विश्वासी कलीसिया के लिए यह चालीसा काल रुकने का समय है. दौड़ भाग वाले जीवन में अपने काम से रुकना है, ताकि अपने घर परिवारवालों को समय दें. पहली शिक्षा चालीसा काल में प्रार्थना करे प्रभु यीशु से बाइबल वचन के द्वारा करीब आए. अपने सभी कामों से समय निकाल कर बाइबल वचन का अध्ययन कर मनन करें. अपने काम से विराम लेकर अपने परिजनों के लिए रुकें.

डीपीएस के श्रेयम और अशहद हुए क्वालीफाई

रांची । दिल्ली पब्लिक स्कूल के 12वीं कक्षा के छात्र श्रेयम झा और अशहद हुसैन ने 55वीं नेशनल मैथमेटिक्स टैलेंट कम्पटीशन 2023 में क्वालीफाई किया है. उल्लेखनीय है कि झारखंड राज्य से केवल दो छात्रों ने यह योग्यता हासिल की है और दोनों डीपीएस रांची के विद्यार्थी हैं. इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. राम सिंह ने श्रेयम झा और अशहद हुसैन को बधाई दी. राष्ट्रीय मंच पर स्कूल के प्रतिनिधित्व पर गर्व व्यक्त करते हुए प्राचार्य ने दोनों छात्रों के समर्पण, कड़ी मेहनत और बौद्धिक कौशल की सराहना की.

रिम्स के नवनियुक्त निदेशक का स्वागत

रांची। रिम्स के नव नियुक्त निदेशक डॉ. राजकुमार से रिम्स अराजपत्रित कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सिस्टर आईवी रानी खलखो, संगठन महासचिव सह सदस्य, शशि परिषद रिम्स रांची सुशांत कुमार साहु, ऑल इंडिया एसटी, एससी एवं ओबीसी के लाइजनिंग कमेटी के अध्यक्ष प्रेमलता माइकल, मंजु डंगु डंगू, संयुक्त सचिव अमित कुमार , सचिव प्रोमिला भेंगरा, सिस्टर मरियम आदि ने गुरुवार को पुष्प-गुच्छ देकर औपचारिक मुलाकात की एवं उनका स्वागत किया. नव नियुक्त निदेशक, रिम्स ने भी संघ से मिलजुल कर काम करने का आश्वासन दिया.

आदिवासी लोहरा समाज का हुआ विस्तारीकरण

रांची । रांची के अरगोड़ा स्थित मधु तिर्की के आवास में सामाजिक संगठन आदिवासी लोहरा समाज अरगोड़ा अंचल का हुआ विस्तारीकरण. इसमें मुख्य संरक्षक मधु तिर्की, मुन्ना तिर्की, राजन लोहरा को अध्यक्ष साथ में उपाध्यक्ष, दीपक तिर्की, काजल तिर्की, कैलाश लोहरा सचिव, चंदन तिर्की कोषाध्यक्ष, चंद्रावती तिर्की को बनाया गया है. रामशरण तिर्की ने कहा केंद्र समिति की अगुवाई में जल्द झारखंड के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन से मुलाकात कर स्थाई समाधान के लिए ज्ञापन सौंपा जाएगा.

वसंत पंचमी को लेकर दूसरे दिन भी गुलजार रही राजधानी

विसर्जन शोभायात्रा के साथ विदा हुईं मां शारदे

संवाददाता। रांची

राजधानी गुरुवार को मां सरस्वती की प्रतिमा विसर्जन शोभायात्रा से गुलजार रही. स्कूल, कॉलेज और शैक्षणिक संस्थानों सहित कई पूजा पंडालों में विराजमान मां की प्रतिमा का विसर्जन श्रद्धा के साथ किया गया. गुरुवार होने के कारण ज्यादातर पूजा समितियों ने दूसरे दिन मां को विदा करने का निर्णय लिया है. इस कारण शुक्रवार को भी शहर में विसर्जन शोभायात्रा की धूम रहेगी.

वैसे तो शहर के कई इलाकों में विराजमान मां सरस्वती की प्रतिमा का विसर्जन शोभायात्रा निकाल कर किया गया, लेकिन रांची विश्वविद्यालय छात्रावास से निकली यात्रा की बात कुछ और रही. छात्रवास संख्या यूजी एक, पीजी दो और यूजीसी तीन से दिन के तीन बजे झूम कर शोभायात्रा निकली तो वातावरण जयकारों से गूंज उठा. रंग-गुलाल उड़ा डीजे की धुन पर नाचते-झूमते छात्र-छात्रओं की टोली के क्या कहने. यात्रा जिधर से गुजरती राहगीर बरबस ही ठिठक जाते. वाहन में विराजमान मां की आभा बिखेरती प्रतिमा को नमन कर भक्ति आनंद के महासागर में गोता लगाते विद्यार्थियों एकटक निहारते फिर बढ़ जाते. देर शाम तक यह नजारा आम रहा. यात्रा में शामिल श्रद्धालु रेडियम रोड, कचहरी चौक होते हुए अल्बर्ट एक्का चौक से धूम कर लाइन टैंक तालाब पहुंचे. यहां मां की आरती उताने के बाद प्रतिमा का विसर्जन किया गया. अध्यक्ष रोहित नाग, डॉ सुबास साहू,उपेंद्र शंखवार, सुनील महतो, विशाल शर्मा कृष्ण महतो, विनोद सिंह, विवेक पाठक, रोहित नाग, जदुलाल चौधरी, मनीष महतो, विक्कु कुमार, शकलदीप कुमार, पंकज साहू, नवल साहू, विकास कुमार ,सौरव कुमार , प्रीतम कुमार आदि ने इसके आयोजन में मुख्य योगदान दिया.

दर्शन को पहुंचे रांची विश्वविद्यालय के कुलपति

रांची विश्वविद्यालय छात्रावास संख्या यूजी एक,पीजी दो और यूजीसी तीन में बुधवार को मां के दर्शन को बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं के साथ प्रति कुलपति डॉ. अजित कुमार सिन्हा और आजसू प्रमुख पूर्व डिप्टी सीएम सुदेश महतो भी पहुंचे. डॉ अजित कुमार ने छात्रों को सरस्वती पूजा की बधाई देते हुए पुरानी यादें ताजा कीं. कहा कि कॉलेज के दिनों में वे भी हॉस्टल नंबर दो के कमरा नंबर 32 में रहते थे. मां शारदे की कृपा और कड़ी मेहनत से आज इस मुकाम पर हैं. मेरी शुभकामना है कि पढ़ाई पूरी कर आज सब भी जीवन में बेहतर मुकाम हासिल करें. सुदेश महतो ने भी सभी को शुभकामना देते हुए अपने छात्र जीवन को याद कर भावुक हुए. बाद में वे 38 नंबर कमरा आये. छात्र जीवन यहीं रह कर उन्होंने बिताया था.

उतारी मां की आरती

मां सरस्वती पूजा पंडालों में गुरुवार को भी रौनक रही. सुबह पूजन-आरती तो की ही गयी, सांझ ढलते विद्यार्थियों ने मां की सामूहिक आरती उतारी. विद्या दायिनी से बुद्धि और ज्ञान का वर मांगा. कई पूजा पंडालों में भक्ति गीत-नृत्य के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये. दिनभर दर्शन-पूजन को पूजा पंडालों में दर्शनार्थियों का तांता लगा रहा. आयोजकों की ओर से बुंदिया, फल आदि प्रसाद रूप में बांटा गया.

हनुमान मंदिर का प्राण-प्रतिष्ठा अनुष्ठान कल से

रांची । नवनिर्मित हनुमान मंदिर, बीआटी गेट रुदिया, मेसरा का सात दिनी प्राण-प्रतिष्ठा महायज्ञ की शुरुआत शनिवार को कलश यात्रा से होगी.महायज्ञ की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं. सुबह नौ बजे यात्रा निकाली जायेगी. दूसरे दिन रविवार को पंचांग पूजन और मंडप प्रवेश आदि अनुष्ठान होंगे. 19 फरवरी को वेदी पूजन और जलाधिवास, चौथे दिन मंगलवार को अरणी मंथन, पांचवे दिन अन्नाधिवास, प्रव्याधिवास और पुष्पाधिवास, छठे दिन 22 फरवरी को नगर भ्रमण और मूर्ति स्थापना की जाएगी. अंतिम दिन शुक्रवार को पूर्णाहुति और भंडारा के साथ अनुष्ठान संपन्न हो जायेगा. अध्यक्ष शिशुपाल सिंह ने बताया कि समस्त अनुष्ठान सहयोगी विद्वानों संग पंडित ललन और बनारस से आये राकेश पांडे संपन्न करायेंगे. महायज्ञ के दौरान वृंदावन धाम से आये कथावाचक शंभुनाथ योगी महाराज उपस्थित श्रद्धालुओं को रामकथा सुनायेंगे. उन्होंने बताया कि नवनिर्मित मंदिर में हनुमान जी की आकर्षक मूर्ति के साथ शिव परिवार, राम दरबार सहित अन्य देवी-देवताओं के दर्शन होंगे.

डीएवी आलोक में 12वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं को दी गई विदाई

संवाददाता। रांची

खास बातें

- 11 वीं कक्षा के छात्रों ने प्रस्तुत किए सांस्कृतिक कार्यक्रम
- छात्रों ने ली स्कूल में अनुशासन बनाये रखने की शपथ

डीएवी आलोक में 12 वीं कक्षा के छात्रों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर ग्यारहवीं कक्षा के छात्रों ने कई रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए. जिसे देखकर वहां मौजूद सभी लोग मंत्रमुग्ध हो गए. इस मौके पर छात्रों ने अनुशासन बनाए रखने एवं विद्यालय के क्रियाकलापों को सुचारू ढंग से चलाने में सहयोग देने की शपथ ली. प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार ने छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की. उन्होंने कहा कि विद्यालय द्वारा प्रदत्त शिक्षा तभी सार्थक होगी जब आप देश व समाज के प्रति कर्तव्यशील होंगे. मात्र ऊंची डिग्री लेना अथवा अच्छे अंक पाना ही छात्रों का ध्येय नही होना चाहिए अपितु राष्ट के विकास में आपकी भूमिका सराहनीय हो तभी शिक्षा का उद्देश्य पूर्ण होगा.

शहरी आजीविका पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

संवाददाता। रांची

खास बातें

- शहरी गरीबी के कारण समझ कर योजना बनाने पर जोर
- महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देने पर विचार-विमर्श

शहरी आजीविका पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ गुरुवार को रांची के होटल बीएनआर चाण्क्या में किया गया. कार्यशाला के पहले दिन गरीबी के बहुआयामी कारण और उसके निदान पर चर्चा की गयी. चर्चा के माध्यम से प्रयास किया गया कि शहरी गरीबी के विभिन्न कारणों को समझ कर इसके परिणाम व निदान को समझते हुए बेहतर योजना बनायी जाए, ताकि शहरी गरीबों के जीवन स्तर में व्यापक बदलाव सुनिश्चित हो सके. इसके साथ महिला सशक्कतीरण को बढ़ावा देने पर विचार-विमर्श किया गया. शालिनी पांडेय ने एनयूएलएम पीएम स्वनिधि के योगदान की सराहना की और आने वाले समय में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला. मुख्य अतिथि इसाबेल टिशान ने महिलाओं की स्थिति व उनके योगदान पर चर्चा की. उन्होंने शहरी महिलाओं की वर्तमान स्थिति, उन्हें कैसे सशक्त बनाया जाए तथा उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के संबंध में गहन चर्चा करने की जरूरत बतायी.

इससे पूर्व कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की निदेशक शालिनी पांडेय, यूएनडीपी, भारत के प्रतिनिधि इसाबेल टिशान, नगरीय प्रशासन नगर विकास एवं आवास विभाग के निदेशक आदित्य कुमार आनंद के साथ ही साथ भारत सरकार व यूएनडीपी के प्रतिनिधियों ने दीप प्रज्जवलित कर किया.

कक्षा 8 के छात्र-छात्राओं को मिलेगी साइकिल

संवाददाता। रांची

निःशुल्क साइकिल वितरण योजना 'उन्नति का पहिया' के अंतर्गत सभी सरकारी विद्यालयों के कक्षा 8 में पढ़ रहे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं को निःशुल्क साइकिल दी जाएगी. वर्तमान वित्तीय वर्ष 2023-24 में रांची जिला में योजना के क्रियान्वयन को लेकर रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने जिला के सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी और सदर प्रखंड के कल्याण पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया. प्रखंड स्तर पर सुव्यवस्थित तरीके से साइकिल वितरण के लिए सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी और रांची सदर के लिए प्रखंड कल्याण पदाधिकारी को नोडल पदाधिकारी बनाया गया है. प्रखंड में निर्धारित क्लस्टर प्वाइंट पर टेक्नीशियन द्वारा पाट्र्स को असेंबल कर साइकिल तैयार की जाएगी. ट्रकों के माध्यम से साइकिल पाट्र्स की आपूर्ति की जानी है. नोडल पदाधिकारियों को व्यवस्थित तरीके से साइकिल वितरित करने का निर्देश दिया गया. डीसी ने डिलीवरी प्वाइंट से सभी विद्यालयों के कक्षा-8 के सुयोग्य छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल वितरण के लिए समय और तिथि का निर्धारण कर सूचना प्रधानाध्यापक को देने का निर्देश सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी को दिया. सभी बीडीओ को स्थानीय जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में साइकिल वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है. जिला के सभी प्रखंड के डिलीवरी प्वाइंट पर साइकिल वितरण की फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी की जाएगी.

मां त्रिशक्ति देवी मंदिर के वार्षिकोत्सव का समापन

संवाददाता। रांची

पूजा के बाद हवन का अत्यधिक महत्व है. इसे शुद्धीकरण का कर्मकांड माना गया है. विद्वानों के अनुसार पूजा-पाठ समेत कोई भी धार्मिक कार्य इसके बिना अधूरा है. आचार्य और पंडित बताते हैं कि हवन के प्रभाव से नकारात्मक और बुरी शक्तियों का प्रभाव समाप्त हो जाता है. इसी भाव से गुरुवार को मां त्रिशक्ति देवी मंदिर, पहाड़ी मंदिर के तीन दिनी वार्षिकोत्सव के समापन मौके पर पूजन-हवन का खास आयोजन किया गया.

दिन के 11 बजे मंदिर के अजीत बाबा और अतुल जी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन-हवन संपन्न कराया. श्रद्धालुओं ने आहूति अर्पित कर मंगल कामनाएं कीं. इसके बाद वृहत भंडारा चलाया गया. दिन में खिचड़ी भोग और संध्या बेला खीर-पूरी और सब्जी आदि परोसा गया. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भक्तों ने मां को अर्पित भोग प्रसाद रूप में ग्रहण किया. सुजीत सिंह, निशांत यादव, मुनचुन राय, सुजीत सिंह, अमित अग्रवाल, सुनील वर्णवाल, मनीष केशरी, अर्पित सिंह, गौतम वर्मा, संतोष ठाकुर, चंदन वर्मा, बिट्टू दिव्य, आर्य कुमार, दीपक कुमार, ऋषभ सिंह, रंजन वर्मा आदि ने इसके सफल आयोजन में मुख्य रूप से योगदान दिया.

विरोध अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के नेतृत्व में किया गया प्रदर्शन

आदिवासी संगठनों ने किया जैक ऑफिस का घेराव

खास बातें

- भाजपा पर आदिवासियों की पहचान खत्म करने का आरोप
- आदिवासी समाज को अपनी पहचान खत्म होने की चिंता

संवाददाता ।रांची

अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद एवं समस्त आदिवासी संगठनों के द्वारा गुरुवार को रांची नामकुम स्थित जैक आफिस का घेराव किया गया. इस घेराव के माध्यम से जैक को ज्ञापन सौंपा गया. अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद की प्रदेश अध्यक्ष गीताश्री उरांव ने ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि अदर्स/अन्य के कॉलम को हटाया गया. भाजपा और आरएसएस के लोग मूल आदिवासियों को खत्म करना चाहते हैं. धर्म कॉलम से अन्य/अदर्स का कॉलम हटाया जाना मतलब मूल आदिवासी जो प्रकृति पूजक हैं, उनका अस्तित्व और पहचान खत्म कर देना है. देश भर के 15 करोड़ आदिवासी पिछले 70 वर्षों से अलग धर्म कोड/कॉलम की मांग कर रहे हैं, ताकि उन्हें अलग पहचान मिल सके, परंतु भाजपा हम आदिवासियों के साथ भेदभाव की राजनीति कर साजिश के तहत आदिवासियों की अस्मिता को ही मिटाने का काम कर रही है.

जैक द्वारा निर्गत आठवीं कक्षा के आनॅलाइन फार्म जो छात्रों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति योजना के तहत परीक्षा फार्म निकाला गया. उन्होंने कहा कि परीक्षा को जल्द से जल्द रद्द किया जाए, अन्यथा राज्यव्यापी आन्दोलन किया जाएगा.

जैक के अध्यक्ष ने कहा कि हमारे द्वारा केन्द्र को पत्र के द्वारा सूचित कर दिया है. आने वाले समय में अन्य का कॉलम दिया जाएगा. इस धरना प्रदर्शन में विभिन्न आदिवासी संगठनों के अगुवा, अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद महानगर अध्यक्ष पवन तिर्की, संजय कुजूर,सरना प्रार्थना सभा रांची के सोनू खलखो, राज उरांव,दीपू टोप्पो, सुरेन्द्र लिंडा जी, मनीष उरांव, आकाश तिर्की, संदीप तिर्की, राहुल तिर्की, सुशील उरांव, प्रभु कुजूर,भीम उरांव, विजय तिर्की, स्वराज केरकेट्टा, रवि खलखो, अनुज हेमरोम, लकी सिंकु, प्रफुल्ल लिंडा, राहुल मिंज ने अपने अपने विचार रखे एवं सैंकड़ों आदिवासी अगुवागण ने इस घेराव प्रदर्शन में भाग लिया.

मलखंब प्रतियोगिता के तकनीकी अधिकारी बनाए गए अजय झा

संवाददाता। रांची

रांची के शारीरिक शिक्षक अजय झा को खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के अंतर्गत मलखंब प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए तकनीकी अधिकारी नियुक्त किया गया है. मलखंब प्रतियोगिता 18 से 21 फरवरी तक गुवाहाटी में सारूसजाय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में आयोजित है. इस खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में 200 से अधिक खिलाड़ियों सहित 50 प्रशिक्षक, टीम प्रबंधक भाग लेंगे.

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में अजय झा झारखंड के पहले तकनीकी अधिकारी हैं, जिन्हें लगातार तीन बार खेलों इंडिया यूथ गेम्स (पंचकूला, हरियाणा उज्जैन , मध्यप्रदेश एवं त्रिचि , तमिलनाडू), नेशनल गेम्स (अहमदाबाद, गुजरात एवं पणजी, गोवा) , विश्व मलखंब चैम्पियनशिप (भूटान) व प्रथम नेशनल बीच मलखंब, दीव दमन में अहम् भूमिका निभा चुके हैं. अजय झा झारखंड में मलखंब खेल के संस्थापक, पूर्व महासचिव, मलखंब फेडरेशन ऑफ इंडिया एवं वर्तमान में झारखंड राज्य मलखंब एसोसिएशन के महासचिव के रूप में दायित्व निर्वाह कर रहे हैं. इन्होंने झारखंड राज्य के सभी जिलों में ग्रामीण, प्रखंड, जिला स्तर पर लगातार मलखंब खेल के तहत पोल मलखंब, रोप मलखंब, हैंगिंग मलखंब, पिरामिड पर खिलाड़ी अपना अदभुत प्रदर्शन कर राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए स्थान प्राप्त कर लगातार क्वालीफाई कर रहे हैं.

दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का समापन, 30 देशों के स्टेकहोल्डर्स तकनीकी विशेषज्ञता साझा करने पर सहमत

सामाजिक आकांक्षाओं व आर्थिक विकास के बीच संतुलन जरूरी: अविनाश

संवाददाता। रांची

समावेशी विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के साथ जस्ट ट्रांजिशन से संबंधित विविध प्रयासों को एकीकृत व प्रभावी बनाने के आह्वान के साथ सस्टेनेबल जस्ट ट्रांजिशन फॉर फ्यूचर रेडी झारखंड विषयक दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस का गुरुवार को समापन हुआ. एनर्जी एवं सस्टनेबिलिटी क्षेत्र से जुड़ी दुनिया भर की प्रभावशाली हस्तियों सहित लगभग 30 देशों के स्टेकहोल्डर्स कांफ्रेंस के जरिये भारत और खासकर झारखंड में जस्ट ट्रांजिशन के प्रयासों में ज्ञान व तकनीकी विशेषज्ञता साझा करने पर सहमत हुए. कांफ्रेस के समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए विकास आयुक्त सह अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने सततशील भविष्य और हरित विकास के लिए एनर्जी ट्रांजिशन को जरूरी बताया. उन्होंने ट्रांजिशन प्रक्रिया में सामाजिक आकांक्षाओं, पर्यावरण संरक्षण और आर्थिक विकास के बीच संतुलन साधने करने पर जोर दिया. वंदना डाडेल ने कहा कि राज्य में पंचायत स्तर से विकेंद्रीकृत योजना, जलवायु परिवर्तन के उपायों में आदिवासी ज्ञान का समावेश, समुदायों और अन्य स्टेकहोल्डर्स के क्षमता वर्धन जैसे कदम सस्टेनेबल ट्रांजिशन को प्रभावी बनाने में सहायक सिद्ध होंगे.

कांफ्रेंस में गहन विचार-विमर्श से बाद कई महत्वपूर्ण निष्कर्ष सामने आये. जस्ट ट्रांजिशन के कदमों को गति देने के लिए फाइनांसिंग ढांचा तैयार करने, निवेश एवं इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए समुचित नीतिगत परिवेश तैयार करने के साथ ही साथ स्टेकहोल्डर्स के बीच ज्ञान व साझेदारी को बढ़ावा देने की बात सामने आयी. कार्यक्रम का आयोजन टास्क फोर्स सस्टेनेबल जस्ट ट्रांजिशन (झारखंड सरकार) द्वारा सेंटर फॉर एनवायरमेंट एंड एनर्जी डेवलपमेंट (सीड), यूनाइटेड नेशंस डेवलपमेंट प्रोग्राम (यूएनडीपी-इंडिया) और वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट, इंडिया के सहयोग से किया गया था.

कांफ्रेंस में यूएनडीपी इंडिया, डब्ल्यूआरआई इंडिया, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन, कोल इंडिया लिमिटेड, सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन, भारतीय वन प्रबंधन संस्थान के उच्चस्तरीय प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी रही. इसके साथ ही जीआईजेड-इंडिया, ओपन एनर्जी ट्रांजिशन जर्मनी, इंटरनेशनल काउंसिल ऑन क्लीन ट्रांसपोर्टेशन, इंटरनेशनल एनर्जी इकॉनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस (आइफा), आई फॉरेस्ट ग्लोबल, क्लाइमेट ग्रुप, क्लाइमेट पॉलिसी इंस्टीट्यूट, क्लाइमेट बॉन्ड इनिशिएटिव जैसी संस्थाओं के वरीय पदाधिकारियों ने अपने विचार रखे.

वरीय डाक अधीक्षक ने सीबीआई जांच के लिए सर्किल हेड को भेजा पत्र

डाक विभाग के करोड़ों के घोटाले में 70 बैंक खाते फ्रीज

डाक विभाग की प्रारंभिक जांच में चार के खिलाफ जालसाजी के साक्ष्य

रिजवान शम्स। धनबाद

डाक विभाग में करोड़ों रुपए की हेराफेरी का एक मामला प्रकाश में आया है. हेराफेरी का संदेह होने पर धनबाद के वरीय डाक अधीक्षक उत्तम कुमार सिंह ने आंतरिक जांच कमेटी बैठाई और घोटाले के साक्ष्य मिलने पर सीबीआई की जांच के लिए पत्र लिखा है. विभागीय सर्किल हेड से अनुमति के बाद मामले को सीबीआई जांच के लिए भेजा जाएगा. फिलहाल घोटाले के संदेहियों के खिलाफ विभाग ने मामूली सख्ती दिखाते हुए उनका स्थानांतरण कर दिया है. साथ ही संबंधित बैंक खातों को फ्रीज करने की प्रक्रिया चल रही है, इसके तहत अब तक 70 खातों को फ्रीज किया जा चुका है. इसके अलावा बीस लाख रुपए की रिकवरी भी हो चुकी है.

ऐसे हुआ घोटाले का खुलासा

घोटाले के बारे में बताया जा रहा है कि अगस्त 2022 में ही इसकी शुरुआत गोविंदपुर में मौजूद केके पालीटेक्निक उपडाक घर में हुई थी. लेकिन जांच में पालीटेक्निक उप डाकघर से लेकर मुख्य डाकघर धनबाद तक इस घोटाले के तार जुड़ने के साक्ष्य मिल गए हैं. बताते हैं कि डाइरेक्टर आफ अकाउंट्स रांची ने इस गड़बड़ी को पकड़ा और फिर मामले को धनबाद वरीय डाक अधीक्षक को भेजा. पाया गया कि सरकारी रकम को निजी खातों में ट्रांसफर किया गया है. एक खाते से दूसरे में, फिर दूसरे से तीसरे में रकम भेजी गई. इस तरह लगभग दो करोड़ रुपये से अधिक के रकम के गबन का साक्ष्य मिल गया है. हालांकि ये रकम प्रारंभिक जांच के बाद का है, सूत्रों की मानें तो ये रकम 10-12 करोड़ के आंकड़े को भी पार सकती है.

तत्कालीन पोस्टमास्टर पर मास्टरमाइंड होने का संदेह

धनबाद केके पालीटेक्निक उप डाकघर के तत्कालीन पोस्टमास्टर सुमित सौरभ पर इस पूरे प्रकरण में मास्टर माइंड होने का संदेह है. क्योंकि उनके कार्यकाल में ही उक्त गड़बड़ी हुई. तब सरकारी रकम को नए खाते खुलवाकर आइसीआइसीआई, एसबीआई, एक्सिस, एचडीएफसी, बंधन बैंक आदि बैंकों में करोड़ों की राशि भेजकर निकासी भी कर ली गई. मामले के सामने आने के बाद सुमित सौरभ का झरिया उप डाकघर में तबादला कर दिया गया. जबकि इनके साथ चार अन्य कर्मियों की भी मिलीभगत की बात जांच टीम के समक्ष आ चुकी है. इनमें प्रधानडाक घर धनबाद में कार्यरत कुछ आउटसोर्स कर्मी भी हैं. यहां बता दें कि सुमित सौरभ दो साल तक केके पालीटेक्निक उपडाक घर में अकेला कर्मचारी था. वहां उसने अपने खुद के आइडी और मोबाइल नंबर से दर्जनों बैंक खाते खुलवाए थे. कुछ रकम इन खातों में भी जमा होने की बात विभागीय जांच कमेटी के सदस्य बता रहे हैं. इस मामले में पारितोष लकड़ा, शंकर भाटिया और भरत प्रसाद रजक इन ट्रांजेक्शन की खबर होने के बाद भी मौन रहे, इस कारण ये लोग भी जांच के दायरे में आ गए हैं. सुमित सौरभ मंथली रिर्टन की रिपोर्ट में क्रेडिट-डेबिट की रकम में भी अंक या जीरो बढ़ाकर हेरफेर करता था.

संदेहियों के आईडी-पासवर्ड बंद : एसएसपी

वरीय डाक अधीक्षक उत्तम कुमार सिंह ने बताया कि करोड़ों की हेराफेरी हुई है. सीबीआई से जांच को वरीय अधिकारियों को लिखा गया है. फिलहाल तक 70 खाते फ्रीज किए गए हैं और बीस लाख रुपये की रिकवरी हो चुकी है. संदेहियों के खिलाफ जांच जारी है और उनके आइडी-पासवर्ड बंद किए जा चुके हैं. फिलहाल रकम की रिकवरी पर विभाग केंद्रित है.

बचरा साइडिंग के मजदूरों की हड़ताल आज से शुरू

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बचरा साइडिंग में कार्यरत असंगठित मजदूर अपनी विभिन्न मांगों को लेकर शुक्रवार से हड़ताल पर जाएंगे. हड़ताल से पूर्व गुरुवार को सभी असंगठित मजदूरों ने बचरा साइडिंग में बैठक कर विरोध प्रदर्शन किया. इस संबंध में असंगठित मजदूरों ने बताया कि बचरा साइडिंग में कार्यरत ऑपरेटर, मुंशी, लेबलिंग, मजदूर एवं हेल्पर सभी हड़ताल पर रहेंगे. बैठक में चमन महतो, मुंशी महतो, भोला महतो, बिजली महतो, दिलीप चौधरी, लटन महतो, सुरेश गोप, टीकू कुमार, विशेश्वर गंझु, मनकु महतो, कोलेश्वर ठाकुर, जयशंकर चौधरी, जितेंद्र महतो, कमला महतो, बुटन महतो, चिंतामणि महतो, कैलाश उरांव, शंकर महतो आदि मौजूद थे.

हड़ताल को लेकर संयुक्त मोर्चा ने झोंकी पूरी ताकत

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के अशोक परियोजना, पिपरवार पीट ऑफिस और सीएचपी/सीपीपी परियोजना मे संयुक्त मोर्चा के बैनर तले गेट मीटिंग की गई. इस दौरान शुक्रवार को होने वाली देशव्यापी हड़ताल को पिपरवार में सफल बनाने की अपील की गई. बैठक में मुख्य रूप से सीटू के इस्लाम अंसारी एवं एटक के अरविंद शर्मा उपस्थित थे. इस्लाम अंसारी ने कहा कि भारत सरकार के द्वारा मजदूर और किसान विरोधी कानून बनाकर भारत सरकार पूंजीपतियों को इस देश के सभी कल कारखाने बेच रही है. बैठक में धनेश्वर गंझु, मो. रहमतुल्लाह, रियाज अंसारी, रामू गोप, बिजेंद्र सिंह, मो. जुल्फान, नुरुल हुदा, सेवक गंझु, मुन्ना ठाकुर, रवींद्र कुमार सहित सैकड़ों मजदूर मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

अबुआ आवास चयन में भारी गड़बड़ी का आरोप

मांडर। थाना क्षेत्र के झीझरी पंचायत के दर्जनों ग्रामीणों ने गुरुवार के दोपहर प्रखंड मुख्यालय में प्रदर्शन किया. ग्रामीणों का कहना था कि पंचायत में अबुवा आवास के चयन में लाभुकों की सूची में भारी अनियमिता बरती गई है. वहीं मुखिया प्रतिनिधि ने बताया कि पंचायत की ओर से 752 लोगों का चयन किया गया था, जिसमें से 50 से 52 योग्य लोगों की सूची प्रखंड मुख्यालय को उपलब्ध कराई गई थी, पर उस सूची को ही बदल दिया गया है. साथ ही मुखिया को पंचायत में जियो टैगिंग की तारीख की जानकारी नहीं दी.

अंचल में भ्रष्टाचार पर झामुमो ने ज्ञापन सौंपा

कांके। अंचल मे व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष जावेद अख्तर अंसारी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने अपर समार्हता से मिल कर ज्ञापन सौंपा. ज्ञापन में बताया है कि अंचल कार्यालय में अंचल अधिकारी व कर्मचारियों की उपस्थिति नगण्य है. ऐसे में दूर-दराज क्षेत्र से आये सैकड़ों रैयतों को बिना कार्य कराए घर लौटना पड़ता है. वहीं अंचल में दाखिल खारिज, ऑनलाइन सुधार, रजिस्ट्री परमिशन आदि कार्य बिना चढ़ावा के नहीं होता है. अंचल में दलाली प्रथा और बढ़ गयी है, जिस पर कारवाई होनी चाहिए.

सड़क निर्माण की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा

पिपरवार। राय चौक से बचरा इंडियन आयल पेट्रोल पंप तक जर्जर सड़क के पुर्ननिर्माण और और नाली निर्माण की मांग को लेकर भाजपा खलारी मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र शर्मा के नेतृव में रांची सांसद संजय सेठ द्वारा अनुशंसित ज्ञापन पिपरवार महाप्रबंधक को सौंपा गया. मांग पत्र सौंपे जाने के दौरान खलारी प्रखंड सांसद प्रतिनिधि फुलेश्वर महतो, विधायक प्रतिनिधि श्याम सुंदर सिंह, ओबीसी मोर्चा महामंत्री रितेश केशरी मुख्य रूप से शामिल थे.

उत्कृष्ट प्रदर्शन पर बाघवार एकेडमी के बच्चे सम्मानित

संवाददाता। चान्हो

बाघवार एकेडमी के प्रांगण में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया. गायत्री शक्तिपीठ द्वारा आयोजित इस परीक्षा में कक्षा 5 से 11वीं तक के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया था. कक्षा 5 की छात्रा लक्ष्मी प्रिया, आयुषी साहू तथा मीठी कुमारी ने क्रमशः प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया. कक्षा 6 के अर्पित कुमार यादव ने प्रथम, मो. सुफियान तथा उमर राजा ने द्वितीय तथा अभिषेक कुमार साहू एवं अभय माली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. कक्षा 7 के अंकित गुप्ता प्रथम, हर्ष राज द्वितीय तथा महिमा कुमारी व सृष्टि रानी तीसरे स्थान पर रहे. कक्षा 8 के सत्यम तिवारी प्रथम, सुभाषित मुखर्जी व अमन कुमार साहू द्वितीय तथा अमन उरांव व सत्यम कुमार गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. कक्षा 9 की बुलबुल रानी प्रथम, रेशमा कुजूर द्वितीय तथा सावित्री उरांव एवं रोशन कुमार ने तृतीय तथा कक्षा 10 के प्रणव कुमार दुबे प्रथम, श्रीकांत कुमार गोप, अनुपम कुमार सिंह व आर्यन राज सोनी द्वितीय तथा मनीष कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया.

घूरती मेला हर्षोल्लास के साथ संपन्न

संवाददाता। सोनाहातू

झारखंड के पंचपरगना का प्रसिद्ध सतीघाट का घूरती मेला गुरुवार को उल्लास के साथ संपन्न हो गया. मेले में काफी संख्या में लोगों की भीड़ उमड़ी. मेले में वक्ताओं ने कहा कि हमें अपनी लोक सांस्कृतिक विरासत को बचाने की जरूरत है. मेला से हमें आपसी तालमेल को मजबूत बनाने का संदेश देता है. हमें अपनी सांस्कृतिक और परंपरा की रक्षा स्वंय करनी होगी. बच्चों ने मेले परिसर में लगे झूले,आदि का आनंद लिया. वहीं महिलाओं ने घरेलू समानों की खरीदारी की. मेला में पारंपरिक हथियार, कृषि उपकरण, घरेलू सामान, ढोल नगाड़े, ईख, खिलौने आदि की खूब बिक्री हुई. महिलाओं एवं बच्चों ने चाट, गुपचुप, चाउमीन, बादाम, मटर आदि का आनंद लिया.

सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैद रहा पुलिस-प्रशासन : सतीघाट टुसु मेला के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन मुस्तैद नजर आया. सिल्ली-रंगामाटी सड़क के दोनों किनारे से लेकर सतीघाट मेला तक पुलिस बल तैनात दिखी. इसके साथ पुलिस की गश्ती भी जारी रही. मेला परिसर में भी पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गई थी. चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की पैनी नजर रही. मेला को सफल बनाने में समाजसेवी धनपति महतो, मेला समिति के अध्यक्ष सत्यनारायण सिंह मुंडा, अशोक महतो, गौतम सिंह देव, माधव सिंह मुंडा,महानंद पुरान, विरिंचि पुरान, जयप्रकाश सिंह मुंडा, भोलेश्वर सिंह मुंडा, गंगाधर महतो, रविंद्र नाथ महतो, शिशुपाल महतो, चंद्र शेखर महतो आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा.

खास बातें

- मेला में लोक सांस्कृतिक विरासत को बचाने पर जोर
- बच्चों व महिलाओं ने चाट-गोलगप्पे का लिया आनंद

विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के बच्चों में दिखा उल्लास, आपस में एक-दूसरे को गुलाल लगाया

शोभायात्रा निकाल मां सरस्वती की प्रतिमाओं का विसर्जन

संवाददाता। लापुंग

प्रखंड के लापुंग, ककरिया, दोलैचा, लेटे, चंपाडीह, सरसा सहित विभिन्न गांवों के शैक्षणिक संस्थानों में स्थापित मां सरस्वती की प्रतिमाओं का भक्तिभाव से विसर्जन शोभायात्रा निकाल कर विभिन्न तालाबों एवं नदियों में विसर्जन किया गया. ककरिया के राजकीय मध्य विद्यालय ककरिया, डीएवी किड्स पब्लिक स्कूल ककरिया, राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय सरसा, हाई स्कूल दोलैचा सहित विभिन्न स्कूलों में स्थापित विद्या की अधिष्ठात्री देवी मां शारदे को नाचते गाते, संगीत के धुनों के बीच एक दूसरे को गुलाल लगाकर मां शारदे को नम आंखों से विदाई दी.

इस मौके पर राजकीय मध्य विद्यालय ककरिया के प्रधान शिक्षक प्रकाश उरांव, सूरज प्रसाद सिंह, कालीचरण चौधरी, समीउल्लाह हक, महावीर राम, डीएवी किड्स पब्लिक स्कूल ककरिया के निदेशक प्रवीण कुमार, प्राचार्य विनीता देवी, विपिन कुमार, दोलैचा हाई स्कूल के जनक साहु, संदीप साहु, सोनी जयसवाल, हरख साहु, नरेश साहु, छोटेलाल बरला राजकीय मध्य विद्यालय दोलैचा के उपेंद्र सिंह, कलावती देवी, दुर्गा साहु, अकमरोमा के हफिन्द्र प्रधान, हाई स्कूल सरसा के बहादुर उरांव ने अपने मार्गदर्शन में प्रतिमाओं का विसर्जन कराया. इस मौके पर अमित राम, स्वीटी कुमारी, जया कुमारी, अंकित कुमार सहित कई लोगों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

दूसरी ओर नवयुवक संघ हैप्पी क्लब सरस्वती पूजा समिति बस स्टैंड दोलैंचा लापुंग में पूजा को सफल बनाने में आयोजन समिति के अध्यक्ष रोहित साहु कोषाध्यक्ष गौतम साहु सचिव गणेश साहु, पूजा समिति के सदस्य सोनू साहु, मदन साहु, शुभम साहु, तुलसी साहु, मुगुल साहु, जटू साहु, नितेश साहु, प्रिंस साहु, कृष्ण साहु, कार्तिक साहु, प्रहलाद साहु, छोटू साहु, राहुल सिंह, अमित सिंह, बलराम साहु, सीताराम साहु, अखिलेश्वर साहु, ब्रह्मदेव साहु, विभाष साहु, नितेश ठाकुर, विकाश साहु, रोशन साहु, मनोज साहु, रवि साहु ने पूजा को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. सार्वजनिक पूजा के पंडालों में स्थापित मां सरस्वती की प्रतिमाओं का विसर्जन शुक्रवार को किया जाएगा.

खास बातें

- संगीत की धुनों पर नाचते गाते निकली विसर्जन शोभायात्रा
- भक्तिभाव से पूजा-अर्चना कर नम आंखों से दी गई विदाई

न्यूज अपडेट

योग्य लाभुकों को मिले अबुआ आवास का लाभ

कांके। प्रखंड के इचापीड़ी पंचायत के जनप्रतिनिधियों ने गुरुवार को रांची उपायुक्त और कांके प्रखंड विकास पदाधिकारी को एक मांग पत्र सौंपा है. पत्र में कहा गया है कि सरकार के निर्देशानुसार इचापीड़ी पंचायत के ग्रामीण, मुखिया, उप मुखिया, सभी वार्ड सदस्य एवं ग्राम प्रधानों की उपस्थिति में ग्राम सभा के द्वारा अबुआ आवास योजना के तहत योग्य लाभुकों का चयन किया गया था. लेकिन, प्रखंड कार्यालय के द्वारा जारी अंतिम सूची में अयोग्य लाभुकों का नाम दिया गया है. मांग की गई कि योग्य लाभुकों को योजना का लाभ दिया जाए. मांग पत्र सौंपने वाले प्रतिनिधिमंडल में मुखिया लाखो उरांव, उप मुखिया मो. गुफरान, ग्राम प्रधान लाउडा उरांव, वार्ड सदस्य पंचम उरांव, गुलनाज परवीन, रूपा कुमारी, निकहत परवीन, निगार परवीन, रुमंती देवी, नासरीन परवीन, कविता कुमारी शामिल थे.

प्राकृतिक आपदा से कई घर क्षतिग्रस्त, लोग बेघर

नामकुम। प्रखंड क्षेत्र में बीती शाम तेज आंधी के साथ अचानक हुई बारिश से कई किसानों के फसल बर्बाद हो गए. वहीं, कई लोगों का घर आंशिक, तो कइयों का पूरा घर ध्वस्त हो गया. प्रखंड के खिजरी पंचायत के तुम्बागुटू करमटोली में सुनीता टोप्पो, दया नायक, बुधुवा नायक, बसंती देवी, बतिया मिंज का घर क्षतिग्रस्त हो गया. इनमें सुनीता टोप्पो और दया नायक का मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. सूचना मिलने पर आरती कुजूर, मुखिया करमेला कच्छप, पंचायत समिति सदस्य आशा देवी, वार्ड सदस्य पार्वती देवी पहुंचे. कुजूर ने अंचल अधिकारी व अंचल निरीक्षक को जानकारी देकर पीड़ितों के रहने-खाने की अविलंब व्यवस्था करने की मांग की है.

सकारात्मकता से हर जंग जीतना संभव : चौहान

सिल्ली/मुरी। सिल्ली के कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय और आरटीसी पब्लिक स्कूल सिंगपुर में गुरुवार को खुशी क्लास का आयोजन हुआ. वार्डन चंद्रिका कुमारी ने कार्यक्रम का संचालन किया. लाइफ केयर हॉस्पिटल, रांची और खुशी क्लास के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित खुशी क्लास को संबोधित करते हुए खुशी क्लास के संस्थापक मुकेश सिंह चौहान ने कहा कि खुशी व सकारात्मकता में इतनी ताकत है कि यह आपको हर झंझावतों से उबार कर मंजिल तक पहुंचा देगी. चौहान ने सकारात्मकता को स्थापित करती एक कहानी भी सुनाई. अंत में लाइफ केयर हॉस्पिटल, रांची के खुशी दूत संदीप शाह ने धन्यवाद ज्ञापन किया.

करम सिंह व सुरेंद्र नाथ स्मृति मेला का समापन

सिल्ली/मुरी। सिल्ली प्रखंड के लोटा गाढ़ा पार गांव में मां वीणा पानी क्लब के तत्वावधान में गुरुवार को करम सिंह व सुरेंद्र नाथ स्मृति मेला का आयोजन किया गया. मेले में मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि जयपाल सिंह, जिप उपाध्यक्ष वीणा चौधरी, प्रमुख जितेंद्र बड़ाइक, तृलोचन महतो आदि शामिल हुए. सभी ने स्व. करम सिंह व स्व. सुरेंद्र नाथ के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया. मेले में मुर्गा लड़ाई, छऊ नृत्य, झुमर संगीत समेत कई सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जयपाल सिंह ने कहा कि हमारे संस्कृति को बचाए रखने के लिए इस तरह के आयोजन आवश्यक है. उन्होंने आयोजन समिति के कार्यों की सराहना की. मौके पर स्व. करम सिंह महतो की पत्नी पूनी देवी, स्व. सुरेंद्र नाथ महतो की पत्नी शुकुरमनी देवी, शिवप्रसाद मंडल, उपेंद्र नाथ महतो, बुधराम महतो, मनोज कुमार महतो समेत कई गणमान्य उपस्थित थे.

विकास के लिए बेहतर समन्वय जरूरी : बीडीओ

बेड़ो। प्रखंड मुख्यालय सभागार में गुरुवार को प्रखंड प्रमुख विनीता कच्छप की अध्यक्षता में पंचायत समिति की एक विशेष बैठक हुई. इस दौरान विभिन्न विभागों से आए प्रतिनिधियों की उपस्थिति में विभागवार समीक्षा की गई. बैठक में कई विभाग के प्रतिनिधि अनुपस्थित पाए गए. उनसे स्पष्टीकरण पूछा जाएगा. वहीं, उनकी अनुपस्थिति की सूचना जिला को प्रेषित की जाएगी. प्रमुख विनीता कच्छप व उप प्रमुख मोदस्सिर हक नेने कहा कि विकास से संबंधित विभिन्न योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए यह जरूरी है कि सभी विभाग एवं उनसे संबंधित पदाधिकारी व कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी के साथ अपना दायित्व निर्वहन करें. बीडीओ संग्राम मुर्मू ने कहा कि प्रखंड को विकसित प्रखंड बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों, कर्मचारियों तथा पंचायत के प्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत है.

धूमधाम से मना माउंट हेरा स्कूल का वार्षिकोत्सव

ओरमांझी। इरबा स्थित माउंट हेरा स्कूल में नौवा वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया. इस उत्सव में विद्यालय के बच्चों के साथ-साथ अभिभावकों एवं जनप्रतिनिधि व गणमान्य लोग उपस्थित थे. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झामुमो महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य व विशिष्ट अतिथि खिजरी विधायक राजेश कच्छप उपस्थित थे. सभी अतिथियों का विद्यालय प्रबंधन की ओर से विद्यालय के सचिव अंजुम परवीन ने बुके व शॉल और मोमेंटो देकर किया स्वागत किया. कार्यक्रम के बाद तिलवाते कुरान से कार्यक्रम की शुरुआत हुई. अपने संबोधन में सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में यह स्कूल एक मील का पत्थर साबित होगा. वहीं विधायक राजेश कच्छप ने ग्रामीण क्षेत्र में अंग्रेजी माध्यम से बेहतर शिक्षा देने के लिए स्कूल प्रबंधन के सचिव और शिक्षकों की सराहना की.

चैलेंजर स्पॉट खेल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ

अनगड़ा। लुपूंग स्टेडियम में आरएएम एकेडमी के तत्वावधान में चैलेंजर स्पॉट टूर्नामेंट का रंगारंग शुभारंभ हुआ. एकेडमी के द्वारा क्रिकेट, फुटबॉल, कबड्डी व बॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन कराया जा रहा है. प्रतियोगिता की खास बात यह है कि इसमें विभिन्न राजनीतिक दलों व मीडिया को भी टीम के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका दिया गया है. प्रतियोगिता को लेकर क्षेत्र में अलग उत्साह देखा जा रहा है. प्रतियोगिता का पहला मैच लुपुंग बनाम सूपा, दूसरा आजसू बनाम कांग्रेस व तीसरा मैच मीडिया बनाम भाजपा के बीच खेला गया. इसमें कांग्रेस व मीडिया की टीम फाइनल में पहुंची.

ठाकुर महतो चौक पर गुनगुन बेकरी का उद्घाटन

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के बचरा पेट्रोल पंप स्थित ठाकुर महतो चौक में गुरुवार को गुनगुन बेकरी एंड स्वीट्स का उद्घाटन किया गया. दुकान के संचालक रघुवीर केसरी की पुत्री गुनगुन केसरी ने विधिवत पूजा अर्चना के बाद फीता काटकर दुकान का उद्घाटन किया. इस संबंध मे संचालक निखिल केसरी ने बताया कि पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र में इस तरह के दुकान खुलने से यहां के लोगों को बेहतर एवं स्वादिष्ट मिठाई, केक, नमकीन सहित अन्य सामग्री मिलेगी. उन्होंने कहा कि इससे पूर्व एक ब्रांच खलारी के डकरा में चल रहा है. उद्घाटन के बाद सभी लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष शाम से बृष राशि का चंद्रमा बहुत ही अनुकूल है. रुके कार्य पूर्ण होंगे. अध्यात्म में रुचि रहेगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. राज्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में उचित लाभ हो सकेगा. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. किसी वृद्ध ब्राह्मण को अन्न दान करें.

वृषभ समय बहुत ही उत्तम है, पर कार्य नहीं होने से क्रोध बढ़ेगा. विवाद को बढ़ावा न दें. जोखिम व जमानत के कार्य टालें, बाकी सामान्य रहेगा. आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी. मित्रों की मदद से महत्वपूर्ण कार्य पूरे होने के आसार हैं.

मिथुन समय सामान्य है. खर्च में वृद्धि होगी. पर समाज में या घर-बाहर पूछ-परख बढ़ेगी. कार्यसिद्धि होगी. व्यवसाय लाभप्रद रहेगा. आत्मविश्वास बढ़ने से व्यापारिक लाभ अधिक होने के योग हैं. यात्रा में सावधानी रखें.

कर्क आय के लिए अच्छी खबरें मिलेंगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता रहेगी. व्यापार अच्छा चलेगा. पारिवारिक वातावरण सहयोगात्मक रहेगा. आपकी बुद्धिमानी से समस्याओं का समाधान संभव है.

सिंह लेन-देन में सावधानी रखें. जोखिम व जमानत के कार्य टालें. विवाद न करें. आर्थिक समस्या रह सकती है. नए कामों में सफलता मिलेगी. व्यापार अच्छा चलेगा. स्वास्थ्य में सुधार होगा. सूर्य को अर्घ्य दें.

कन्या रोजगार में वृद्धि होगी. यात्रा सफल रहेगी. प्रसन्नता बनी रहेगी. अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखना चाहिए. श्रम अधिक करना होगा. आपके कार्यों की समाज एवं परिवार में आलोचना हो सकती है.

तुला किसी परिचित से कोई विवाद हो सकता है. छोटी यात्रा सफल रहेगी. लाभ के अवसर बढ़ेंगे. जोखिम न लें. आवास संबंधी समस्या रहेगी. रचनात्मक कामों का प्रतिफल मिलेगा. पूर्व में किए गए कार्यों का शुभ फल प्राप्त हो सकेगा.

वृश्चिक जीवनसाथी के साथ अच्छा सामंजस्य स्थापित होगा. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता रहेगी. नई योजनाओं का क्रियान्वयन होगा. बड़े लोगों से भेंट होगी, जिसका लाभ भविष्य में मिलेगा. शत्रु परास्त होंगे.

धनु मौसमी बीमारियों से बचाव जरूरी है. बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे. व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रसन्नता रहेगी. दिन प्रतिकूल रह सकता है. सामाजिक स्तर में परिवर्तन एवं प्रतिष्ठा को लेकर चिंतित रहेंगे. दांपत्य जीवन अच्छा रहेगा.

मकर संतान के कार्य में गति मिलेगा. पर कार्य के लिए भागदौड़ अधिक होगी. थकान रहेगी. वाणी पर नियंत्रण आवश्यक है. माता-पिता का स्वास्थ्य ठीक रहेगा. दिन प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा. व्यापार में लाभ की स्थिति बनेगी.

कुंभ सुख का सामग्री एकत्र होगा. माता से सहयोग मिलेगा. थकान रहेगी. व्यवसाय ठीक चलेगा. विवाद से बचें. नए कार्यों में लाभ होने की संभावना है. परिवार की तरक्की होगी. काली वस्तु का दान करें.

मीन पराक्रम से कार्य सिद्ध होगा. संपत्ति के बड़े सौदे हो सकते हैं. बड़ा लाभ होगा. जल्दबाजी न करें. प्रमाद से बचें. दूरदर्शिता एवं बुद्धिमानी से कई रुके हुए काम पूरे होने की संभावना है. खर्चों में कमी करनी होगी. गुरु मंत्र का जाप करें.

भारत बंद को नैतिक समर्थन करेगा जिला कांग्रेस कमेटी : अंबुज कुमार

आदित्यपुर। भारतीय किसान यूनियन एवम् अन्य किसान संघो द्वारा कल 16 फरवरी 2024 किसानों से संबंधित विभिन्न मांगो को लेकर अखिल भारतीय स्तर पर बंद का आह्वान किया गया है. झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजेश ठाकुर के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी सरायकेला खरसावां जिला में प्रस्तावित बंद को नैतिक समर्थन प्रदान करेगी. जरूरत पड़ी तो कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के साथ सड़क पर उतर कर बंद कराया जाएगा. जिला कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष अंबुज कुमार ने जिले भर के किसानों से बंद को सफल बनाने में सहयोग करने की अपील की है. व्यापारिक प्रतिष्ठानों से कल प्रातः 6 बजे से शाम 5 बजे तक प्रतिष्ठानों को बंद रखने की अपील की है. किसान संगठन कृषि उत्पादों के न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करने काले कृषि कानून वापस लेने समेत अन्य मांगो को लेकर प्रदर्शन करना चाहती है. मोदी सरकार आंदोलनकारी किसानों पर गोलियां चलाकर आंदोलन का दमन करना चाहती है.

हीरापुर कृष्णा ज्वेलर्स में सात लाख की चोरी, पुलिस कर रही है छानबीन

धनबाद। धनबाद थाना क्षेत्र के हीरापुर हटिया स्थित कृष्णा ज्वेलर्स में बुधवार की रात चोरों ने शटर तोड़ कर लाखों रुपए के जेवरात की चोरी कर ली. वारदात की खबर पाकर धनबाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई है. पुलिस आस पास के दुकानों में लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाल रही है. बता दें कि बीते कुछ दिनों में शहर में चोरी की वारदातों में इजाफा हुआ है. प्रतिष्ठान संचालक कृष्ण प्रसाद ने बताया कि बुधवार की रात दुकान बंद कर विनोद नगर अपने आवास गए थे. रात में देखा कि सबकुछ ठीक-ठाक है. गुरुवार की सुबह पड़ोस के दुकानदारों ने उन्हें फोन कर बताया कि दुकान का शटर टूटा हुआ है, इसके बाद वे मौके पर पहुंचे तो देखा दुकान का आधा शटर खुला हुआ है. जबकि दुकान में रखे सोने एवं चांदी के जेवरात को चोर ले गए हैं. आसपास के सीसीटीवी फुटेज में देखा गया कि रात करीब दो बजे के बाद ही वारदात को अंजाम दिया गया है. चोरी गए जेवरात की कीमत करीब सात लाख रुपये आंकी जा रही है.

झामुमो की शुरू हुई न्याय यात्रा, आदिवासी महिलाओं ने रिहाई के लिए की प्रार्थना

रांची में लगा हेमंत का 'झारखंड झुकेगा नहीं' लिखा पोस्टर

विशेष संवाददाता। रांची

ईडी की रिमांड खत्म होते ही शहर में एक बार फिर से राजनीति गरमा गयी है. शहर में अचानक कई स्थानों पर हेमंत सोरेन के पोस्टर लगाये गये हैं. सुबह में ये पोस्टर नहीं थे. लेकिन दोपहर 12 बजे के बाद ये पोस्टर हरमू बाई पास रोड के कई स्थानों पर देखे गये, जिसमें झारखंड के प्रमुख आंदोलनकारी, शहीदों के साथ गुरुजी शिबू सोरेन, मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के साथ हेमंत सोरेन की तस्वीर बड़े आकार में लगी है, जिसमें लिखा है 'झारखंड झुकेगा नहीं'. अब इसके कई तरह के राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं. कुछ लोगों का कहना है कि अब सारा कुछ कोर्ट से होगा, क्योंकि ईडी की रिमांड खत्म हो चुकी है, जबकि यह भी कहा जा रहा है कि झामुमो के नेताओं ने ऐसी पहल कार्यकर्ताओं व समर्थकों के बीच उत्साह बना रखने के लिए की है. वहीं, भाजपा पर दबाव डालने की तैयारी है. यह बताने की कोशिश है कि झामुमो के कार्यकर्ता हतोत्साहित नहीं हैं.

खास बातें

- बेबुनियाद केस में फंसाकर हेमंत सोरेन को जेल भेजा गया है
- चरणबद्ध तरीके से अन्य जिलों में भी विरोध का
- भाजपा के लोगों ने जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किया है

इधर, झामुमो की न्याय यात्रा गुरुवार से शुरू हो गयी है. रांची में उपवास रखकर इसकी शुरुआत की गयी. अब चरणबद्ध तरीके से अन्य जिलों में भी यह कार्यक्रम होगा. राजधानी में हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के विरोध में और उनकी रिहाई के लिए आदिवासी समाज की महिलाओं ने करमटोली चौक स्थित धुमकुड़िया भवन के सरना स्थल पर पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना की. महिलाओं ने मन्नत मांगी कि जल्द से जल्द हेमंत सोरेन की रिहाई हो जाए. उन्होंने कहा कि भाजपा के लोगों ने जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किया है. झूठे और बेबुनियाद केस में फंसाकर हेमंत सोरेन को जेल भेजा है.

बिष्टुपुर में 24-25 को विंटेज कार रैली का आयोजन होगा

जमशेदपुर। जमशेदपुर में विंटेज और क्लासिक कार और बाइक रैली का आयोजन किया जा रहा है. इसका आयोजन बिष्टुपुर के गोपाल मैदान में 24 और 25 फरवरी को किया जाएगा. टाटा स्टील द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में झारखंड, बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और पंजाब से आने वाले कुल 100 से अधिक लोग भाग लेंगे. 24 फरवरी को गोपाल मैदान में वाहनों की प्रदर्शनी लगेगी जिसे लोग देख पाएंगे. इसके बाद 25 फरवरी को इस रैली को हरी झंडी दिखाई जाएगी. यह रैली रीगल मैदान, भरूचा मेंशन, केएस लिंक रोड, मरीन ड्राइव, जुबली पार्क होते हुए 23 किमी की यात्रा तय करेगी और यूनाइटेड क्लब में समाप्त होगी. इस रैली में साल 1920 से लेकर 1985 तक की विंटेज और क्लासिक कारें और बाइक हिस्सा लेंगी.

पूर्व सीएम हेमंत के साथ ईडी कार्यालय में हुआ अमानवीय व्यवहार

केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ झामुमो का उपवास

- केंद्र की भाजपा सरकार तानाशाही रवैया अपना रही है
- राजनीतिक साजिश के तहत ही हेमंत सोरेन को भेजा गया जेल
- उपवास रख लिया गया संकल्प, भाजपा का सूपड़ा साफ कर देंगे

संवाददाता। रांची

केंद्र और भाजपा के खिलाफ झामुमो का उपवास कार्यक्रम गुरुवार को रांची के मोरहाबादी मैदान स्थित गांधी वाटिका के समक्ष शुरू हुआ. इसमें झामुमो ने केंद्र की भाजपा सरकार को तानाशाही करार देते हुए एक राजनीतिक साजिश के तहत जेल भेजे जाने का आरोप लगाया. जिला अध्यक्ष मुस्ताक आलम ने कहा कि हेमंत सोरेन को केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा चुनावी लाभ लेने के लिए तानाशाही रूप अपनाते हुए केंद्रीय जांच एजेंसियों द्वारा फर्जी मामले में जेल भेजा गया है. उपवास कार्यक्रम से हमारा संदेश है कि जिस प्रकार बापू ने अहिंसा को अपनाते हुए अंग्रेजों को देश से भगाया था. जिस प्रकार हमारे नेता हेमंत सोरेन को केंद्र की भाजपा सरकार प्रताड़ित कर जेल भेजने का काम की है. आज हम बापू के समक्ष बैठकर यह संकल्प लेते हैं की वर्तमान के अंग्रेजों को भगाने का काम करेंगे और भाजपा का सूपड़ा साफ करेंगे.

हम जल्द ही अपने नेता हेमंत को अपने बीच चाहते हैं : डॉ महुआ

इस मौके पर राज्यसभा सांसद डॉ महुआ माजी ने कहा कि झामुमो के सभी कार्यकर्ता अपने लोकप्रिय नेता हेमंत सोरेन को जल्द अपने बीच चाहते हैं. उनके साथ जो भी अन्याय हो रहा है उसके खिलाफ सभी एकजुट होकर लड़ रहे हैं. हम सभी अनुशासित होकर उपवास कार्यक्रम में शामिल हुए हैं. जिस प्रकार देश में गैर-भाजपा शासित राज्यों के नेताओं को परेशान किया जा रहा है, जनता के सामने है. कार्यक्रम में नंदकिशोर मेहता, समनूर मंसूरी, पवन जेडिया, सुशीला एक्का, चिंतामणी सांगा, अश्विनी शर्मा, कलाम आजाद, बिरु साहू, रामानंद बेदिया, रामशरण तिर्की, अरुण वर्मा, तालकेश्वर महतो, अफरोज आलम, आफताब आलम, महावीर विश्वकर्मा, मंटू लाला, संजय राय, विश्वजीत भट्टाचार्य, अरविंद सिंह देवल, जीत गुप्ता, कैथरीना तिर्की, जुल्फिकार खान, आदिल इमाम, नसीम गद्दी (पप्पू) सुजित उपाध्याय, नयनतारा उरांव, मंजू महतो, उषा उरांव, राखी देवी, संध्या देवी, सुषमा बरदेवा सहित सैकड़ों की संख्या में नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए.

भारत बंद आज, पूर्व संध्या पर मशाल जुलूस निकाला

केंद्र की मोदी सरकार किसान और मजदूर विरोधी : राकेश्वर

संजीव मेहता। आदित्यपुर

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार किसान और मजदूर विरोधी है. किसान और मजदूरों के लिए पूर्व में बनाए गए कानूनों में बदलाव कर उनकी हकमारी कर रही है, उनके अधिकारों का हनन कर रही है. उक्त बातें गुरुवार की शाम मशाल जुलूस निकालकर इंटक के प्रदेश अध्यक्ष राकेश्वर पांडेय ने आदित्यपुर में कही. बता दें कि देशभर के किसान और मजदूर संगठनों ने 16 फरवरी को नरेंद्र मोदी के इस कृत्य के विरोध में भारत बंद का आह्वान किया है. जिसको लेकर आज किसान संगठनों और विभिन्न ट्रेड यूनियनों के द्वारा कल भारत बंद बुलाये जाने को सफल बनाने को लेकर इंटक जिलाध्यक्ष केपी तैयारी के नेतृत्व में मशाल जुलूस निकाला गया और व्यवसासियों, दुकानदारों, तथा आम लोगों से इस भारत बंद को सफल बनाने की अपील की है. इस मशाल जुलूस कार्यक्रम में एसयूसीआई की महिला नेत्री लिली दास, सुशील सिंह, देबू चटर्जी समेत कई लोग थे.

सरकारों ने सदानों के अधिकारों को छीनने का काम किया: राजेंद्र

चतरा। मूलवासी सदान मोर्चा की रांची में 27 फरवरी को होने वाली मार्च अधिकार रैली की तैयारी को लेकर आज चतरा परिसदन में बैठे हुई. बैठक में मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद मूलवासी सदानों मोर्चा के द्वारा 27 फरवरी को रांची के मोराबादी मैदान स्थित गांधी प्रतिम से राजभवन तक विशाल पैदल मार्च रैली आयोजित की गई है. तत्पश्चात सदानों के विभिन्न मांगों को लेकर राज्यपाल को विज्ञापन सौंपा जाएगा. इस रैली मार्च में राज्य के समस्त जिलों के सदान शामिल होंगे.

इस मौके पर मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने राजनेताओं को आड़े हाथ लेते हुए कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि राज्य में बनने वाली सरकारों ने मूलवासी सदानों के अधिकार को छीनने का काम किया. प्रसाद ने कहा कि सदानों को अधिकार लेना है तो, मूलवासी सदान मोर्चा के आह्वान पर लोकसभा और विधानसभा चुनाव में सदानों के हित में जो दल को समर्थन देगा, उसी दल को वोट करें. तब ही मूलवासी सदानों को अधिकार मिलेगा. अब हमें संगठित होकर वोट करना होगा.

वहीं, धूलेश्वर साव ने जानकारी दी कि रैली में चतरा से भारी संख्या में लोग रांची पहुंचेंगे. बैठक में धूलेश्वर साव, मनोज कुमार चंद्रा, दुलारचंद साहू, संजय स्नेही, मुरारी गुप्ता, तन्हाई प्रसाद, राकेश प्रसाद, भारत साहू , श्रीमती सरिता देवी, मुरारी साहू, जिला अध्यक्ष तेली साहू महासंगठन चतरा, प्रभु दयाल, कमलेश कुमार, मुकेश कुमार,राजेंद्र प्रसाद साहू से नहीं बस आदि प्रमुख उपस्थित थे.

आकर्षण का केंद्र रही प्रतिमा

दिलीप कुमार। चांडिल

बसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजा के अवसर पर लेंगडीह में तालाब के अंदर स्थापित प्रतिमा आकर्षण का केंद्र बना हुआ है. चारों ओर पानी से घिरे प्रतिमा के आसपास आकर्षक साज-सज्जा भी किया गया है. एसबीसी लेंगडीह की ओर से प्रतिवर्ष नए-नए तरीके से पूजा का आयोजन किया जाता है. इसके अलावा अनुमंडल क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर बने आकर्षक पूजा पंडाल लोगों के कौतूहल का विषय बना हुआ है. गुफानुमा पूजा पंडाल, इको फेंडली पूजा पंडाल, युवाओं के द्वारा अपने हाथों से घर व आसपास के सामग्रियों से निर्मित पूजा पंडाल आकर्षण का केंद्र बना हुआ है. आने वाले तीन दिनों तक अनुमंडल क्षेत्र में सरस्वती पूजा की धूम मची रहेगी.

चौका में कई कार्यक्रम आयोजित

सार्वजनिक श्रीश्री सरस्वती पूजा कमेटी चौका, मौसम ग्रुप के तत्वावधान में आयोजित पूजा अनुष्ठान के दौरान कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. गुरुवार को सुबह से ही श्रद्धालुओं के बीच खिंचड़ी भोग का वितरण किया जा रहा था. वहीं दोपहर में बच्चों के लिए खेलकूद व डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा. इसके बाद मुर्गा लड़ाई और शाम को झोलीबुड राजधानी नाईट स्टार धमाका का आयोजन किया जाएगा. कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है.

पेज 01 का शेष

सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी बॉन्ड योजना पर...

चुनावी बॉन्ड की शुरुआत कब हुई

चुनावी बॉन्ड को फाइनेंशियल (वित्तीय) बिल (2017) के साथ पेश किया गया था. 29 जनवरी, 2018 को नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने चुनावी बॉन्ड योजना 2018 को अधिसूचित किया था. उसी दिन से इसकी शुरुआत हुई

कब-कब बिक्री के लिए मुहैया होता था चुनावी बॉन्ड

चुनावी बॉन्ड हर तिमाही की शुरुआत में सरकार की ओर से 10 दिनों की अवधि के लिए बिकी के लिए उपलब्ध कराए जाते रहे हैं. इसी बीच उनकी खरीदारी की जाती थी. सरकार की ओर से चुनावी बॉन्ड की खरीद के लिए जनवरी, अप्रैल, जुलाई और अक्टूबर के पहले 10 दिन तय किए गए हैं. लोकसभा चुनाव के वर्ष में सरकार की ओर से 30 दिनों की अतिरिक्त अवधि तय किए जाने का प्लान था.

चुनावी बॉन्ड का मकसद क्या था

चुनावी बॉन्ड की शुरुआत करते हुए सरकार ने दावा किया था इससे राजनीतिक फंडिंग के मामलों में पारदर्शिता बढ़ेगी. इस बॉन्ड के जरिए अपनी पसंद की पार्टी को चंदा दिया जा सकता था.

चुनावी बॉन्ड से राजनीतिक दलों को कैसे मिलता था लाभ

कोई भी भारतीय नागरिक, कॉरपोरेट और अन्य संस्थाएं चुनावी बॉन्ड खरीद सकते थे और राजनीतिक पार्टियां इस बॉन्ड को बैंक में भुना कर रकम हासिल कर लेते थे. बैंक चुनावी बॉन्ड उसी ग्राहक को बेचते थे, जिनका केवाईसी वेरिफाइड होता था. बॉन्ड पर चंदा देने वाले के नाम का जिक्र नहीं होता था.

क्या चुनावी बॉन्ड में निवेश करने पर कुछ रिटर्न मिलता है

चुनावी बॉन्ड में निवेश करने वाले को आधिकारिक तौर पर कोई रिटर्न नहीं मिलता था. यह बॉन्ड एक रसीद के समान था. आप जिस पार्टी को चंदा देना चाहते हैं, उसके नाम से इस बॉन्ड को खरीदा जाता था और इसका पैसा संबंधित राजनीतिक दल मुहैया करा दिया जाता था.

क्या चुनावी बॉन्ड में निवेश करने वाले को कर में छूट मिलती है

राजनीतिक पार्टी को सीधे चंदा देने की जगह चुनावी बॉन्ड के जरिए चंदा देने से, दी गई राशि पर इनकम टैक्स की धारा 80जीजीसी और 80जीजीबी के तहत यह छूट देने का प्रावधान है.

भारत रत्न के बहाने कांग्रेस को चिकोटी...

इसलिए कि पंजाब से लेकर जलते उत्तर-पूर्व को संभाला. इसलिए कि उन्होंने कश्मीर की आतंकी घटनाओं और दक्षिण में लिट्टे-द्रमुक के खुराफाती गठजोड़ के बीच एक सार्थक पहल की. वह एक अल्पमत सरकार चला रहे थे, जिसे बचाना भी जरूरी था और डूबती अर्थव्यवस्था को उबारना भी. उन्होंने तो परमाणु परीक्षण की भी व्यवस्था कर ली थी, जिसे बाद में अंजाम दिया अटल बिहारी वाजपेयी ने. सवाल यह उठ सकता है कि वह पक्के कांग्रेसी थे तो उन्हें भारत रत्न मिलने से कांग्रेस खिन्न क्यों होगी ? इसलिए कि सोनिया गांधी उनसे बेइंतहां नफरत करती थीं. उनके निधन के बाद उनका पार्थिव शरीर कांग्रेस दफ्तर में नहीं जाने दिया गया. दिल्ली में उनका अंतिम संस्कार नहीं करने दिया गया, ताकि उनकी समाधि वहां न बन सके. उनकी बरसी या जयंती पर कोई कांग्रेसी श्रद्धांजलि के दो शब्द भी ट्वीट नहीं करता है. नरसिंह राव को भारत रत्न देने से भाजपा को कौड़ी भर राजनीतिक फायदा नहीं होनेवाला है, क्योंकि उनकी कोई मजबूत राजनीतिक लिगेसी नहीं है. हां इतना जरूर है कि यह सोनिया गांधी के जले पर नमक है.

चरण सिंह ने सीएम बनते ही पटवारी का पद समाप्त कर दिया

जहां तक चौधरी चरण सिंह की बात है, वह निहायत ईमानदार और किसानों के परम हितैषी थे. वह तो मूलतः कांग्रेसी थे, लेकिन सहकारी खेती के सवाल पर नेहरू से भिड़ गये थे. उनका मानना था कि इससे किसान अपने खेत से बेदखल हो जायेंगे और उनका जीवनयापन दूभर हो जायेगा. इसलिए वह कांग्रेस से अलग हो गये. जब वह पहली बार साझा विपक्ष की ओर से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने थे, तब पटवारी का पद खत्म कर दिया, क्योंकि उन्हें जगह-जगह से शिकायत मिली थी कि पटवारियों ने गांव के गांव बर्बाद कर दिये हैं. पटवारियों पर आरोप था कि वे घूस लेकर गरीबों के खेत पर बड़े लोगों के नाम चढ़ा देते हैं. उस समय पूरे राज्य में एक हास्य प्रसिद्ध था, वह यह कि चरन सिंहा जानवर आया है. यह खाता है पटवारी और निकालता है लेखपाल. चरण सिंह ने किसानों के लिए कई लड़ाइयां लड़ीं. लेकिन केंद्र में जनता पार्टी के शासन के समय वह प्रधानमंत्री बनने के लालच में कांग्रेस के झांसे में आ गये. वह कांग्रेस से मिल गये और मोरारजी देसाई की सरकार गिर गयी. लेकिन कांग्रेस ने चरण सिंह को एक दिन भी संसद में बैठने नहीं दिया. महीने भर के अंदर ही समर्थन वापस ले लिया. फिर चुनाव हुए और इंदिरा गांधी पुनः प्रधानमंत्री बन गयीं.

मोदी की योजना विपक्षी गंठबंधन के गुब्बारे को पूरी तरह फुस्स करने की है

इस अपकर्म के बावजूद चौधरी चरण सिंह भारत रत्न के हकदार थे. कहा जा सकता है कि मोदी ने ऐसा पश्चिमी उप्र में जाटों को साधने के लिए किया है. लेकिन यह अर्द्ध सत्य है. यदि जाट चरण सिंह के वारिसों के साथ होते तो जाटलैंड में ही अजित सिंह और जयंत चौधरी 2014 तथा 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा से नहीं हार जाते. फिर क्यों चरण सिंह को सर्वोच्च सम्मान दिया गया ? वह इसलिए कि मोदी की योजना विपक्षी गंठबंधन के गुब्बारे को पूरी तरह फुस्स करना है और अपने लिए कोई किंतु-परंतु नहीं छोड़ना है. देखिए, जयंत पर कैसे सपा, कांग्रेस बौखलाए हुए हैं. जयंत भी जानते हैं कि भाजपा के साथ जितनी भी सीटों पर समझौता होगा, जीत की संभावना प्रबल होगी और यह भी कि जाट सपा, कांग्रेस से सटना नहीं चाहते हैं. इसे कहते हैं राजनीति और इसे मोदी ने बहुत तरीके से खेला है. विपक्षी गंठबंधन का शिराजा पूरी तरह बिखर गया है. देखते जाइए चुनाव तक कितनी चालें, खुटचालें और सर्पचालें चली जाती हैं और उनका क्या प्रभाव पड़ता है.

कार्यक्रम अड़की के कोटा बाजार प्रांगण में बिरसा मुंडा की आदमकद प्रतिमा का अनावरण

अबुआ राज बबुआ राज में परिवर्तित हो गया है : सुदेश महतो

संवाददाता। रांची

भगवान बिरसा मुंडा ने नारा दिया था 'अबुआ दिशुम अबुआ राज' का नारा, लेकिन वर्तमान सरकार इस नारे के विपरीत कार्य कर रही है. ग्राम सभा को दरकिनार कर अबुआ आवास का निर्णय बबुआ कर रहे हैं. कथित अबुआ के बबुआ ने भगवान बिरसा की परिकल्पना को ध्वस्त कर अबुआ आवास योजना के लाभार्थियों के चिह्नितीकरण में ग्राम सभा को कमजोर करने का काम किया है. हर गांव से अबुआ आवास योजना के चयन में शिकायत देखने को मिल रही है. अबुआ राज बबुआ राज में परिवर्तित हो गया है. उक्त बातें पूर्व उपमुख्यमंत्री सह पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने अड़की प्रखंड अंतर्गत सरगेया पंचायत के कोटा बाजार प्रांगण में करोड़ों झारखंडियों के मान-सम्मान और गौरव के प्रतीक बिरसा मुंडा की आदमकद प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम के दौरान कही.

बिरसा मुंडा हमारे प्रेरणा स्रोत

सुदेश ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा के विचार, साहस, संघर्ष और संकल्प को आत्मसात कर राज्य को प्रगति के पथ पर लेकर जाना हर प्रदेशवासी का दायित्व है. बिरसा मुंडा हमारे प्रेरणा स्रोत है. झारखंड में 23 सालों में झारखंड ने क्या हासिल किया और सफर कितना बाकी है, इसे लेकर बहस, विश्लेषण होता रहता है. ग्राम सभा को मजबूती देने, महिलाओं और युवाओं के हक अधिकार की लड़ाई हमने लड़ी है. राज्य को सकारात्मक नेतृत्व की आवश्यकता है. भगवान बिरसा मुंडा के सपनों को धरातल पर उतारने के लिए युवाओं को सामाजिक के साथ साथ राजनीतिक जवाबदेही भी सुनिश्चित करनी होगी. प्रतिमा अनावरण के बाद कोटा ग्राम निवासी तुलसी मुंडा के घर पर सुदेश कुमार महतो ने झारखंड का पारंपरिक भोजन किया. उन्होंने कहा कि यह भोजन हमारी पहचान है. हमें इसे राष्ट्रीय के साथ साथ अंतरराष्ट्रीय पहचान देने की आवश्यकता है.

खाड़ी देशों की यात्रा

प्रधानमंत्री की संयुक्त अरब अमीरात की सातवीं यात्रा कारोबारी रिश्तों को नए आयाम देने वाली भी है. इस यात्रा के दौरान दोनों मुल्कों ने दस अहम समझौतों पर हस्ताक्षर किये हैं, जिसमें आर्थिक गतिविधियों को सहजता प्रदान करने के लिए यूपीआई पेमेंट सिस्टम का लॉन्च करना भी शामिल है. भारत और यूएई के बीच गहरे होते रिश्तों का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि 1970 तक दोनों देशों के बीच जो सालाना व्यापार महज 18 करोड़ डॉलर का था, वह अब बढ़कर 85 अरब डॉलर तक जा पहुंचा है. अमेरिका के बाद भारत यूएई को सबसे ज्यादा सामान निर्यात करता है, जो वर्ष 2022-23 में बत्तीस अरब डॉलर के करीब था. उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में भारत ने यूएई के साथ व्यापक आर्थिक साझेदारी का समझौता किया था. वहीं अब द्विपक्षीय समझौते से भारत में निवेश बढ़ने की उम्मीद है. इसके साथ ही भारत के यूपीआई के यूएई की एएनआई से इंटरलिंक के बाद दोनों देशों में पैसे का ट्रांजेक्शन सहजता से हो सकेगा. हाल की प्रधानमंत्री की यूएई यात्रा में ऊर्जा, सुरक्षा, ग्रीन हाइड्रोजन और ऊर्जा संग्रहण आदि मुद्दों पर सहमति बनी है. वहीं इंडिया मिडल ईस्ट इकोनॉमिक कॉरिडोर को लेकर भी यूएई सहमत है. जो कच्चे तेल आदि की आपूर्ति श्रृंखला को मजबूती देगा. इसके अलावा दोनों देशों में प्राचीन दस्तावेजों के रखरखाव व पुनरुद्धार पर भी सहमति बनी है. आज जब यूएई भारत में विदेशी निवेश के मामले में सातवें स्थान पर है, तो इससे दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में गर्मजोशी का अहसास किया जा सकता है. उल्लेखनीय है कि जहां यूएई भारत के लिए चौथा बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता देश है, वहीं भारत से यूएई को खाद्य पदार्थ, महंगी धातु, हीरे-जवाहरात, खनिज पदार्थ, कपड़े, मशीनरी व इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात होता है. यूएई में भारत के प्रवासियों की श्रमशक्ति एक बड़ी ताकत है. करीब पैंतीस लाख भारतीय हर साल अपनी कमाई में से बीस अरब डॉलर की धनराशि भारत भेजते हैं. अब भारतीय वहां महज श्रमिक के रूप में नहीं जाते. करीब पैंतीस फीसदी भारतीय अब प्रतिष्ठा वाले कामों में लगे हैं. एक इस्लामिक देश में एक बड़े मंदिर का बनना यूएई की सहिष्णुता का ही परिचायक है. निस्संदेह, भारत व खाड़ी के इस देश के बीच इतने गहरे ताल्लुकात कभी नहीं रहे हैं. यूएई में सहिष्णुता व बहुरंगी संस्कृति की एक वजह यह भी है कि वहां के मूल निवासी बारह फीसद के करीब हैं और बहुसंख्यक आबादी प्रवासी है. करीब दो सौ देशों की बड़ी प्रवासी आबादी में एक तिहाई आबादी भारतीयों की है. जो राजशाही के बावजूद यूएई की विदेश नीति को प्रभावित करने की क्षमता रखती है. बहरहाल, आज भारत व यूएई के संबंध ऐतिहासिक दौर में हैं, जिसमें भारत के मजबूत नेतृत्व की बड़ी भूमिका को संयुक्त राज्य अमीरात का नेतृत्व पसंद भी करता है. इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने कतर की भी यात्रा की. प्रधानमंत्री की कतर यात्रा के पहले वे बंदी छोड़ दिए गए, जो दोनों देशों के बीच निकटता के कारण संभव हुआ.

> उल्लेखनीय है कि जहां यूएई भारत के लिए चौथा बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता देश है, वहीं भारत से यूएई को खाद्य पदार्थ, महंगी धातु, हीरे-जवाहरात, खनिज पदार्थ, कपड़े, मशीनरी व इंजीनियरिंग उत्पादों का निर्यात होता है.

सुभाषित

सा भार्या या प्रियं ब्रूते स पुत्रो यत्र निवृतिः।
तन्मित्रं यत्र विश्वासः स देशो यत्र जीव्यते॥

जो हर समय मधुर और प्रिय वाणी में बात करती है, वही अच्छी पत्नी है. जिससे सुख की प्राप्ति हो, वही अच्छा पुत्र है. जिस पर विश्वास किया जा सके, वहीं सच्चा मित्र है. ठीक इसी प्रकार जहां से जीविकोपार्जन हो सके, वही अपना देश है.

विपक्ष विकल्प की नाकामयाबी नहीं

क्या भारत जोड़ो न्याय यात्रा सचमुच लोकसभा चुनावों में सरकार बदलने की दिशा में एक प्रयास है? अथवा चुनाव जैसी तात्कालिक चीज से परे, भारतीय राजनीति का बिगड़ा नेरेटिव बदलने की दिशा में किया जाने वाला एक दीर्घावधि प्रयास है? इस यात्रा पर राहुल गांधी को शाबाशी देने वाले बुद्धिजीवी ही इस मुनासिब सवाल पर प्रकाश डालें तो बेहतर होगा. एक साधारण नागरिक और राजनीतिक कार्यकर्ता के नाते मुझे राहुल गांधी की यह यात्रा उपर्युक्त दोनों लक्ष्यों से पूरी तरह रहित नजर आती है.

• देश-काल

डॉ. प्रेम सिंह

करीब 15 दिन पहले मैंने एक वरिष्ठ पत्रकार मित्र से कहा कि लोकसभा चुनाव को दो महीने भी शेष नहीं बचे हैं, राहुल गांधी तफरीह करते घूम रहे हैं. मित्र ने शायद कुछ नाराजगी से उत्तर दिया, वे तफरीह नहीं कर रहे हैं. हम दोनों के बीच इस विषय पर संवाद वहीं समाप्त हो गया.

हालांकि, मैं पूछना चाहता था कि तफरीह नहीं कर रहे हैं, तो क्या भारत जोड़ो न्याय यात्रा सचमुच लोकसभा चुनावों में सरकार बदलने की दिशा में एक प्रयास है? अथवा चुनाव जैसी तात्कालिक चीज से परे, भारतीय राजनीति का बिगड़ा नेरेटिव बदलने की दिशा में किया जाने वाला एक दीर्घावधि प्रयास है? इस यात्रा पर राहुल गांधी को शाबाशी देने वाले बुद्धिजीवी ही इस मुनासिब सवाल पर प्रकाश डालें तो बेहतर होगा. एक साधारण नागरिक और राजनीतिक कार्यकर्ता के नाते मुझे राहुल गांधी की यह यात्रा उपर्युक्त दोनों लक्ष्यों से पूरी तरह रहित नजर आती है.

गठन के पहले दिन से ही विपक्षी पार्टियों के इंडिया गठबंधन के पूर्व कांग्रेस-नीत उपपद (प्रीफिक्स) लगा हुआ है. यह कांग्रेस का कर्तव्य था कि वह पूरी जिम्मेदारी और ईमानदारी से गठबंधन के साथ चुनाव की तैयारी में लगती. लेकिन कांग्रेस ने हाल में सम्पन्न हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में गठबंधन-धर्म का निर्वाह नहीं किया. केवल चुनावों में हुए नुकसान की बात नहीं है, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम विधानसभा चुनावों में सहयोगी दलों को भी शामिल कर लिया जाता तो उसका अखिल भारतीय स्तर पर एक प्रभावशाली संदेश जाता. एक मोमेंटम बन जाता, जो लोकसभा चुनावों तक उत्तरोत्तर तेजी पकड़ता जाता.

विधानसभा चुनावों के बाद भी कांग्रेस ने गठबंधन को लेकर कोई गंभीरता नहीं दिखाई. होना तो यह चाहिए था कि किसान संगठनों, मजदूर संगठनों और छात्र संगठनों को साथ लेकर साझा रैलियों का सिलसिला पूरे देश में शुरू कर दिया जाता. सभी भारतीय भाषाओं में गठबंधन के कार्यक्रमों के साझा पोस्टर, पर्चे, बैनर आदि पूरे देश में लगाए जाते. इसके चलते गठबंधन में शामिल पार्टियों के कार्यकर्ताओं के बीच एकजुटता बनती और मतदाताओं में भाजपा-नीत एनडीए के खिलाफ एक मजबूत विकल्प होने का विश्वास पैदा होता.

इसे आश्चर्यजनक ही कहा जाएगा कि राहुल गांधी ने विधानसभा चुनावों के बाद भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू कर दी. मानो कांग्रेस के सामने 2024 का लोकसभा चुनाव कोई बड़ी चुनौती न हो. दूसरे शब्दों में, संवैधानिक मूल्यों, लोकतांत्रिक संस्थाओं और नागरिक अधिकारों पर आया अभी तक का सबसे गहरा संकट कांग्रेस के लिए वास्तविक चिंता की बात न हो. यात्रा में उन राज्यों को भी शामिल किया गया जहां बीजेपी के खिलाफ गठबंधन में शामिल पार्टियों की मजबूती है. मानो कांग्रेस पूरे देश में अकेले चुनावी दिग्विजय की ताकत रखती हो. मजेदार यह है कि कांग्रेस की खाम-खयाली को बहुत-से प्रगतिशील बुद्धिजीवी और नागरिक समाज ऐक्टिविस्ट हवा देते रहे. कारपोरेट-कम्यूनल गठजोड़ की जो राजनीति देश में चल रही है, नरेंद्र मोदी उसके अभी तक के सबसे बड़े खिलाड़ी हैं. कारपोरेट-कम्यूनल गठजोड़ की राजनीति के पथ पर कब किसका इस्तेमाल करना है और इस्तेमाल के बाद कब किसको फेंक देना है-यह वे अच्छी तरह जानते हैं. दिवंगत नेताओं को भारत-रत्न देकर इस पथ को उन्होंने और प्रशस्त कर दिया है. कहने की जरूरत नहीं कि अचानक की गई भारत-रत्न पुरस्कारों की बौछार प्राप्त-कर्ताओं के प्रति सम्मान का प्रदर्शन नहीं, चुनावी युक्ति भर है.

भारत-रत्न की 'महिमा' है कि कर्पूरी ठाकुर का बेटा एक बार फिर एनडीए में चला गया है; चौधरी चरण सिंह का पोता दादा को मिले भारत रत्न के बदले चवन्नी की तरह पलट कर एनडीए के साथ हो गया है; नरसिम्हा राव की बेटी अपने पिता को गुमनामी से बाहर निकालने के लिए प्रधानमंत्री की धन्यवादी है. पुरस्कार देने वाले और वारिस होने का दावा करने वाले ये लोग इतने छोटे हैं कि सत्ता की हड्डी का एक टुकड़ा पाने के लिए पुरखों का सौदा कर रहे हैं. इन्हें देख कर संदेह होता है कि देश के सर्वोच्च अवॉर्ड से नवाजे गए इन नेताओं ने वाकई देश और समाज के लिए कुछ सार्थक किया था?

चौधरी चरण सिंह को मिले भारत-रत्न के अवसर पर संकेत उपाध्याय द्वारा किया गया राकेश टिकैत का एक इंटरव्यू देखने को मिला. संकेत उपाध्याय सहजता से गंभीर बात करने में माहिर हैं. राकेश टिकैत ने चौधरी चरण सिंह को भारत-रत्न देने का स्वागत किया, लेकिन कई किंतु-परंतु के साथ. उन्होंने पूंजीपतियों से आदेशित सरकार द्वारा फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) न देकर, बिल्डरों के लिए किसानों की जमीनें खरीदने की चाल से सावधान करते हुए कहा कि आने वाले दिनों में किसान आंदोलन अवश्यंभावी है. याद कर सकते हैं कि तीन कृषि कानूनों के खिलाफ हुए अभूतपूर्व किसान आंदोलन का सही राजनीतिक दिशा में उपयोग नहीं हो पाया. यानी कारपोरेट-कम्यूनल गठजोड़ की राजनीति के विरोध में उठे उस आंदोलन की ऊर्जा उसी राजनीति में खप कर व्यर्थ हो गई. यह भी याद किया जा सकता है कि महेंद्र सिंह टिकैत के किसान आंदोलन को किशन पटनायक ने गंभीरता से लेते हुए 'टिकैत की किताब' शीर्षक पुस्तिका जारी की थी. हमारे जैसे युवाओं के लिए वह थोड़ा चौंकाने वाली बात थी. 1991 में वित्तमंत्री डॉ मनमोहन सिंह और प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने यह कहते हुए कि कोई अन्य विकल्प नहीं है, भारत की अर्थव्यवस्था को बजारवादी शक्तियों के लिए खोला था. किशन पटनायक ने उसी संदर्भ में 'विकल्पहीन नहीं है दुनिया' का सुचिंतित विचार देश के सामने रखा था. तब हम नहीं समझ पाए थे कि उन्होंने 'टिकैत की किताब' क्यों लिखी? हालांकि, अब उनकी बात अच्छी तरह हमारी समझ में आती है.

कारपोरेट-कम्यूनल गठजोड़ की राजनीति हर पल नई सनसनी पैदा करते हुए आगे बढ़ती है. ताकि समाज विकल्प के विचार और संभावना के प्रति विस्मृति का शिकार बना रहे. यह बौद्धिक-वर्ग की भूमिका है कि वह ऐसा न होने दे.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

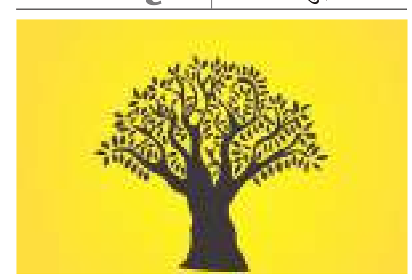

शिष्टाचार

पाश्चात्य देशों में जो 'शिष्टाचार' बहुप्रशंसित है, वह 'शिष्टाचा'र वस्तुतः भारतीय अहिंसक जीवन मूल्यों की खुरचन मात्र है. भारतीय अहिंसक मूल्यों में नैतिकता पर जोरदार भार दिया गया है. पाश्चात्य शिष्टाचार उन्हीं नैतिक आचारों का केवल अंश है. पश्चिम ने सभ्यता और विकास के अपने सफर में यह शिष्टाचार, भारतीय अहिंसा के सिद्धांत से ही तो ग्रहण किए हैं. उनके लिए जितना भी अहिंसा का पालन ₹सुविधाजनक₹ था, इतना अपना लिया. जो दूभर था छोड दिया. परिणाम स्वरूप, उनका वह सहज अहिंसक आचरण, शिष्टाचार के स्वरूप में स्थापित हो गया. जबकि भारत में यह अहिंसा पालन और नैतिक आचरण किताबों में कैद और उपदेशों तक सीमित हो गया. क्योंकि पालन बड़ा कठिन था और मानवीय स्वभाव सदैव से सरलतागामी और सुविधाभोगी रहा है. हमें अहिंसा कठिन तप लगने लगी और नैतिकता दुष्कर और दुरूह. नैतिक निष्ठा से दूर होकर हम, उस पतन की ओर ढ़लने लगे, जो हमें बिना किसी विशेष परिश्रम के, सुखदायक स्थिति में रखता था. इस प्रकार सुविधाभोगी मानस से नैतिक आचरण तो गया ही गया, उसके अंश स्वरूप का शिष्टाचार भी हमारे जीवन से तिरोहित हो गया. वस्तुतः सदाचरण हमारे जीवन को मंगलमय रखता है. शान्ति फैलाता है और जीवन संघर्ष के कितने ही तनावों से मुक्त रखता है, इसलिए कल्याणकारी है. इसका पालन कठिन है, लेकिन इस गुण के लाभ देखकर इसके प्रति आकर्षण हमेशा ही बना रहता है. इसी कारण पाश्चात्य शिष्टाचार के प्रति हमें अहोभाव होता है. किन्तु सदाचार का मूल 'अहिंसा' जो हमारी भारतीय संस्कृति का सुदृढ़ आधार था, हम विस्मृत कर बैठे. हम इतने सुविधाभोगी हो गए कि अहिंसा का विचार भी हमें अव्यवहारिक और अति समान प्रतीत होता है, जबकि शिष्टाचार के प्रति चाहने मात्र को आकर्षण बना रहता है. इसलिए हमें लगता है कि अगर पश्चिम से शिष्टाचार के गुर सीख लिए तो भयो भयो. अहिंसा गंगोत्री है, सदाचरण और नैतिक आचरण की. उसके प्रबल प्रवाह से घबराकर हमने उसे मुख पर ही बांध दिया है, फिर भी उससे निकलती सदाचार की स्वच्छ धाराएँ हैं, किन्तु उसे भी हमने गंदला कर दिया है. उन्ही धाराओं से अंश रूप भरा शिष्टाचार रूपी छोटी बोतल का पानी हमें सुहाने लगा है.

वास्तविक न्याय की तलाश में भारत के लोग

• विमर्श

प्रफुल्ल कोलख्यान

सामने है-2024 का आम चुनाव. चुनावी माहौल में चल रही है भारत जोड़ो न्याय यात्रा. अचरज की बात है, देखते-देखते बेखौफ बुलडोजर न्याय का उल्लसित प्रतीक बनता चला गया! वह दिन दूर नहीं जब, गोली-बंदूक न्याय का प्रतीक बन जायेगा! चुनावी साल में भी, भारत के नक्शे पर क्या महान दृश्य चल रहा है! एक तरफ राहुल गांधी के नेतृत्व में मणिपुर से प्रारंभ भारत जोड़ो न्याय यात्रा चल रही है तो, दूसरी तरफ उत्तराखंड में 'बुलडोजर न्याय' चल रहा है, किसानों को संवैधानिक न्याय मिलना तो दूर की बात है, मुलाकात और मुकाबला 'पुलिसिया न्याय' से हो रहा है. मणिपुर! मणिपुर भारत व्यवहार का ऐसा प्रतीक बन गया है, जिसके लिए कोई उपयुक्त नाम नहीं सूझ रहा, बस मणिपुर कहना ही काफी हो गया है. भारत के लोगों की नजर 2024 के आम चुनाव के संभावित नतीजों के पास घूम रही है. संस्कृति के राजनीतिकरण, फिर राजनीति के कॉर्पोरेटीकरण और बुद्धिमत्ता के यांत्रिकीकरण के दौर में महत्त्वपूर्ण यह है कि पूरी दुनिया भी अपनी नजर से भारत के लोकतंत्र के नव पाठ को पढ़ने की कोशिश कर रही होगी. संचार और संपर्क की तीव्रता के साथ व्यापारिक सुविधा और मुनाफा के लाभ-लोभ ने पूरी दुनिया को बेहद करीब ला दिया है. किसी भी देश की आंतरिक स्थिति का अन्य देशों के हितों पर प्रभाव पड़े बिना नहीं रह सकता है. इस अर्थ में दुनिया बेहद करीब आ गई है. जाहिर है, आज दुनिया के अन्य देश भारत में गरीब और मुफलिस लोगों के लोकतंत्र के विकासमान स्वरूपों को अपने-अपने हित-अनहित की नजर से देख ही रहे होंगे. भारत की राज्य-व्यवस्था में एक खासियत यह तो है कि यहां अब तक लगभग सभी चुनाव समय-बद्ध तरीके से होते रहे हैं. चुनावों के समय-बद्ध ढंग से होने को लोकतंत्र के होने का प्रमाण माना जाता है. यह सच है कि लोकतंत्र में चुनावों के होते रहने का महत्त्व है. लेकिन, एक क्षण के लिए यह नहीं भुलाया जा सकता है कि चुनाव लोकतंत्र को हासिल करने का साधन है, साध्य नहीं. भारत में महात्मा गांधी ने साध्य के हासिल करने या हो जाने को अपने-आप में पर्याप्त और संतोषजनक नहीं माना. उन्होंने साध्य की हितकारिता को साधन की पवित्रता से विच्छिन्न होने को कभी मंजूरी नहीं दी. गांधी विचार के अनिवार्य सकारात्मक तत्त्व को भी अव्यावहारिक बताकर भारत की राजनीति से बाहर ही रखा गया. कोई भले ही इस बात से इनकार करे, लेकिन अंततः यह कड़वा सच तो मानना ही पड़ेगा कि गांधी विचार की राजनीति को जीतनी व्यावहारिक स्वीकृति अंग्रेजी व्यवस्था में मिली, उतनी स्वीकृति आजाद भारत में नहीं मिली. इसका मतलब यह भी हो सकता है कि गांधी विचार का छुपा हुआ अंश भी राजनीतिक दल की 'राजनीति' को अप्रासंगिक बना देता है. आखिर, ऐसा क्यों? इसका जवाब पाना मुश्किल है, लेकिन अनुमान लगाने की कोशिश की जा सकती है. महात्मा गांधी के राजनीतिक औजार के तीन सूत्र थे- असहयोग, अवज्ञा और सत्याग्रह. महात्मा गांधी के महत्त्वपूर्ण सूत्र शब्दों को याद किया जा सकता है-सभ्यता, संस्कृति, सदबुद्धि, सद्भावना, सादगी, संयम, समता, वंशानुगत उद्यम, शारीरिक श्रम, सम्यक संवितरण, स्वशासन, कुटीर उद्योग. सत्याग्रह तो, उनकी हत्या का तात्कालिक कारण ही बन गया. असल में गांधी विचार राजनीतिक लोकतंत्र में नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों के सन्निवेश का आग्रही प्रस्ताव है. सरकार की कड़ी व्यवस्था में असहयोग, अवज्ञा के प्रति राजकीय सम्मान की मर्यादित स्थिति तो जगजाहिर है. सादगी! अहा, सादगी के तो कहने ही क्या! सभ्यता और संस्कृति पर विचार करें तो, पता चलता है कि सतत गतिमयता में इनके प्राण बसते हैं. सभ्यता भौतिक और जीवनयापन की जरूरतों के कारण वैज्ञानिक विकास के साथ आगे बढ़ती रहती है. सभ्यता की गति-मति वैज्ञानिक विकास से सहबद्ध होने के कारण आगे की ओर होती है. सभ्यता में जड़ता के तत्त्व कम या न के बराबर होते हैं. मनुष्य के परिवर्तन भीरु स्वभाव के थोड़े-बहुत असर के कारण सभ्यता में भी थोड़ी-सी जड़ता की प्रवृत्ति से इनकार नहीं किया जा सकता है. मनुष्य के स्वभाव की परिवर्तन भीरुता के स्रोत की खोज करने पर इसका कोई-न-कोई स्रोत ऐतिहासिक परिस्थितियों में मिल जायेगा. एक अर्थ में देखें तो, संस्कृति के गठन में भय और भय के निवारण का कोई-न-कोई आंतरिक तत्त्व जरूर मिल जायेगा. इस अर्थ में सभ्यता, संस्कृति के आंतरिक भय निवारक तत्त्वों का बाहरी और वैज्ञानिक उद्घोष है. भारत में अन्य डरों के अलावा डर का एक बना-बनाया प्रसंग है-हिंदू-मुसलमान. हिंदुओं के मन में मुसलमानों का डर और मुसलमानों के मन में हिंदुओं का डर. इस घनीभूत डर के राजनीतिक उपयोग से ध्रुवीकरण को बढ़ाया जाता है.

> भारत के लोगों की नजर 2024 के आम चुनाव के संभावित नतीजों के पास घूम रही है. संस्कृति के राजनीतिकरण, फिर राजनीति के कॉर्पोरेटीकरण और बुद्धिमत्ता के यांत्रिकीकरण के दौर में महत्त्वपूर्ण यह है कि पूरी दुनिया भी अपनी नजर से भारत के लोकतंत्र के नव पाठ को पढ़ने की कोशिश कर रही होगी.

पाकिस्तान के सैन्य नियंत्रित घटनाक्रम के मायने

• देशांतर

प्रमोद जोशी

पाकिस्तान में पिछले हफ्ते हुए चुनाव के बाद आए परिणामों ने किसी एक पार्टी की सरकार का रास्ता नहीं खोला है और घूम-फिरकर गठबंधन सरकार बन रही है, जो सेना के सहारे काम करेगी. राष्ट्रपति की जिम्मेदारी है कि मतदान के बाद 21 दिन के भीतर यानी 29 फरवरी तक वे क़ौमी असेंबली का इजलास बुलाएं. पहले भी तीन बार प्रधानमंत्री पद पर काम कर चुके नवाज़ शरीफ संभवतः फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे, पर वे उतने प्रभावशाली नहीं होंगे, जितने कभी होते थे. चुनाव में उन्हें वैसी सफलता नहीं मिली, जिसका दावा उनकी तरफ से किया गया था. अलबत्ता उनकी पार्टी संभवतः पंजाब में अपनी सरकार बना लेगी. इस चुनाव को लेकर कई तरह की शिकायतें हैं. मतदान के दिन इंटरनेट पर रोक लगने से पूरी व्यवस्था ठप हो गई. उसके बाद सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्मों को ठप किए जाने की खबरें मिलीं. कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी और बैलट पेपरों के साथ गड़बड़ी की शिकायतें भी हैं. इन बातों को लेकर अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपियन यूनियन ने न केवल विरोध व्यक्त किया है, बल्कि इन गड़बड़ियों की जांच कराने की मांग भी की है. सवाल है कि यह जांच कौन करेगा? ये सारे सवाल पाकिस्तान के बुनियादी लोकतंत्र से जुड़े हैं. सवाल यह भी है कि भारत-पाक रिश्तों के संदर्भ में इस घटनाक्रम का मतलब क्या है? केंद्रीय सत्ता पर राजनीतिक दलों के कमजोर होने का मतलब है सेना का पूर्ण नियंत्रण. राजनीतिक-आर्थिक स्थिरता के लिहाज से यह एक मायने में मज़बूरी है. हालांकि जनता का फैसला एक तरह से सेना की राजनीतिक भूमिका के खिलाफ है, फिर भी आज के हालात में पाकिस्तान में सरकारी व्यवस्था तभी चलेगी, जब सेना और नागरिक सरकार 'एक पेज पर' हों. इसका मतलब यह भी है कि पेचीदगियां बनी रहेंगी, क्योंकि नागरिक-प्रशासन के हित जरूरी नहीं कि एक जैसे हों. सेना की कोशिश होगी कि आर्थिक-संसाधनों का ज्यादा बड़ा हिस्सा उसे मिले, जबकि आम नागरिक की बदहाली को देखते हुए ज़रूरतें कुछ और हैं. लगता यह भी है कि इमरान खान अभी जेल में ही रहेंगे और उनके तेवरों में भी बदलाव नहीं आएगा. पिछले साल राष्ट्रीय-संसद भंग होने के पहले तक एक संभावना थी कि वे बड़ी ताकत बनकर उभरेंगे, पर हुआ इसका उल्टा और वे व्यवस्था की जंजीरों में जकड़ गए. एक वक्त ऐसा भी लगा कि उनका अब कोई भविष्य नहीं है, पर चुनाव के इन परिणामों ने उनकी सार्थकता को बनाए रखा है.पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में 336 सीटें हैं, पर चुनाव 266 सीटों का होता है. 60 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं, जिनका चयन पार्टियों को प्राप्त आनुपातिक मतों के आधार पर होता है. शेष 10 सीटें धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित हैं. इसबार 265 सीटों के लिए चुनाव हुए हैं, जिनमें से 264 के परिणामों की घोषणा हुई है. चूंकि इमरान समर्थक सभी सांसद निर्दलीय हैं, इसलिए महिला और अल्पसंख्यक आरक्षण का लाभ उन्हें नहीं मिलेगा. उधर पीएमएल का दावा है कि करीब दो दर्जन निर्दलीय सदस्य उनके साथ जुड़ने वाले हैं. छह सदस्यों के शामिल होने की खबरें भी आई हैं. फिलहाल असमंजस की स्थिति है. जेल में कैद इमरान खान ने चुनाव में 'बैट' के बगैर सैकड़ा पीट दिया है. निर्दलीयों को 102 सीटें मिली हैं. इनमें से 97 इमरान खान समर्थक और 5 अन्य निर्दलीय हैं. इमरान समर्थकों को तकनीकी कारणों से पार्टी की चुनाव-चिह्न 'बैट' नहीं दिया गया. नवाज़ शरीफ की पार्टी पीएमएल-एन को 76 और भुट्टो-ज़रदारी परिवार की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी को 54 सीटें मिली हैं. 32 सीटों पर अन्य उम्मीदवारों को जीत मिली है (इनमें से 17 पर एमक्यूएम के उम्मीदवार जीते हैं).अब ज्यादा बड़ा सवाल है कि पाकिस्तान का लोकतंत्र किस दिशा में जाएगा. इमरान खान पाकिस्तानी जनता के एक बड़े तबके को यह समझाने में कामयाब हुए है कि मुख्यधारा के राजनीतिक दल और सेना बेईमान है और विदेशी-ताकतों के साथ उनका गठजोड़ है. यों भी देश की जनता के मन में पहले से लोकतंत्र और राजनीति को लेकर कड़वाहट है. यह कड़वाहट पैदा करने में सेना की भूमिका भी है. जनता को यह भी समझना होगा कि नागरिक-प्रशासन के अंतर्विरोध होते हैं, जिन्हें समझना और उनका समाधान करना आसान नहीं है. इमरान ने जनता के विरोध को भड़काने में सफलता तो हासिल कर ली है, पर देश को रास्ते पर ले जाने की योजना उनके पास भी नहीं है. वे केवल भावनाओं को भड़काकर काम निकालना चाहते हैं. बावजूद इसके इमरान की यह सफलता कई मायनों में अधूरी है.

> पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में 336 सीटें हैं, पर चुनाव 266 सीटों का होता है. 60 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं, जिनका चयन पार्टियों को प्राप्त आनुपातिक मतों के आधार पर होता है. शेष 10 सीटें धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित हैं. इसबार 265 सीटों के लिए चुनाव हुए हैं, जिनमें से 264 के परिणामों की घोषणा हुई है.

मीडिया में अन्यत्र

सेवानिवृत्तों की पेंशन संबंधी चिंताएं

वर्ष 2023-24 के लिए भविष्य निधि (पीएफ) जमा में 0.1-प्रतिशत-बिंदु की बढ़ोतरी के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के केंद्रीय न्यासी बोर्ड की सिफारिश हैरतअंगेज नहीं लगनी चाहिए, क्योंकि यह बढ़ोतरी ईपीएफओ के पिछले साल के कदम के ही अनुरूप है. हालांकि, 8.25 फीसदी की अनुशंसित दर 2023-24 की भांति चुनाव पूर्व वाले वर्ष 2018-19 में लागू किए गए दर के मुकाबले 0.4-फीसदी अंक कम है. अगर केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा इस सिफारिश को मंजूरी दे दी जाती है, तो इसमें ईपीएफ सदस्यों को रिकॉर्ड 1,07,000 करोड़ रुपये का हस्तांतरण शामिल होगा. लेकिन इस घटनाक्रम ने उन लोगों को नाखुश किया है, जो लंबे समय से पेंशन में न्यूनतम 1,000 रुपये की बढ़ोतरी की मांग कर रहे हैं. सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने विपक्ष में रहने के दौरान मांग की थी कि पेंशन में 3,000 रुपये तक की बढ़ोतरी की जाए (तत्कालीन यूपीए सरकार ने 1,000 रुपये प्रति माह की बढ़ोतरी का प्रस्ताव दिया था). वर्ष 2014 में सत्ता में आने पर, भाजपा ने सितंबर 2014 से अपने पूर्ववर्ती सरकार द्वारा तय किए गए कार्यों को ईमानदारी से पूरा किया, जिससे लगभग 20.5 लाख पेंशनभोगियों को लाभ हुआ. कुछ महीने पहले, वित्त मंत्रालय ने कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस), 1995 के तहत आवश्यक बजटीय समर्थन में "भारी बढ़ोतरी" का हवाला देते हुए न्यूनतम पेंशन राशि को दोगुना करने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था. बजटीय सहायता में एक और घटक है जो प्रति माह 15,000 रुपये की राशि तक के वेतन के 1.16 फीसदी के केंद्र सरकार के योगदान को इंगित करता है. वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए, वित्त मंत्रालय ने बजटीय सहायता के रूप में चालू वर्ष के 9,760 करोड़ रुपये के संशोधित अनुमान के मुकाबले 10,950 करोड़ रुपये राशि का अनुमान लगाया है. वित्त मंत्रालय की गणना है कि न्यूनतम पेंशन में शत-प्रतिशत की बढ़ोतरी कुल बजटीय सहायता में आनुपातिक बढ़ोतरी से ज्यादा होगी, क्योंकि 2014 तक कई पेंशनभोगियों को मासिक पेंशन के रूप में 1,000 रुपये से काफी कम प्राप्त हुआ था. ईपीएस को "निर्दिष्ट योगदान- निर्दिष्ट लाभ" वाली सामाजिक सुरक्षा योजना के रूप में निरूपित करते हुए, सरकार ने राज्यसभा में कहा कि सभी लाभों का भुगतान योगदान के जरिए हासिल हुए संचय से किया गया था और 31 मार्च, 2019 तक फंड के मूल्यांकन के मुताबिक, उसमें "एक बीमांकिक घाटा" था. हालांकि, ईपीएफओ की वार्षिक रिपोर्ट (2022-23) में इस तर्क को लगभग ध्वस्त कर दिया गया है. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

और/एवं/तथा/व

फिल्म अमीर-गरीब का गाना है सोनी और मोनी की है जोड़ी अजीब. इसमें एक शब्द ऐसा है, जिसका काम है जोड़ी बनाना. वह शब्द है 'और.' सोनी और मोनी. यह एक संयोजक शब्द है, लेकिन इसके और भी कई अर्थ हैं. जैसे 'और' का अर्थ अधिक भी होता है. उदाहरण के लिए और भोजन चाहिए. 'और' का अर्थ अन्य भी है. उदाहरण के लिए मेरा एक और मित्र है या यह तो कोई और है. 'और' का अर्थ अतिरिक्त भी है. उदाहरण के लिए और क्या चाहिए. और शब्द के समानार्थी शब्द हैं तथा, एवं, व. कुछ लोग इसका संक्षिप्त रूप में 'औ' या 'ओ' का भी प्रयोग करते हैं. जैसे सुबह औ शाम या सुबह ओ शाम. 'एवं' का शाब्दिक अर्थ है ऐसा ही, या इसी प्रकार, लेकिन इसका प्रयोग 'और' के अर्थ में भी होता है. 'तथा' शब्द के भी दो अर्थ तो हैं. जैसे राम तथा श्याम. दूसरा अर्थ है इसी तरह, ऐसे ही. जैसे यथा नाम तथा गुण. 'और' खड़ीबोली का शब्द है. लोकव्यवहार में यही प्रचलित है. 'व' फारसी मूल का शब्द है. इसका अर्थ 'और' की तरह ही लिया जाता है. संयुक्त वाक्य में एक से अधिक योजकों का प्रयोग अर्थ को स्पष्ट करता है. जैसे राम और सीता एवम् शिव और पार्वती. यदि यहां एवम् के स्थान पर भी 'और' ही लगा दिया जाए तो वाक्य भ्रामक हो जाता है. 'व' भी 'और' की तरह ही है. जैसे सही व गलत, अमीर व गरीब. 'एवम्' और 'तथा' तत्सम शब्द हैं. 'व' अरबीमूलक है अतः वस्तुतः उर्दू है. इसका लघुरूप 'ओ' को हम उर्दू से अधिक जोड़ते हैं पर 'व' भी उसी शब्द का औपचारिक/मानक रूप है. ये अधिकतम उर्दू साहित्य और कई बार हिन्दी साहित्य में भी मिलता है. संस्कृत भाषा में व, वा, यथा, तथा, इव, एवं, ये सभी समानार्थक शब्द हैं, जो हिंदी में तत्सम के रूप में बहुप्रचलित हैं.

जिंदा होने का प्रमाण देना जरूरी

• तीर-तुक्का

हनुमान मुक्त

आंधियों की जिद है, जहां बिजलियां गिराने की. हमारी भी जिद है ,वहीं आशियां बनाने की. उसूलों पर आंच आए ,तो टकराना जरूरी है. अगर जिंदा हो तो, जिंदा नजर आना जरूरी है. उनके उसूलों पर आंच आने लगी और वे टकरा गए. उन्होंने जैसे ही अपने जिंदा होने का प्रमाण दिया. मंत्री जी का सिंहासन डोलने लगा. आनन-फानन में अपने सभी दौरों को रद्द किया. आंधी और बिजली को काबू में किया और सभी को एक साथ अपने आशियां में बैठ कर बात करने का न्योता दे दिया. सभी दुखियारे इकट्ठे हो गए. दुख की इस घड़ी में साथ रहना जरूरी है. पता नहीं कब कैसी आंधी चल जाए और वे टीन टप्पर के घरौंदों की तरह हवा में उड़ जाए, इसलिए उन्होंने एक दूसरे का हाथ थाम कर अपने आपको वजनदार बनाने का प्रयास करना शुरू कर दिया. उन्होंने सुख में सब साथी दुख में ना कोय चरितार्थ नहीं होने दिया. दुख में भी वे इकट्ठा होने का स्वांग करने लगे. चोर चोर मौसेरे भाई की तर्ज पर दुखिया दुखिया भाई भाई इकट्ठा हो गए. उन्होंने हिंदू मुस्लिम भाई-भाई के नारे को भी बुलन्द नहीं किया. सिर्फ दुखिया दुखिया भाई-भाई के नारे को ही बुलंद किया. वे कितने वजनदार हैं, यह तो आंधियों की ताकत से ही पता चलेगा. वे कितनी तेजी से चलती है और उड़ा पाती हैं या नहीं. दूसरी ओर वे अपने उसूलों पर कायम थे. उन्होंने इनके उसूलों को आंच देने का प्रयास किया था. आंच ही नहीं, बल्कि उसूलों को जलाने का प्रयास किया था. साल भर से उनके उसूल उनकी आंच से तप रहे थे. तपन से वे सुलग रहे थे, धीरे-धीरे. हल्का-फुल्का धुंआ भी उठ रहा था. इसको वे नजरअंदाज कर रहे थे. इसे वे उनकी कमजोरी मान रहे थे. उनके काफी मना करने के बाद भी उन्होंने तपन देना कम नहीं किया .आखिर उन्हें भभकना था और वे भभक उठे तेजी से फक से.....आजकल डोक्यूमेंटेशन का जमाना है. आपके डाक्यूमेंट्स पूरे होने चाहिए. आप यदि पेंशनधारी हैं .आप जिंदा है, बैंक जाकर प्रत्येक माह कैशियर से, बैंक मैनेजर से जाकर मिलते हैं. तब भी आपको हर साल बैंक को आपके जिंदा होने का प्रमाण देना जरूरी है. लिखित रूप से. गजेटेड ऑफिसर से प्रमाणित. कि आप जिंदा हैं. उस ऑफिसर ने आपको फलां तारीख को जिंदा देखा है. आप कितना ही उछल कूद मचाओ. धमाचौकड़ी मचाओ. इससे काम नहीं चलेगा. कितना ही उनसे कहो कि भैया हम जिंदा हैं, हमें जिंदा मान लो, लेकिन वे नहीं मानेंगे. जब तक आप कोई लिखित डाक्यूमेंट्स पेश नहीं कर देते. उन्हें पेश करना ही पड़ेगा. उनके साथ भी ऐसा ही हुआ. उनके जिंदा होने का प्रमाण मांगा गया.

धर्म अध्यात्म

हिमकर श्याम

भगवान श्रीकृष्ण के अनेक नामों में से एक मदन मोहन भी है. रांची के बोड़ेया में कान्हा जी के मदन मोहन रूप की पूजा अर्चना की जाती है. श्री मदन मोहन मंदिर का निर्माण नागवंशी राजा रघुनाथ शाह के शासनकाल में हुआ था. इस मंदिर में भगवान श्री कृष्ण और देवी राधा की प्रतिमाएं हैं. रांची के लोगों में मदन मोहन के प्रति अपार श्रद्धा और आस्था है.

राधा संग विराजते हैं मदन मोहन

1665
में रखी गई मंदिर की नींव

1682
में मंदिर बन कर तैयार हुआ

14,001
रुपये की लागत निर्माण में आई

1140
वर्गफीट के चबूतरे पर बने 12 खंभे पर टिका हुआ है मंदिर

1980
में पीतल की मूर्तियां स्थापित की गईं.

1665 में रखी गई थी नींव

श्री मदन मोहन मंदिर की नींव लक्ष्मी नारायण तिवारी द्वारा विक्रम संवत 1722, यानी सन 1665 ईस्वी में वैशाख शुक्ल पक्ष दशमी को रखी गई थी. तीन साल बाद सन 1668 के श्रावण शुक्ल दशमी को चहारदीवारी और दरवाजे की नींव रखी गई. मंदिर के निर्माण में 17 साल का समय लगा था. यह 1682 में बन कर तैयार हुआ. मंदिर में लगे शिलालेख के अनुसार इसके निर्माण में 14,001 रुपये की लागत आई थी. शिलालेख कैथी लिपि में है.

ग्रेनाइट पत्थर से निर्माण

मंदिर मध्यकालीन वास्तुकला का अद्भुत नमूना है. इसका निर्माण ग्रेनाइट पत्थर से किया गया है. अनिरुद्ध नामक शिल्पकार ने मंदिर का निर्माण किया था. मंदिर 1140 वर्गफीट के चबूतरे पर बने 12 खंभे पर टिका हुआ है. खंभों की लंबाई छत तक लगभग 12 फीट है. छत पर शानदार नक्काशी है. मुख्य मंदिर के छत पर गोल शिखर है जिसकी ऊंचाई 40 फीट है. शिखर पर लोहे का चक्र है. चक्र पर त्रिशूल और ध्वज है. मंदिर का सिंहद्वार पूरब दिशा की ओर है. मंदिर के दक्षिण द्वार के सामने एक बड़ा चबूतरा है. दक्षिण द्वार तक आने के लिए पहले 11 सीढ़ियां थीं, अब मात्र सात हैं. एक कोने पर भंडार गृह है. मंदिर की बाहरी दीवार सफेद रंग की है. चहारदीवारी पत्थर से बनी हुई है.

पीतल की मूर्तियां स्थापित हैं

गर्भगृह वर्गाकार है जहां राधा संग मदन मोहन विराजमान हैं. पहले यहां अष्टधातु की मूर्तियां थीं. 5 सितंबर 1953 को भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति चोरी हो गई. बाद में भगवान श्रीकृष्ण की पीतल की मूर्ति बनवायी गई. दूसरी बार मंदिर में जब चोरी हुई, तब अष्टधातु के राधारानी की मूर्ति को चोर ले गए. 1960 में रांची के व्यवसायी गंगा प्रसाद बुधिया ने संगमरमर की मूर्ति यहां स्थापित की. 1980 में इस मंदिर में संगमरमर की मूर्तियों की जगह पीतल की मूर्तियां स्थापित की गईं. राधा कृष्ण के अलावा यहां राम, सीता एवं लक्ष्मण की भी प्रतिमाएं हैं. मंदिर से सटे मां दुर्गा का भी मंदिर है.

तीन बार लगता है भोग

भगवान मदन मोहन को दिन में तीन बार भोग लगाया जाता है. सुबह बाल भोग लगता है. दोपहर में राजभोग लगता है जिसमें चावल, दाल, खीर, पुड़ी और मालपुआ आदि जो उपलब्ध हो चढ़ाया जाता है और रात में शयन भोग. श्रृंगार आरती सुबह सात बजे होती है और शाम में संध्या आरती. वैशाख शुक्ल पक्ष अक्षय तृतीया के दिन मंदिर का स्थापना दिवस मनाया जाता है. पूर्णिमा के दिन सत्यनारायण पूजा होती है. श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और होली के समय भगवान गर्भगृह से बाहर आ कर मंदिर के चबूतरे पर विराजते हैं. श्रीराधाकृष्ण की प्रतिमा का विशेष श्रृंगार किया जाता है. जन्माष्टमी की पूजा वृंदावन की तर्ज पर होती है. होली पर्व के दिन यहां फगडोल खेला जाता है. पूरे गांव वासी मिलजुल कर त्योहार मनाते हैं. मंदिर के गर्भगृह में पुजारी के अलावा किसी का भी प्रवेश निषेध है.

मंदिर से जुड़ी कहानी

रातू महाराज रघुनाथ शाह अत्यंत धार्मिक प्रवृति और दयालु स्वभाव के थे. रघुनाथ शाह के धर्मगुरु ब्रह्मचारि हरिनाथ थे. एक बार महाराज के बोड़ेया आगमन पर स्थानीय जमींदार ब्राह्मण लक्ष्मी नारायण तिवारी ने उनका श्रद्धापूर्वक आदर-सत्कार किया. सम्मान पूर्वक भोजन कराया. विदाई के समय महाराज को स्वर्ण-आभूषण, धन आदि हाथी पर लाद कर उपहार स्वरूप भेंट किया. बोझ इतना अधिक था कि हाथी सह नहीं पाया. थोड़ी दूर चलने के बाद मर गया. राजा को लगा कि यह धन उनके लिए अशुभ है. महाराज ने लक्ष्मी नारायण को कहा कि यह धन उनके लिए शुभ नहीं है, इसे वापस ले लीजिए. तिवारी दिया हुआ धन वापस नहीं लेना चाहते थे. तब बीच का रास्ता निकलते हुए उसी धन से उन्होंने इस मंदिर का निर्माण कराया.

संरक्षित किया जाता है जल

मंदिर की छत कुछ इस तरह बनाई गई है कि एक तरफ ढलान कर बारिश के पानी को उत्तर दिशा में गिरने की व्यवस्था की गई है. मानसून के महीनों में छत से गिरने वाला पानी सीधे वाटर हार्वेस्टिंग के लिए बनाए गए कुंड में गिरता है. यह कुंड गर्मियों में भी नहीं सूखता और आसपास के जलस्तर को बनाये रखता है. मंदिर परिसर में एक कुंआ भी है जिसे श्री शरण नारायण तिवारी ने बनवाया है.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

ब्रीफ खबरें

यूपी वारियर्स से क्षेत्ररक्षण कोच के रूप में जुड़े अभय

नयी दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के सहयोगी स्टाफ का हिस्सा रह चुके अभय शर्मा 23 फरवरी से शुरू हो रही महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के दूसरे सत्र से पहले यूपी वारियर्स से क्षेत्ररक्षण और विकेटकीपिंग कोच के रूप में जुड़ गए हैं. रेलवे के पूर्व रणजी कप्तान अभय ने पिछले घरेलू सत्र में दिल्ली की रणजी टीम को कोचिंग दी थी. वह भारत ए और भारत अंडर-19 टीम के क्षेत्ररक्षण कोच की भूमिका भी निभा चुके हैं. इंग्लैंड के जॉन लुईस यूपी वारियर्स के मुख्य कोच हैं. डब्ल्यूपीएल के एक सूत्र ने कहा कि अभय यूपी वारियर्स के ट्रेनिंग शिविर से जुड़ गए हैं. अभय 54 साल के हैं और उन्होंने 1988 से 2003 के बीच 89 प्रथम श्रेणी मैच खेले. यूपी वारियर्स की टीम बेंगलुरू में ट्रेनिंग कर रही है.

पीसीबी ने हारिस राउफ का केंद्रीय अनुबंध किया रद्द

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने हाल में ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला से हटने पर तेज गेंदबाज हारिस राउफ के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए गुरुवार को उनका केंद्रीय अनुबंध रद्द कर दिया. पीसीबी ने साथ ही घोषणा की कि हारिस को 20 जून 2024 तक किसी भी विदेशी लीग में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी नहीं किया जाएगा. पीसीबी ने बयान में कहा कि ऑस्ट्रेलिया के 2023-24 दौरे के लिए पाकिस्तान की टेस्ट टीम के साथ जुड़ने से इनकार करने के मामले की जांच के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने हारिस राउफ को सजा सुनाई है. बयान के अनुसार, पीसीबी समिति द्वारा विस्तृत सुनवाई प्रक्रिया के बाद हारिस के केंद्रीय अनुबंध को एक दिसंबर 2023 से रद्द किया जाता है.

बीएटीसी में भारतीय पुरुष टीम चीन से 2-3 से हारी

शाह आलम (मलेशिया)। भारतीय पुरुष टीम को सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार युगल जोड़ी की काफी कमी खली जिससे उसे गुरुवार को यहां बैडमिंटन एशिया टीम चैम्पियनशिप (बीएटीसी) के ग्रुप मैच में चीन से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा. स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी एच एस प्रणय और लक्ष्य सेन ने अपने एकल मुकाबले जीते लेकिन चीन ने वापसी करते हुए दोनों युगल मुकाबले जीतकर स्कोर 2-2 कर दिया. और अंतिम मैच में राष्ट्रीय चैम्पियन चिराग सेन को वांग झेंग जिंग से 15-21 16-21 से हार मिली जिससे भारत मुकाबला गंवा बैठा. पहले ही नॉकआउट चरण में जगह बना चुकी भारतीय टीम ग्रुप में दूसरे स्थान पर रही.

गोल्फर राहिल ने दो शॉट की बढ़त बनायी

कोलकाता। बेंगलुरु के गोल्फर राहिल गंगजी ने गुरुवार को यहां एक करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि की टाटा स्टील पीजीटीआई प्लेयर्स चैम्पियनशिप के तीसरे दौर में छह अंडर 64 का कार्ड खेलकर दो शॉट की बढ़त हासिल की. गंगजी (65-65-64) ने लगातार दूसरे दिन बोगी मुक्त राउंड खेला जिससे वह अपने बीती रात के संयुक्त दूसरे स्थान से शीर्ष पर पहुंच गये. उनका कुल स्कोर 16 अंडर 194 था. मनु गंडास (65-67-64), अर्जुन प्रसाद (62-65-69) और सप्तक तलवार (66-65-65) 14 अंडर 196 के कुल स्कोर से संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर चल रहे हैं.

दोहा में 19 फरवरी से शुरू होने वाले टूर्नामेंट में भाग लेना था, लेकिन नडाल ने नाम वापस ले लिया

दुर्भाग्य से मैं प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार नहीं हूं: नडाल

- 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता रहे हैं स्पेन के राफेल नडाल
- थॉम्पसन के खिलाफ मुकाबले के दौरान चोटिल हो गए थे नडाल

चोट लगने के एक साल बाद राफेल नडाल ने जनवरी में ब्रिस्बेन इंटरनेशनल से वापसी की थी

भाषा। नयी दिल्ली

पूर्व विश्व नंबर 1 टेनिस स्टार राफेल नडाल ने आगामी कतर ओपन से हटने का फैसला किया है. इसके साथ ही उन्होंने चोट के बाद अपने ब्रेक को और बढ़ा दिया है. दरअसल, 22 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता नडाल को दोहा में 19 फरवरी से शुरू होने वाले टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करनी थी. लेकिन, 37 वर्षीय नडाल ने कहा कि वह दोहा में नहीं खेल पाएंगे. अब वह वो लास वेगास में और महीने के अंत में इंडियन वेल्स में कार्लोस अल्काराज के खिलाफ फ्रेंडली मैच पर फोकस कर रहे हैं.

> *स्पैनियार्ड ने एक्स पर लिखा कि मैं दोहा में खेलना पसंद करता, जहां टूर्नामेंट टीम के साथ-साथ अद्भुत कतर प्रशंसकों ने हमेशा मेरा बहुत समर्थन किया है. दुर्भाग्य से मैं प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार नहीं हूं और मैं दोहा नहीं आ पाऊंगा. अब मैं लास वेगास में प्रदर्शनी और इंडियन वेल्स टूर्नामेंट के लिए तैयार रहने के लिए काम करते रहने पर ध्यान केंद्रित करूंगा.*

बता दें कि चोट के कारण लगभग एक साल तक बाहर रहने के बाद नडाल ने अपनी लंबे समय से प्रतीक्षित वापसी जनवरी में ब्रिस्बेन इंटरनेशनल से की. वह क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए थे, लेकिन जॉर्डन थॉम्पसन के खिलाफ मुकाबले के दौरान वह चोटिल हो गए. चोट के कारण ही नडाल को ग्रैंड स्लैम शुरू होने से एक सप्ताह पहले ऑस्ट्रेलियन ओपन से हटना पड़ा था. दूसरी तरफ पूर्व विश्व नंबर 1 इगा स्वीयाटेक ने राउंड 16 में नंबर 14 वरीयता प्राप्त एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा को 6-1, 6-4 से हराकर कतर ओपन में अपनी प्रभावशाली जीत का सिलसिला आगे बढ़ाया और लगातार तीसरी बार इस टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई. दो बार के डिफेंडिंग चैंपियन स्वीयाटेक ने 1 घंटे और 31 मिनट की जीत के साथ अलेक्जेंड्रोवा को हराकर टूर्नामेंट में अब लगातार 10 मैच जीते हैं. पोल अब क्वार्टर फाइनल में दो बार की दोहा चैंपियन विक्टोरिया अजारेंका से खेलेंगी. पूर्व विश्व नंबर 1 अजारेंका ने रात के मैच में नंबर 8 वरीयता प्राप्त जेलेना ओस्टापेंको को 6-0, 6-3 से हराया, जो इस साल ओस्टापेंको पर उनकी तीसरी जीत है. वर्ल्ड नंबर-19 अलेक्जेंड्रोवा को हराकर, स्वीयाटेक ने शीर्ष 20 विरोधियों के खिलाफ अपने पिछले 11 मैच जीते हैं, और इस साल अब तक उस समूह के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 4-0 पहुंचा दिया है. डब्ल्यूटीए के अनुसार, स्वीयाटेक की शीर्ष 20 के किसी साथी सदस्य से आखिरी हार पिछले सितंबर में टोक्यो क्वार्टर फाइनल में वेरोनिका कुडरमेतोवा से हुई थी. इससे पहले बुधवार को, पूर्व विश्व नंबर 1 नाओमी ओसाका क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं, जब राउंड 16 की उनकी प्रतिद्वंदी, विश्व नंबर 37 लेसिया सुरेंको कोहनी की चोट के कारण मैच से हट गईं. ओसाका, जो 2022 के अंत और पूरे 2023 तक मातृत्व अवकाश पर थी, 2022 के मार्च में मियामी ओपन फाइनल में पहुंचने के बाद से अपने पहले डब्ल्यूटीए टूर क्वार्टर फाइनल में हैं. क्वार्टर फाइनल में, दो बार की डब्ल्यूटीए 1000 टाइटलिस्ट ओसाका का सामना एक अन्य पूर्व विश्व नंबर 1, कैरोलिना प्लिस्कोवा से होगा, जिन्होंने अपनी साथी चेक लिंडा नोस्कोवा को तीन सेटों में 3-6, 7-5, 6-1 से हराया.

भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ 5 विकेट पर 326 रन बनाए

जडेजा और रोहित के शतक से भारत मजबूत

राजकोट के मैदान पर जडेजा ने लगाया लगातार दूसरा शतक

- सरफराज खान ने 66 बॉल में खेली 62 रनों की शानदार पारी
- इंग्लैंड की तरफ से मार्क वुड ने 3 और टॉम ने 1 विकेट झटके

शुभम संदेश न्यूज नेटवर्क

भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला गुरुवार को राजकोट में शुरू हुआ. टॉस जीतकर रोहित शर्मा ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया. रोहित का यह फैसला एक समय गलत होता नजर आ रहा था, जब 33 रन पर टीम ने तीन विकेट गंवा दिये. मगर रोहित शर्मा और जडेजा की जोड़ी ने पारी को पहले संभाला और फिर संवारने का काम किया. दोनों के बीच 204 रनों की साझेदारी हुई, जिससे टीम इंडिया एक मजबूत स्कोर की तरफ बढ़ती नजर आ रही है. पहले दिन का खेल खत्म होने तक भारत ने 5 विकेट के नुकसान पर 326 रन बना लिये हैं. भारत की तरफ से यशस्वी जायसवाल ने 10, रोहित शर्मा ने 131, शुभमन गिल 0, रजत पाटीदार ने 5 रन बनाये. वहीं जडेजा नाबाद 110, सरफराज खान 62 रन और कुलदीप यादव नाबाद 1 रन बनाये.

इंग्लैंड की तरफ से मार्क वुड ने 3 और टॉम विलियम हार्टले ने 1 विकेट झटके. खेल के शुरुआत से भरतीय टीम को झटके लगने शुरू हो गये. एक तरफ से विकेट गिरते गये, दूसरी तरफ रोहित शर्मा पिच पर डटे रहे. आखिर में रोहित के बल्ले से 218 दिनों के बाद टेस्ट शतक निकला. इस सीरीज में रोहित की पहली यह बड़ी पारी है. रोहित और जडेजा की इस पारी ने टीम इंडिया को संकट से उबारा. दोनों ने शतक जड़े. कप्तान रोहित शर्मा ने 196 बॉल में 131 रनों की पारी खेली, जिसमें 14 चौके और 3 छक्के लगाये. वहीं जडेजा ने 212 बॉल में 110 रनों की नाबाद पारी खेली, जिसमें 9 चौके और दो छक्के शामिल हैं.

रोहित ने तोड़ा धौनी का रिकॉर्ड

कप्तान रोहित शर्मा ने अपनी इस 131 रनों की पारी में टेस्ट में छक्का मारने के मामले में वीरेंद्र सहवाग के साथ दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं. सबसे ज्यादा छक्का मारने का रिकॉर्ड वीरेंद्र सहवाग के नाम है. सहवाग ने 90 छक्का लगाये हैं. रोहित 80 छक्का लगाकर दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं. रोहित ने महेंद्र सिंह धौनी को भी छक्के मारने के मामले में पीछे छोड़ दिया. महेंद्र सिंह धौनी ने टेस्ट मैचों में कुल 78 छक्के जड़े थे. सचिन तेंदुलकर के नाम 69 छक्का, रवींद्र जडेजा के नाम 61 छक्का और कपिलदेव के नाम 61 छक्का है. वहीं भारत की तरफ से इंग्लैंड के खिलाफ सर्वाधिक शतक लगाने का रिकॉर्ड सुनील गावस्कर के नाम है. गावस्कर 4 शतक लगा चुके हैं. वहीं उनके बाद विजय मर्चेंट-3, मुरली विजय-3, केएल राहुल-3 और रोहित शर्मा ने संयुक्त रूप से 3 शतक जड़े.

जडेजा ने दो बार की तलवारबाजी

रवींद्र जडेजा ने भारत की पारी को पहले तो संभाला, फिर संवारा. जडेजा ने रोहित के साथ मिलकर पहले अपना अर्धशतक पूरा किया. इस दौरान जडेजा ने अपने अंदाज में तलवारबाजी कर जश्न मनाया. इसके बाद जडेजा ने सरफराज खान के साथ अपनी पारी को आगे बढ़ाया. सरफराज ने 66 बॉल में 62 रनों की पारी खेली. वह मार्क वुड के डायरेक्ट थ्रो पर रनआउट हो गये. सरफराज के आउट होने के बाद कुलदीप यादव के साथ जडेजा ने अपनी पारी को आगे बढ़ाया और अपने 99 के स्कोर को 100 कर फिर एक बाद तलवारबाजी कर अनोखे अंदाज में अपनी शतक का जश्न मनाया. जडेजा 110 रन पर नाबाद रहे. राजकोट के मैदान पर जडेजा का यह लगातार दूसरा शतक है. वहीं डेब्यू टेस्ट मैच खेल रहे सरफराज खान ने भी तेज पचासा ठोका. सरफराज खान 66 गेंद पर 62 रन बनाकर रनआउट होकर पवेलियन लौटे, लेकिन इससे पहले सरफराज ने 100 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से पचासा ठोका. 26 साल के सरफराज ने डोमेस्टिक क्रिकेट में पिछले चार-पांच सालों में धमाकेदार प्रदर्शन किया है और इसका ईनाम उनको अब जाकर मिला है. सरफराज को कड़ी मेहनत और लंबे इंतजार के बाद भारतीय टेस्ट टीम में जगह मिली है. सरफराज जब मैदान पर उतरे तो स्टेडियम में उनके पिता और पत्नी मौजूद थे. उनके पहले रन पर ही पिता और पत्नी ने खड़े होकर ताली बजाई. इसके बाद सरफराज का पचासा होते ही उनके पिता का रिएक्शन देखने लायक था.

आईपीसी ने तदर्थ समिति गठित करने का सुझाव किया खारिज

पैरा खेल

- खेल मंत्रालय ने पैरा खेलों की संस्था को निलंबित किया था
- आईपीसी की चीफ मेंबरशिप अधिकारी हैं क्रिस्टिना

एजेंसी। नयी दिल्ली

पैरा खेलों की विश्व संचालन संस्था (आईपीसी) ने खेल मंत्रालय का भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) का कामकाज देखने के लिए तदर्थ पैनल गठित करने का सुझाव खारिज कर दिया. खेल मंत्रालय ने चुनाव समय पर नहीं कराने के लिए पैरा खेलों की राष्ट्रीय संस्था (पीसीआई) को निलंबित कर दिया था. खेल मंत्रालय ने दो फरवरी को पीसीआई को निलंबित करने के बाद पीसीआई का कामकाज को देखने तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) को अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (आईपीसी) के साथ मिलकर एक तदर्थ समिति गठित करने का निर्देश दिया था.

लेकिन आईपीसी ने स्पष्ट रूप से खेल मंत्रालय को कहा कि पीसीआई में संचालन की मौजूदा स्थिति में आईपीसी के हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है. दीपा मेहता की अध्यक्षता वाले पीसीआई ने दावा किया था कि छह से 15 मार्च तक भारत में होने वाले पैरा निशानेबाजी विश्व कप को ध्यान में रखते हुए चुनावों को स्थगित किया गया था. आईपीसी ने खेल मंत्रालय द्वारा भेजे गये एक पत्र के जवाब में कहा कि जैसा कि आपने सुझाव दिया, हम भारतीय खेल प्राधिकरण के साथ तदर्थ समिति गठित करने की स्थिति में नहीं हैं. आईपीसी की 'चीफ मेंबरशिप एंड इम्पैक्ट' अधिकारी क्रिस्टिना मोलोय द्वारा 12 फरवरी को लिखे गये पत्र में कहा कि हम अपने सदस्यों से उम्मीद करते हैं कि वे 'पैरालंपिक मूवमेंट' के अंतर्गत अपने मामले स्वायत्त तरीके से और बाहर से बिना किसी हस्तक्षेप के चलाये जो आईपीसी संविधान के प्रावधानों के अनुसार हो.

रणजी खेलने के लिए बंगाल की टीम से जुड़े मुकेश कुमार

राजकोट। भारत के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट क्रिकेट मैच से पहले टीम से 'रिलीज' कर दिया गया ताकि वह शुक्रवार से बिहार के खिलाफ होने वाले रणजी ट्रॉफी मैच के लिए बंगाल की टीम से जुड़ सकें. यह तेज गेंदबाज इंग्लैंड के खिलाफ विशाखापत्तनम में दूसरे टेस्ट मैच में खेला था. यह 23 फरवरी से रांची में शुरू होने वाले चौथे टेस्ट मैच से पहले भारतीय टीम से जुड़ जाएंगे. भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने बयान में कहा कि मुकेश कुमार को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच की भारतीय टीम से 'रिलीज' कर दिया गया है. वह रणजी ट्रॉफी में अगला मैच खेलने के लिए अपनी टीम बंगाल से जुड़ेंगे. इसके बाद वह रांची में भारतीय टीम से जुड़ जाएंगे. मुकेश को दूसरे टेस्ट मैच में मोहम्मद सिराज की जगह अंतिम एकादश में शामिल किया गया था. वह हालांकि अपने प्रदर्शन से प्रभावित नहीं कर पाए थे. बंगाल और बिहार के बीच रणजी मैच इडन गार्डन्स में खेला जाएगा.

बजरंग पूनिया ने की डब्ल्यूएफआई को फिर से निलंबित करने की अपील

एजेंसी। नयी दिल्ली

बोले बजरंग

- कुश्ती की वैश्विक संचालन संस्था यूडब्ल्यूडब्ल्यू
- यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने भारत पर लगा अस्थाई प्रतिबंध हटा दिया है

ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया ने गुरुवार को कुश्ती की वैश्विक संचालन संस्था यूनाइटेड वर्ल्ड रैसलिंग (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) से भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को फिर से निलंबित करने की अपील करते हुए कहा कि संजय सिंह की अगुआई वाली संस्था को बहाल करने से पहलवान 'खतरे और उत्पीड़न' के दायरे में आ गए हैं.

यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने मंगलवार को भारत पर लगा अस्थायी प्रतिबंध हटा दिया लेकिन राष्ट्रीय महासंघ को निर्देश दिया कि वह लिखित गारंटी दे कि विरोध कर रहे पहलवानों बजरंग, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट के खिलाफ कोई भेदभावपूर्ण कार्रवाई नहीं की जाएगी.

बजरंग ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर अपने हैंडल में साझा किए पत्र में लिखा, इस फैसले से भारतीय पहलवान एक बार फिर डब्ल्यूएफआई सदस्यों से खतरे और उत्पीड़न के दायरे में आ गए हैं. समय पर चुनाव नहीं कराने के लिए यूडब्ल्यूडब्ल्यू ने पिछले साल 23 अगस्त को डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया था. कई अड़चनों के बाद अंततः डब्ल्यूएफआई के चुनाव हुए और संजय सिंह को अध्यक्ष चुना गया. बजरंग ने कहा कि हम पहलवान आपसे अनुरोध करते हैं कि कृपया विभिन्न माध्यमों से अनुचित कार्यों और उत्पीड़न के खिलाफ भारतीय खिलाड़ियों का समर्थन करें. भारतीय पहलवान न्याय और निष्पक्ष एवं सुरक्षित खेल के अपने अधिकारों के लिए आपकी ओर देख रहे हैं.

क्रिकेट का ककहरा सिखा रहे हैं गुरु ग्रेग

केपटाउन। (भाषा)

स्थित खयेलित्शा दुनिया की पांच सबसे बड़ी झुग्गी बस्तियों में शामिल है जिसे ड्रग्स के कारण सबसे असुरक्षित इलाकों में माना जाता है. कर्स्टन का कैच ट्रस्ट फाउंडेशन (पूर्व नाम गैरी कर्स्टन फाउंडेशन) यहां पांच स्कूलों में पांच से 19 वर्ष की उम्र के एक हजार से ऊपर बच्चों

बाईस गज की पिच, एक गेंद बल्ला और विश्व कप विजेता कोच का मार्गदर्शन. दुनिया की सबसे बड़ी झुग्गियों में शामिल खयेलित्शा के बच्चे गैंगवार, गरीबी और ड्रग्स की लत से बचने के लिए क्रिकेट का ककहरा सीख रहे हैं और उन्हें सिखाने वाले कोई और नहीं भारत को 2011 विश्व कप जिताने वाले कोच गैरी कर्स्टन हैं.

अश्वेत बच्चों को बराबरी का दर्जा दिलाने और खेलों में समान मौके मुहैया कराने की यह अनूठी मुहिम 'गुरु ग्रेग' की ही है जिन्होंने वंचित तबके के कई बच्चों की जिंदगी बदल दी. दक्षिण अफ्रीका के केपटाउन से करीब 30 किलोमीटर दक्षिण पूर्व में को क्रिकेट का प्रशिक्षण दे चुका है. पंद्रह बरस के लुखोलो मालोंग ने कहा कि मैं विराट कोहली को प्रेरणा मानता हूं जो मुझे कभी हार नहीं मानने के लिये प्रेरित करते हैं. मैं एक दिन दक्षिण अफ्रीका के लिये खेलना चाहता हूं. उन्होंने कहा कि मैं कोहली से कभी हार नहीं मानने का जज्बा, कड़ी मेहनत और कुछ कर दिखाने का जुनून सीखता हूं. मैंने उन्हें केपटाउन में मैदान पर देखा है लेकिन एक दिन उनसे मिलना चाहूंगा.

दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद के दौरान अश्वेतों को शहर से बाहर करने की कवायद में 1983 में खयेलित्शा बसाया गया. इसमें 25 लाख से अधिक लोग रहते हैं और 99.5 प्रतिशत अश्वेत हैं जिनका जीवन संघर्ष से भरा है. ऐसे में नशे और अपराध का बुरा साया बचपन में ही बच्चों पर पड़ जाता है. कर्स्टन ने कहा कि मैं जब भारत से यहां आया तो केपटाउन में सबसे गरीब इस इलाके का दौरा करने पर देखा कि यहां क्रिकेट क्या कोई खेल नहीं हो रहा है. मुझे बहुत बुरा लगा.

बीसीसीआई

कई खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी में नहीं खेलना चाहते, लेकिन आईपीएल की तैयारियों में जुटे हुए हैं

बीसीसीआई अब किसी के नखरे सहने वाली नहीं है : जय शाह

भाषा। नयी दिल्ली

राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम का नाम निरंजन शाह के नाम पर रखा गया

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड यानी बीसीसीआई रणजी ट्रॉफी में खिलाड़ियों के खेलने को लेकर सख्त है. बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने सभी केंद्रीय अनुबंधित भारतीय खिलाड़ियों को कड़ी चेतावनी दी. उन्होंने कहा है कि आगे से घरेलू रेड बॉल क्रिकेट में भाग लेना इन खिलाड़ियों के लिए अनिवार्य होगा. भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरे टेस्ट से पहले राजकोट में एक कार्यक्रम में बीसीसीआई सचिव जय शाह ने अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के घरेलू मैचों में भाग ना लेने के मुद्दे पर बात की. कहा कि बीसीसीआई किसी के नखरे नहीं सहने वाली है. बता दें कि ईशान किशन ने पिछले साल दिसंबर में दक्षिण अफ्रीका दौरे से पहले 'मानसिक थकान' का हवाला देते हुए ब्रेक मांगा था और अभी तक खुद को चयन के लिए उपलब्ध नहीं कराया है. इस बीच उन्हें निजी तौर पर संभवतः आगामी आईपीएल सीजन की तैयारी के लिए पांड्या बंधुओं (हार्दिक पांड्या और क्रुणाल) के साथ छुट्टियां मनाते और ट्रेनिंग लेते देखा गया था. हालांकि, जय शाह ने सीधे तौर पर उनका नाम लेने से परहेज किया.

जय शाह ने राजकोट के सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम का नाम निरंजन शाह एसोसिएशन क्रिकेट स्टेडियम रखे जाने के बाद कहा कि उन्हें फोन पर पहले ही सूचित कर दिया गया है और मैं पत्र भी लिखने जा रहा हूं कि यदि आपके मुख्य चयनकर्ता, आपके कोच और आपके कप्तान इसके लिए कह रहे हैं तो आपको रेड बॉल क्रिकेट खेलना होगा. भारत इंग्लैंड के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज के दौरान कई खिलाड़ियों की चोटों और कुछ के उपलब्ध नहीं होने की वजह से प्रभावित हुआ है. इस तरह की खबरें सामने आई हैं कि खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी में नहीं खेलना चाहते हैं और वे आईपीएल की तैयारियों में जुटे हैं. यहां तक कि उनके पास अन्य कोई कमिटमेंट नहीं है. जय शाह ने उल्लेख किया कि बीसीसीआई सभी केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों, विशेषकर युवाओं से राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के दिशानिर्देशों के अनुसार घरेलू क्रिकेट खेलने की उम्मीद करेगा.

डेविस कप में स्वीडन को हरा सकता है भारत : रामकुमार

एजेंसी। बेंगलुरू

रामकुमार रामनाथन ने कहा है कि अगर स्वीडन सितंबर में होने वाले डेविस कप टेनिस मुकाबले को क्ले कोर्ट पर खेलने का फैसला करता है तो भारतीय टीम मेजबान टीम की चुनौती से निपटने में सक्षम है. भारतीय टीम स्वीडन जाएगी तो उसकी नजरें इस यूरोपीय टीम के खिलाफ पहली जीत दर्ज करने पर टिकी होंगी. अब तक दोनों टीम के बीच पांच मुकाबले खेले गए हैं. रामकुमार ने कहा कि स्वीडन के खिलाड़ियों की खेलने की शैली से परिचित होने का भी टीम को फायदा मिलेगा. हाल में इस्लामाबाद में हुए प्ले ऑफ में भारत ने पाकिस्तान को 4-0 से हराकर विश्व ग्रुप में लिए क्वालीफाई किया. यहां कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस संघ (केएसएलटीए) द्वारा डेविस कप खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए आयोजित समारोह में रामकुमार ने कहा कि मुझे यकीन है कि वे क्ले कोर्ट पर खेलेंगे लेकिन हम कुछ अविश्वसनीय टेनिस खेल रहे हैं और फिर हमारे पास सुमित नागल हैं, मुझे लगता है कि वह उन्हें परेशान कर सकते हैं. मुझे यकीन है कि वह काफी फिट हैं. उन्होंने कहा कि कोर्ट पर रैंकिंग मायने नहीं रखती क्योंकि यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम उस दिन कितना अच्छा खेलते हैं.

ब्रीफ खबरें

पूर्णिया में तीन बीघा जमीन के लिए हत्या

पूर्णिया। पूर्णिया जिले में तीन बीघा जमीन के लिए एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई. घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है. मिली जानकारी के अनुसार, पूर्णिया जिले के भवानीपुर थाना क्षेत्र के कुशहामिली गांव में घर के मचान पर सोए हुए व्यक्ति की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई. बताया जा रहा कि हत्या जमीन को लेकर चल रहे विवाद के कारण किया गया है. मृतक की पहचान चतुरी मंडल के रूप में हुई है. मृतक के बेटे ने बताया कि गांव के दबंग लोग उसकी जमीन को कब्जा किए हुए थे.

ट्रक बिजली पोल से टकराया, एक की मौत

सहरसा/मधेपुरा। मधेपुरा जिले के ग्वालपाड़ा प्रखंड के अरार ओपी क्षेत्र के रेशना बाजार में बुधवार की देर रात एक ट्रक में आग लगने से उस पर सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई. स्थानीय लोगों ने बताया कि बुधवार देर रात मधेपुरा की तरफ से आ रही एक कोयला लदा ट्रक रेशना चौक पर 4-5 दुकान को तोड़ते हुए बिजली पोल से जा टकराई. जिसके बाद ट्रक में आग लग गई. बुधवार रात होने के कारण आसपास कोई भी लोग मौजूद नहीं थे. कुछ देर बाद आग की लपटें उठती हुई दिखाई दी तब तक ट्रक के इंजन वाला भाग और ट्रक सवार एक व्यक्ति पूरी तरह से जल चुका था.

नालंदा में सड़क किनारे मिला अधेड़ का शव

नालंदा। नालंदा में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है. सड़क किनारे शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई. मामला रहुई थाना क्षेत्र के डीहरा धमासंग गांव के बीच बिहटा सरमेरा मुख्यमार्ग का है. सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गयी. रहुई थाना की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सदर अस्पताल बिहारशरीफ भेज दिया. पोस्टमार्टम हाउस मॉर्चरी में रखकर पुलिस पहचान कराने में जुट चुकी है. पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया शव देखने से प्रतीत होता है कि कहीं से हत्या कर व्यक्ति के शव को यहां लाकर ठिकाना लगा दिया गया है.

बिहार विधानसभा को नए अध्यक्ष मिले

भाजपा नेता नंद किशोर यादव निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित हुए

संवाददाता। पटना

भाजपा के वरिष्ठ नेता नंद किशोर यादव बृहस्पतिवार को निर्विरोध बिहार विधानसभा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव नए अध्यक्ष को आसन तक ले गए. कुमार ने नंद किशोर यादव को बधाई देते हुए कहा, आप (अध्यक्ष) एक अनुभवी नेता हैं. मैं आपको निर्वाचित होने पर बधाई देता हूं. सभी विधायकों ने आपको समर्थन दिया है. मुझे यकीन है कि आप सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को सुनेंगे. तेजस्वी ने उम्मीद जताई कि नए अध्यक्ष विपक्ष की बात भी सुनेंगे. उन्होंने कहा, आप बहुत वरिष्ठ नेता हैं और मुझे यकीन है कि आप निष्पक्ष रहकर विपक्ष की बात भी सुनेंगे. उपमुख्यमंत्रियों सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने भी नंद किशोर यादव को बधाई दी. चौधरी ने कहा, आप हमारे वरिष्ठ नेता हैं और गुरु गोविंद सिंह जी की भूमि से संबंध रखते हैं. इसके लिए हम सभी अपने केंद्रीय नेतृत्व के आभारी हैं. पटना साहिब विधानसभा क्षेत्र से सात बार विधायक रहे

नंदकिशोर यादव ने अपने पूर्ववर्ती राजद के अवध बिहारी चौधरी के अध्यक्ष पद से हटने के बाद नामांकन दाखिल किया था.

चौधरी को मंगलवार को अविश्वास प्रस्ताव के बाद पद छोड़ना पड़ा था. चौधरी के पद से हटने के बाद उपाध्यक्ष और जदयू के नेता महेश्वर हजारी सदन की कार्यवाही का संचालन कर रहे थे. पटना साहिब निर्वाचन क्षेत्र का नाम उस स्थान पर स्थित सिख गुरुद्वारा के नाम पर रखा गया है जहां 10वें गुरु का जन्म हुआ था. नंद किशोर यादव ने अपने राजनीतिक सफर की शुरूआत 1978 में 1982 में पटना नगर निगम के पार्षद के तौर पर की और बाद में पटना के उप महापौर बने.

मुख्यमंत्री नीतीश ने 2,133 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपा

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को बिहार सचिवालय सेवा अंतर्गत 1,333 सहायक प्रशाखा पदाधिकारियों तथा विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग अंतर्गत 228 सहायक प्राध्यापकों एवं 572 व्याख्याताओं सहित कुल 2,133 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया. मुख्यमंत्री ने सांकेतिक रूप से सहायक प्रशाखा पदाधिकारी मनीष कुमार, दीपिका कुमारी, जितेंद्र कुमार मंडल, सरिता कुमारी, सुशील कुमार, रूपा कुमारी, नीलम कुमारी तथा व्याख्याता पीयूष कुमार पाठक, शिप्रा भदानी एवं सहायक प्राध्यापक सारिका कुशवाहा को नियुक्ति पत्र प्रदान किया. इस कार्यक्रम में 50 अभ्यर्थियों को सांकेतिक रूप से नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया. मुख्यमंत्री के अलावा उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, शिक्षा मंत्री विजय कुमार चौधरी, विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री सुमित कुमार सिंह ने भी अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया.

बिहार बोर्ड की मैट्रिक परीक्षा शुरू

17 लाख परीक्षार्थी हुए शामिल

संवाददाता। पटना

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की ओर से मैट्रिक की वार्षिक परीक्षा 2024 गुरुवार (15 फरवरी) से शुरू हो रही है. 16 लाख 94 हजार 781 परीक्षार्थी इसमें शामिल होंगे. 23 फरवरी तक चलने वाली इस परीक्षा को लेकर बोर्ड ने सभी तैयारी पूरी कर ली है.

वहीं सेंटर के आसपास की सुरक्षा भी सख्त कर दी गयी है. बिहार बोर्ड ने इस परीक्षा के लिए 38 जिलों में 1585 केंद्र बनाये हैं. मैट्रिक परीक्षा में 16,94,781 परीक्षार्थी शामिल होंगे. इसमें सबसे अधिक संख्या छात्राओं का है. इस परीक्षा में 8,22,587 छात्र एवं 8,72,194 छात्राएं परीक्षा में शामिल होंगी. लड़कों की तुलना में इस बार 49,609 लड़कियां अधिक है.

आनंद किशोर ने बताया कि प्रथम पाली के परीक्षार्थियों को परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट पहले सेंटर पर प्रवेश कर लेना होगा.

मैट्रिक परीक्षार्थी को बस ने रौंदा, मचा हंगामा

बेतिया। बेतिया में मैट्रिक की परीक्षा देने जा रहे एक छात्र को बस ने रौंद दिया. हादसा इतना भीषण था कि छात्र की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. घटना जिले के शनिचरी थाना क्षेत्र के मिश्रौली चौक के समीप की है. हादसे के बाद एनएच 127 पर लोगों की भीड़ लग गई. घटना से आक्रोशित लोग हंगामा करने लगे. गुस्साए लोग बस पर पथराव करने लगे. इस कारण बस का शीशा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया. लोगों की भीड़ के इस कारण आवागमन बाधित हो गया. इधर, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच और लोगों को समझा-बुझाकर शांत करवाया. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज रही है. पुलिस के अनुसार, 16 साल का लड़का मैट्रिक परीक्षा देने जा रहा था, इसी दौरान वह बस की चपेट में आ गया.

पटना में गैस टैंकर से 400 कार्टन शराब बरामद

पटना। पटना में जहां एक गैस टैंकर से पुलिस ने लाखों का विदेशी शराब बरामद किया है. मिली जानकारी के अनुसार, मद्य निषेध विभाग की स्पेशल यूनिट ने गुप्त सूचना के आधार पर लाखों रुपए का अंग्रेजी शराब बरामद किया है. बताया जा रहा है कि खेप को पंजाब से पटना लाया जा रहा था. वहीं, जांच के दौरान पता चला कि गैस टैंकर का रजिस्ट्रेशन नागालैंड का है. दरअसल, पटना से सटे पालीगंज थाना क्षेत्र में एक गैस टैंकर में शराब की बड़ी खेप को दूसरे राज्य से चोरी छिपे बिहार में खपाने के लिए लाया जा रहा था.

नियोजित शिक्षकों पर शिक्षा विभाग का बड़ा फैसला

अब 5 बार होगी सक्षमता परीक्षा

संवाददाता। पटना

बिहार में नियोजित शिक्षकों की सक्षमता परीक्षा को लेकर शिक्षा विभाग ने बड़ा फैसला लिया है. शिक्षा मंत्री विजय चौधरी ने जानकारी देते हुए कहा है कि सीएम नीतीश की सहमति के बाद नियोजित शिक्षकों की सक्षमता परीक्षा अब 5 बार होगी. इसके लिए तीन बार ऑनलाइन परीक्षा ली जाएगी और फिर 2 बार ऑफ लाइन एग्जाम का प्रावधान होगा. गौरतलब है कि नियोजित शिक्षक लंबे समय से लिखित परीक्षा की मांग कर रहे थे. बता दें कि पिछले दिनों पटना में नियोजित शिक्षकों ने धरना दिया था. जिसके बाद डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के आश्वासन के बाद धरना खत्म हो गया था. आश्ववासन के कुछ ही घंटों बाद शिक्षा विभाग की ओर से नया दिशा निर्देश जारी कर दिया गया. नियोजित शिक्षकों की मांग है कि बिना सक्षमता परीक्षा के ही उनको राज्यकर्मी का दर्जा दिया जाए. इससे पहले सरकार ने तीन बार में परीक्षा पास करने का टास्क दिया था.

रोहतास में डॉक्टर की हत्या कर शव को फेंका, हड़कंप

संवाददाता। रोहतास

रोहतास जिले के सासाराम मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत एक ग्रामीण चिकित्सा सह राजद नेता को बेखौफ अपराधियों ने हत्या कर शव को पहाड़ के खाई में बाइक समेत फेंक दिया. घटना सासाराम मुफस्सिल थाना क्षेत्र के अमरा तालाब के पास की बताई जा रही है. सासाराम मुफस्सिल थाना क्षेत्र के चिकित्सक केशवपाल बुधवार देर रात अपने क्लीनिक को बंद कर गाय घाट बाइक से अपने गांव जा रहे थे. इसी दौरान बेखौफ अपराधियों ने उन्हें अपने कब्जे में लेते हुए अमरा तालाब पहाड़ के खाई में हत्या कर बाइक समेत फेंक दिया. रात को घर वापस नहीं आने के बाद परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू कर दी. लेकिन सुबह में सड़क के किनारे खाई में उनका शव देखा गया. घटना की सूचना पर पहुंचे लोगों में काफी आक्रोश देखा गया. पहाड़ के खाई से शव को कब्जे में लेते हुए लोगों ने डिहरी-सासाराम पुरानी जीटी रोड को अमरा तालाब के पास जाम कर हत्यारे के गिरफ्तारी एवं एसपी को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े रहे. वहीं, मृतक के परिजनों ने हत्या की सीबीआई जांच करने की मांग कर रहे हैं.

मौके पर पहुंची पुलिस-प्रशासन की टीम लोगों को समझाने के प्रयास में जुटी रही. बताते चलें कि गुरुवार शाम न्याय यात्रा के तहत राहुल गांधी का रोहतास जिले में आगमन है.

ज्वेलरी दुकानों में 37 लाख की भीषण चोरी

पूर्वी चंपारण। जिले के हरसिद्धि बाजार स्थित रामचंद्र कॉम्पलेक्स में बुधवार की रात अज्ञात चोरों ने दो ज्वेलरी की दुकानों में भीषण चोरी की घटना को अंजाम दिया है. गुरुवार को मिली घटना की सूचना पर अरेराज डीएसपी रंजन कुमार, थाना अध्यक्ष नवीन कुमार ने घटनास्थल पर पहुंच कर सघन जांच की. पीड़ित दुकानदार ने बताया कि अज्ञात चोरों ने सट्टर का ताला तोड़कर तिजोरी में रखें 6 किलो चांदी, 400 ग्राम सोना की चोरी कर ली है जिसकी कीमत लगभग 28 लाख रुपये बताया जाता है. व्यवसायी ने बताया कि उनकी दुकान से 4 किलो चांदी और 100 ग्राम सोना की चोरी हुई है, जिसकी कीमत लगभग 8 लाख 50 हजार है.

आशा कार्यकर्ता अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतरीं

सरकार को भूख हड़ताल की दी धमकी

संवाददाता। पटना

बिहार में आशा कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन जारी है. ये कई वर्षों से अपनी मांग को लेकर लगातार धरना दे रही हैं. उसी कड़ी में गुरुवार को पटना में आशा कार्यकर्ताओं ने जमकर प्रदर्शन किया. वहीं पुलिस ने उन लोगों को अदालतगंज में ही रोक लिया. आशा कार्यकर्ताओं का कहना था कि हम लोग डाक बंगला तक जाएंगे, लेकिन पुलिस के द्वारा उन्हें रोक दिया गया. बता दें कि राजधानी में एक बार फिर आशा और ममता कार्यकर्ताओं ने अपने 25000 वेतनवृद्धि एवं 14 सूत्री मांगों को लेकर भारी संख्या में

आशा कार्यकर्ता सड़क पर उतरी हैं. दरअसल आशा फैसिलिटेटर, स्वास्थ्य, वैक्सिन, कुरियर जैसे कार्य 1000 के वेतनमान पर काम करने और सरकार द्वारा छले जाने का आरोप लगाया है. इस आरोप के बाद उन्होंने पटना की कोतवाली थाना क्षेत्र में बजट सत्र के दौरान प्रदर्शन कर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते नजर आई हैं. वहीं, प्रदर्शन में शामिल आशा और ममता कार्यकर्ताओं ने आगामी चुनाव में अपनी मांगे पूरी नहीं किए जाने पर वोट का बहिष्कार करने की बात कही है.

मुख्यमंत्री के सचिव से मिलवाने की तैयारी

फिलहाल प्रदर्शनकारियों में शामिल आशा कार्यकर्ता कोतवाली थाना क्षेत्र के अदालत गंज रोड के समीप सड़क पर बैठकर प्रदर्शन कर रही हैं. साथ ही पुलिस प्रदर्शनकारियों को समझने के प्रयास में जुटी है. वहीं, पहुंचे दंडाधिकारी के द्वारा पांच सदस्य टीम को ले जाकर मुख्यमंत्री के सचिव से मिलवाने की बात कही गई है. आशा कार्यकर्ताओं का कहना है कि अगर हमलोग की मांग पूरी नहीं होती है तो भूख हड़ताल पर जाएंगे, आशा कार्यकर्ताओं का आरोप है कि हम लोगों को सरकार सिर्फ आश्वासन दे रही है.

कारोबार

रुपया 2 पैसे की गिरावट 83.04 प्रति डॉलर पर

मुंबई। अमेरिकी मुद्रा में मजबूती और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के कारण बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया दो पैसे की गिरावट के साथ 83.04 (अस्थायी) पर बंद हुआ. विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी कोषों की निकासी से भारतीय मुद्रा में गिरावट आई. हालांकि, सकारात्मक घरेलू बाजारों ने रुपये की गिरावट को सीमित कर दिया. अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83 प्रति डॉलर पर खुला. कारोबार के दौरान उसने 82.99 प्रति डॉलर के उच्चस्तर और 83.04 के निचले स्तर के बीच कारोबार किया.

आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल को हुआ घाटा

नयी दिल्ली। आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड (एबीएफआरएल) को चालू वित्त वर्ष की तीसरी दिसंबर में समाप्त तिमाही में 107.60 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ है. बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 11.21 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था. आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल लिमिटेड ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सचना में कहा कि अक्टूबर-दिसंबर, 2023 तिमाही में उसकी परिचालन आय 4,166.71 करोड़ रुपये रही है, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 3,588.80 करोड़ रुपये थी.

राष्ट्रीय कोयला सूचकांक में आई भारी गिरावट

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय कोयला सूचकांक (एनसीआई) में दिसंबर 2023 में 4.75 प्रतिशत की गिरावट आई. इससे पता चलता है कि बाजार में कोयले की उपलब्धता पर्याप्त है. कोयला मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को बयान में यह जानकारी दी. दिसंबर, 2022 में एनसीआई 163.19 अंक पर था. यह गिरावट बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त उपलब्धता के साथ बाजार में कोयले की मजबूत आपूर्ति को दर्शाती है. एनसीआई एक मूल्य सूचकांक है जो नीलामी तथा आयात कीमतों सहित सभी बिक्री मंचों से कोयले की कीमतों को संकलित करता है.

जापान की अर्थव्यवस्था लगातार दो तिमाहियों में सिकुड़ने के बाद मंदी की चपेट में आ गई है

मंदी की चपेट में विकसित देश

भाषा। नयी दिल्ली

विश्व में मंदी का असर दिखाई देने लगा है. जो देश मजबूत माने जाते हैं, उस पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं. इसमें जापान, जर्मनी और अमेरिका समेत कई देश हैं. इसमें जापान की अर्थव्यवस्था लगातार दो तिमाहियों में सिकुड़ने के बाद मंदी की चपेट में आ गई है. इस कारण उसकी इकोनॉमी दुनिया में तीसरे नंबर से चौथे नंबर पर पहुंच गई है. जापान इस समय कमजोर करंसी, बढ़ती उम्र और घटती आबादी से जूझ रहा है. इससे पहले 2010 में चीन की अर्थव्यवस्था बढ़ने के कारण जापान दूसरे से तीसरे नंबर पर आ गया था. जर्मनी अब दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी है.

दुनिया में पहले नंबर पर अमेरिका की इकोनॉमी है. वहीं जापान के बाद ब्रिटेन की इकॉनमी भी मंदी में फंस चुकी है. ब्रिटेन के ऑफिस ऑफ नेशनल स्टैटिस्टिक्स (ओएनएस) के मुताबिक दिसंबर तिमाही में ब्रिटेन की इकॉनमी में 0.3% गिरावट रही. इससे पहले जुलाई से सितंबर के दौरान इसमें 0.1% की गिरावट आई है. ब्रिटेन की इकॉनमी में दिसंबर तिमाही में आई गिरावट 2021 की पहली तिमाही के बाद सबसे ज्यादा है. ब्रिटेन की इकॉनमी में पिछले करीब दो साल से ठहराव की स्थिति है.

बैंक ऑफ इंग्लैंड का कहना है कि इकॉनमी के इस साल तेजी पकड़ने की उम्मीद है. ब्रिटेन के साथ-साथ जापान की इकॉनमी भी मंदी में फंस चुकी है. इसी तरह यूरोप की सबसे बड़ी इकॉनमी जर्मनी को भी संघर्ष करना पड़ रहा है. इस बीच चीन की इकॉनमी भी कई मोर्चों पर संघर्ष कर रही है जापान की इकॉनमी भी मंदी में फंस चुकी है. लगातार दो तिमाहियों में इकॉनमी में गिरावट को मंदी कहा जाता है. दिसंबर तिमाही में जापान की इकॉनमी में 0.4 फीसदी गिरावट रही. इससे पहले जुलाई से सितंबर तिमाही में देश की जीडीपी में 3.3% गिरावट आई थी.

अर्थशास्त्री उम्मीद कर रहे थे कि दिसंबर तिमाही में जापान की इकॉनमी एक फीसदी की रफ्तार से बढ़ सकती है. लेकिन ऐसा नहीं हुआ. बैंक ऑफ जापान ने स्पेंडिंग और इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा देने के लिए साल 2016 में निगेटिव इंटरेस्ट रेट शुरू किया था और तबसे इसमें बदलाव नहीं किया है. इससे दुनियाभर के निवेशकों के लिए येन आकर्षित नहीं रह गया है.

चीन से अब निवेशकों का मोह भंग होने लगा है

चीन में बेरोजगारी चरम पर है. लोग खर्च करने के बजाय बचत करने में लगे हैं. रियल एस्टेट गहरे संकट में है. विदेशी कंपनियां और निवेशक अपना बोरिया बिस्तर समेट रहे हैं और अमेरिका के साथ तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है. करीब दो दशक तक दुनिया का ग्रोथ इंजन रहे चीन से निवेशकों का मोह अब भंग होने लगा है. चीन की इकॉनमी में आने वाले वर्षों में लगातार गिरावट आने की आशंका है. माना जा रहा है कि रियल एस्टेट का संकट चीन की पूरी इकॉनमी को डुबो सकता है. चीन की जीडीपी में रियल एस्टेट की करीब 30 फीसदी हिस्सेदारी है. इस संकट का असर अब बैंकिंग सेक्टर पर भी दिखने लगा है. दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका की भी हालत ठीक नहीं है. उसका कर्ज पिछले 24 साल में छह गुना बढ़ गया है.

छाया संकट

- जापान की इकोनॉमी चौथे नंबर पर पहुंच गई है
- जर्मनी दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी
- दुनिया में पहले नंबर पर यूएस की इकोनॉमी है

जुनिपर होटल्स लिमिटेड का आईपीओ 21 फरवरी को खुलेगा

एजेंसी। नयी दिल्ली

'हयात' ब्रांड के तहत होटल श्रृंखला चलाने वाली कंपनी जुनिपर होटल्स लिमिटेड का 1,800 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 21 फरवरी को खुलेगा और 23 फरवरी को बंद होगा. कंपनी ने बृहस्पतिवार को बयान में यह जानकारी दी. आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 342-360 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है. आईपीओ के तहत 1,800 करोड़ रुपये नए शेयर जारी किए जाएंगे. इसमें कोई बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल नहीं है. वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी की परिचालन आय दोगुना से ज्यादा होकर 666.85 करोड़ रुपये रही थी, जो 2021-22 में 308.69 करोड़ रुपये थी. पिछले वित्त वर्ष में कंपनी का शुद्ध घाटा भी कम होकर 1.5 करोड़ रुपये रह गया, जो 2021-22 में 188.03 करोड़ रुपये था.

नवीकरणीय ऊर्जा में होगा निवेश

छह वित्त वर्षों में 30 लाख करोड़ रुपये की जरूरत

भाषा। नयी दिल्ली

देश को अपनी कार्बन उत्सर्जन कटौती की प्रतिबद्धताएं पूरी करने के लिए छह वित्त वर्षों में 30 लाख करोड़ रुपये के निवेश की जरूरत है. बृहस्पतिवार को एक आधिकारिक बयान में यह बात कही गई. भारत ने अपनी 50 प्रतिशत बिजली उत्पादन क्षमता को गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से हासिल करने का लक्ष्य रखा है. इसके साथ ही सरकार का लक्ष्य वर्ष 2070 तक शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जक देश बनने का है. भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (इरेडा) के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक प्रदीप कुमार दास ने विश्व बैंक के एक वेबिनार में कहा कि सौर, इलेक्ट्रोलाइजर, पवन और बैटरी, हरित हाइड्रोजन, पनबिजली, पवन और अपशिष्ट से बिजली उत्पादन क्षेत्रों के लिए क्षमता तैयार करने में निवेश की जरूरत होगी. सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इरेडा नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में कार्यरत गैर-बैंकिंग वित्तीय इकाई है.

उम्मीद कायम

गुरुवार को तिरुवनंतपुरम में मिट्टी के बर्तन बेचने वाली अट्टुकल पोंगाला से पहले ग्राहकों के आने का इंतजार करते.

सीतारमण ने एसपीएमसीआईएल के 19वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को किया संबोधित

डिजिटलीकरण के दौर में आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत

भाषा। नयी दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को सार्वजनिक क्षेत्र की भारतीय प्रतिभूति मुद्रण तथा मुद्रा निर्माण निगम लि. (एसपीएमसीआईएल) से डिजिटलीकरण के दौर में स्वयं को बदलने का रास्ता तलाशने को कहा. उन्होंने कहा कि ऐसे समय जब देश में डिजिटलीकरण बढ़ने से नोट की छपाई का कंपनी का मुख्य कार्य कम हो रहा है, उसे प्रासंगिक बने रहने के लिए आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है. सीतारमण ने एसपीएमसीआईएल के 19वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को 'ऑनलाइन' संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे समय में जब डिजिटल युग में सिक्के ढालना थोड़ा

धीमा हो गया है, निगम ने स्मारक सिक्के लाकर खुद को प्रासंगिक बनाए रखा है. इन सिक्कों को स्मृति चिन्ह के रूप में उपहार में दिया जा सकता है. उन्होंने कहा कि निगम के बनाये स्मारक टिकट और सिक्के भारत की ब्रांडिंग, सांस्कृतिक और पर्यावरण संबंधी मुद्दों को उकेरते हैं. एसपीएमसीआईएल ने सोने और चांदी के रिफाइनिंग में मानक स्थापित किए हैं. संगठन ने 2022-23 से 5,300 किलोग्राम जब्त सोने को परिष्कृत किया है. इसने 2022-23 के लिए 533.77 करोड़ रुपये का लाभांश दिया है. एसपीएमसीआईएल के मुख्य कार्यों में बैंक नोट और सिक्के, स्मारक सिक्के और पासपोर्ट तथा गैर-न्यायिक डाक टिकट जैसे सुरक्षा उत्पाद का निर्माण शामिल है.

डिजिटल मुद्रा बढ़ेगी

सीतारमण ने कहा कि एसपीएमसीआईएल ऐसे युग में काम कर रही है, जहां डिजिटल मुद्रा बढ़ेगी और मुद्रा ढालने का इसका मुख्य काम संभवत: भविष्य में नाममात्र का रह जाएगा. उन्होंने कहा, ऐसे में जब मुख्य कार्य खत्म हो रहा है और यह आपके प्रदर्शन के कारण नहीं बल्कि डिजिटलीकरण के कारण है, तो आपको यह देखना होगा और आत्मनिरीक्षण करना होगा कि आपके पास भविष्य के लिए क्या है? वित्त मंत्री ने कहा, यह आपको देखना है कि आप अपने आप को कैसे बदलते हैं. मैं इस विचार को प्रबंधकों और उन सभी लोगों के लिए छोड़ रही हूं जो इस संस्थान को चलाने से जुड़े हैं. सीतारमण ने इस मौके पर एसपीएमसीआईएल के तीन स्मारिका सिक्के भी जारी किये. इसमें एक सींग वाले गैंडे पर रंगीन सिक्का, बुद्ध को ज्ञान प्राप्ति पर दो धातुओं से बना सिक्का और अयोध्या में बने राम मंदिर पर एक रंगीन सिक्का शामिल है. मंत्री ने कहा कि एसपीएमसीआईएल का ई-पासपोर्ट जारी करने की प्रगति पर नजर रखने वाली प्रणाली जीवन को आसान बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान है.

एनर्जी, बैंकिंग स्टॉक्स में खरीदारी में उछाल

72,000 के पार बंद हुआ सेंसेक्स

भाषा। नयी दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार के लिए गुरुवार का ट्रेडिंग सेशन बेहद शानदार रहा है. एनर्जी, बैंकिंग स्टॉक्स में जोरदार खरीदारी देखने को मिली है. मिड कैप और स्मॉल कैप स्टॉक्स में भी रौनक रही. गुरुवार का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 227 अंकों के उछाल के साथ 72,050 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 71 अंकों के उछाल के साथ 21,910 अंकों पर बंद हुआ है. बीएसई सेंसेक्स फिर से 72,000 के ऊपर बंद होने में कामयाब रहा है. गुरुवार के कारोबार में एनर्जी, बैंकिंग, ऑटो, आईटी, मेटल्स, रियल एस्टेट, इंफ्रा, ऑयल एंड गैस, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स जैसे सेक्टर्स के स्टॉक में तेजी रही. जबकि केवल फार्मा, हेल्थकेयर और एफएमसीजी

शेयरों में गिरावट देखने को मिली है. मिडकैप और स्मॉल कैप में खरीदारी के चलते दोनों ही के इंडेक्स शानदार तेजी के साथ बंद हुए. सेंसेक्स के 30 शेयरों में 16 स्टॉक्स तेजी के साथ जबकि 14 गिरकर बंद हुए. निफ्टी के 50 शेयरों में 26 तेजी के साथ जबकि 24 गिरावट के साथ बंद हुए.

बाजार के मार्केट वैल्यू में उछाल : बाजार में शानदार तेजी के चलते निवेशकों की संपत्ति भी बढ़ी है. बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट वैल्यू 387.35 लाख करोड़ रुपये रहा है जो पिछले सत्र में 384.74 लाख करोड़ रुपये रहा था.

ब्रीफ खबरें

तहखाना में पूजा करने पर फैसला सुरक्षित

प्रयागराज । इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में स्थित व्यास जी के तहखाना में पूजा-अर्चना की अनुमति दिए जाने के खिलाफ दायर अपील पर सुनवाई पूरी कर बृहस्पतिवार को फैसला सुरक्षित रख लिया. न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने मुस्लिम पक्ष और हिंदू पक्ष की दलीलें सुनने के बाद अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया. अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद कमेटी ने वाराणसी की अदालत के 31 जनवरी के उस आदेश के खिलाफ यहां अपील की थी.

बस ने तीन लोगों को रौंदा, दो घायल हुए

बुलंदशहर (उप्र) । बुलंदशहर जिले के छतारी थाना क्षेत्र में एक बस की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए हैं. पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) राम करण ने बृहस्पतिवार को बताया, बुधवार शाम को क्षेत्र के छतारी इलाके के कमोना गांव में एक बस की चपेट में आने से विनोद (36), अशोक (35) और रिंकू (25) नामक व्यक्तियों की मौत हो गई. उन्होंने बताया कि यह तीनों कुछ अन्य स्थानीय लोगों के साथ सड़क किनारे खड़े थे जब बस ने उन्हें टक्कर मार दी.

हथियार लूटने के आरोप में 6 गिरफ्तार

इंफाल । मणिपुर पुलिस ने इंफाल ईस्ट जिले के चिंगारेल में आईआरबी के शिविर से हथियार लूटने के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने बताया कि शिविर से लूटी गयी चार इंसास राइफल, एक एके घटक, एसएलआर की दो मैगजीन और 9एमएम गोला बारुद के 16 छोटे बक्से भी बरामद किए गए हैं. बहरहाल, पुलिस ने यह नहीं बताया कि हथियार कहां से बरामद किए गए या आरोपियों को कहां से गिरफ्तार किया गया.

सुरंग में विस्फोट होने से दो सुरक्षाकर्मी घायल

भुवनेश्वर । ओडिशा के बौध जिले में गुरुवार को एक जंगल में तलाशी अभियान के दौरान बारूदी सुरंग में विस्फोट हो गया, जिससे दो सुरक्षाकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए. पुलिस ने यह जानकारी दी. एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि संदेह है कि यह बारूदी सुरंग माओवादियों द्वारा बिछाई गई थी. पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटना बौध जिले के नालिकुम्फा जंगल में उस समय हुई जब ओडिशा के विशेष अभियान समूह (एसओजी) के जवान गुरुवार सुबह तलाशी अभियान पर थे.

बनभूलपुरा में 7 दिन बाद कर्फ्यू में ढील मिली

हल्द्वानी (उत्तराखंड) । उत्तराखंड में हल्द्वानी प्रशासन ने सात दिन बाद गुरुवार को बनभूलपुरा शहर में कर्फ्यू में कुछ घंटों के लिए ढील देने की घोषणा की है. बनभूलपुरा में एक अवैध मदरसे को ध्वस्त करने को लेकर हुई हिंसा के बाद कर्फ्यू लगाया गया था. नैनीताल की जिला मजिस्ट्रेट वंदना सिंह द्वारा जारी एक आदेश के अनुसार, गौजाजाली, रेलवे बाजार और एफसीआई गोदाम इलाके में कर्फ्यू में सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक ढील दी जाएगी.

प्रधानमंत्री की कतर की दूसरी यात्रा है, इससे पहले वह जून 2016 में कतर आए थे.

प्रधानमंत्री मोदी ने अमीर तमीम बिन हमद अल थानी से की मुलाकात

भाषा । दोहा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने द्विपक्षीय संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल-थानी के साथ गुरुवार को बातचीत की. कतर सरकार द्वारा भारतीय नौसेना के उन आठ कर्मियों को रिहा करने के कुछ दिन बाद यह बैठक हुई जिन्हें अगस्त, 2022 में गिरफ्तार किये जाने के बाद मौत की सजा सुनाई गई थी. मोदी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की दो दिवसीय यात्रा के बाद बुधवार को दोहा पहुंचे थे. यह प्रधानमंत्री की कतर की दूसरी यात्रा है, इससे पहले वह जून 2016 में कतर आए थे. अपने आगमन के तुरंत बाद, मोदी ने कतर के

प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी से मुलाकात की. वह कतर के विदेश मंत्री भी हैं. विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा, दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, ऊर्जा, वित्त और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर विचारों का आदान-प्रदान किया.

राज्यसभा चुनावः राजद उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए

मनोज-संजय जायेंगे राज्यसभा

भाषा । पटना

राजद के उम्मीदवार मनोज कुमार झा और संजय यादव ने बृहस्पतिवार को पार्टी अध्यक्ष लालू प्रसाद की उपस्थिति में राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया. लालू प्रसाद के साथ पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी विधानसभा सचिवालय पहुंचीं, जहां उनकी मुलाकात अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी और जदयू प्रमुख नीतीश कुमार से हुई. कुमार और लालू प्रसाद ने अपने अल्पकालिक गठबंधन के हालिया अंत के बाद पैदा हुई कड़वाहट के बावजूद एक दूसरे से गर्मजोशी से हाथ मिलाया. लालू प्रसाद जो अपनी चुटीली टिप्पणियों के लिए जाने जाते हैं, इस दौरान पत्रकारों से मुखातिब होने के बजाए अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के नामांकन की प्रक्रिया में व्यस्त रहे. इस अवसर पर तेजस्वी यादव नामांकन पत्र दाखिल करने के समय विधानसभा सचिवालय में मौजूद थे. झा राजद के राष्ट्रीय प्रवक्ता भी हैं. नामांकन के बाद मनोनीत होने पर राज्यसभा में यह उनका लगातार दूसरा कार्यकाल हो सकता है.

तेजस्वी के करीबी संजय यादव का पहली बार संसद में पदार्पण होगा. ऐसी अटकलें लगायी जा रही थीं कि सत्तारूढ़ राजग जो बुधवार को ही तीन उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतार चुका है, कांग्रेस-राजद गठबंधन के लिए मुश्किलें पैदा करने के वास्ते चौथे उम्मीदवार को मैदान में उतार सकता है. हालांकि उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इसका जोरदार खंडन किया. चौधरी ने कहा, जदयू-भाजपा गठबंधन द्वारा केवल तीन उम्मीदवार मैदान में उतारे गए हैं. कोई और उम्मीदवार नहीं उतारा जाएगा.

भाजपा के चार और कांग्रेस के एक उम्मीदवार ने नामांकन पत्र भरा

भोपाल । केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन सहित सभी चार भाजपा उम्मीदवारों और एक कांग्रेस उम्मीदवार ने इस महीने के अंत में होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को मध्यप्रदेश से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया. मुरुगन, भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बंशीलाल गुर्जर, मप्र भाजपा महिला इकाई की प्रमुख माया नारोलिया और उज्जैन स्थित वाल्मिकी धाम आश्रम के प्रमुख उमेश नाथ महाराज ने भाजपा उम्मीदवार के रूप में यहां राज्य विधानसभा परिसर में रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया. इस अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, राज्य भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा और कैलाश विजयवर्गीय और प्रह्लाद पटेल सहित अन्य मंत्री उपस्थित थे. कांग्रेस उम्मीदवार अशोक सिंह, जो राज्य पार्टी इकाई के कोषाध्यक्ष हैं, ने भी रिटर्निंग अधिकारी के समक्ष चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया.

भाजपा ने संजय सेठ को अपना आठवां प्रत्याशी घोषित किया

लखनऊ । भाजपा ने राज्यसभा चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश से संजय सेठ को अपना आठवां प्रत्याशी घोषित किया. भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने आज पार्टी कार्यालय में पूर्व राज्यसभा सदस्य संजय सेठ को प्रत्याशी घोषित करते हुए कहा कि पार्टी आज सेठ का नामांकन दाखिल कराएगी. भाजपा के सात प्रत्याशियों ने बुधवार को नामांकन दाखिल किया था. समाजवादी पार्टी के तीन उम्मीदवारों का मंगलवार को नामांकन दाखिल हुआ था. उत्तर प्रदेश की 403 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा के 252, सपा के 108 और कांग्रेस के दो सदस्य हैं. सपा और कांग्रेस राज्य में विपक्षी दल हैं और लोकसभा चुनाव में भाजपा का मुकाबला करने के लिए विपक्षी पार्टियों के गठबंधन में भागीदार भी हैं. सदन में भाजपा के सहयोगी अपना दल (सोनेलाल) के 13 जबकि निषाद पार्टी के छह सदस्य हैं. रालोद के नौ, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के छह, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के दो और बसपा का एक सदस्य है. राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 15 फरवरी है. मतदान 27 फरवरी को होगा और नतीजे उसी दिन घोषित किए जाएंगे.

भाजपा का संदेशखाली मुद्दे पर सदन से वॉक आउट

6 सदस्यीय संसदीय समिति दौरा करेगी

भाषा । कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा में भाजपा के विधायकों ने संदेशखाली मुद्दे पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से बयान देने की मांग करते हुए गुरुवार को सदन से वॉक आउट किया. संदेशखाली में टीएमसी नेताओं द्वारा स्थानीय लोगों पर कथित अत्याचारों को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं. हंगामे के वक्त ममता सदन में मौजूद नहीं थीं. भाजपा के मुख्य व्हिप मनोज तिग्गा की अगुवाई में पार्टी विधायकों ने इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से बयान की

मांग की. विधानसभा अध्यक्ष बिमान बंदोपाध्याय ने विपक्षी विधायकों से व्यवस्था बनाये रखने को कहा. इसके बाद भाजपा विधायकों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सदन से वॉक आउटकर दिया. तिग्गा ने संवाददाताओं से कहा, हमने वॉक आउट करने का फैसला किया क्योंकि इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री की ओर से कोई बयान नहीं आया है. इसी बीच खबर आयी है कि संदेशखाली घटना को लेकर सिलीगुड़ी में विरोध प्रदर्शन कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच झड़प हो गयी है.

नड्डा ने सांसदों की छह सदस्यीय समिति गठित की : भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी सांसदों की छह सदस्यीय एक समिति गठित की है जो शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के संदेशखाली का दौरा करेंगी जहां महिलाओं के यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर विरोध प्रदर्शन हुए हैं.

महाराष्ट्र की सियासत

अजित पवार गुट ही 'असली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी'

महाराष्ट्र । महाराष्ट्र की सियासत में अब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विधायकों की अयोग्यता पर फैसला हो गया है. विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने मामले में आदेश सुनाया. राहुल नार्वेकर ने अपने आदेश में कहा कि अजित पवार गुट ही 'असली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी' है. निर्णय विधायी बहुमत पर आधारित था. ऐसे में अजित गुट को अयोग्य नहीं ठहरा सकते. महाराष्ट्र विस अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने गुरुवार को कहा कि जुलाई 2023 में जब पार्टी में दो गुट उभरे तो अजित पवार के नेतृत्व वाला समूह ही असली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी थी. नार्वेकर ने आगे कहा कि विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग वाली सभी याचिकाएं खारिज की जाती हैं. दरअसल, पार्टी में टूट के बाद उपमुख्यमंत्री अजित पवार और उनके चाचा शरद पवार के नेतृत्व वाले विरोधी गुटों ने अयोग्यता याचिकाएं दायर की थीं.

त्रिपुरा कैबिनेट जल्द ही अयोध्या में मंदिर का दौरा करेगी : मुख्यमंत्री

भाषा । अगरतला

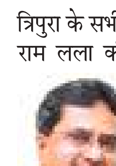

त्रिपुरा के सभी कैबिनेट मंत्री जल्द ही राम लला की पूजा करने के लिए अयोध्या स्थित राम मंदिर जाएंगे. राज्य के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने यह जानकारी दी. मुख्यमंत्री ने बुधवार रात अगरतला से अयोध्या के लिए एक विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाई. उन्होंने अयोध्या तक विशेष ट्रेन की व्यवस्था करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को धन्यवाद दिया. अगरतला रेलवे स्टेशन पर अयोध्या जाने वाली विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के बाद साहा ने कहा अयोध्या में राम लला की पूजा करने के लिए त्रिपुरा से 400 से अधिक श्रद्धालुओं को ले जाने वाली एक विशेष ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करना अच्छा लग रहा है.

मराठा आरक्षण लागू कराने के लिए मुंबई जाऊंगा : जरांगे

भाषा । जालना

आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने गुरुवार को कहा कि महाराष्ट्र सरकार की 'कुनबी मराठाओं के रक्त संबंधियों' संबंधी मसौदा अधिसूचना को कानून में बदलने की मांग पर दबाव बनाने के लिए वह 18 या 19 फरवरी को मुंबई जाएंगे. एक दिन पहले महाराष्ट्र सरकार ने कहा था कि मराठा समुदाय की आरक्षण और अन्य मांगों पर चर्चा के लिए 20 फरवरी को राज्य विधानसभा का एक विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा, जिसके बाद जरांगे की यह टिप्पणी आई है. मराठा समुदाय को अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी में शामिल करने की मांग को लेकर जरांगे ने जालना जिले के अपने पैतृक गांव में छठे दिन अनशन जारी रखा.

देवी सरस्वती की प्रतिमा का अपमान

बिना साड़ी के पूजा में रखने पर बजरंग दल, विहिप का हंगामा

भाषा । अगरतला

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल के समर्थकों का एक समूह बुधवार को यहां निकट के लिचुबगन में गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ आर्ट एंड क्राफ्ट में कथित तौर पर जबरन घुस गया और संस्थान के प्राधिकारियों को देवी सरस्वती की प्रतिमा को साड़ी पहनाने के लिए मजबूर किया. प्रत्यक्षदर्शियों ने इस बात की जानकारी दी. प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो के सामने आने के बाद यह घटना हुई. वीडियो में सरस्वती की प्रतिमा कथित तौर पर बिना साड़ी के दिखाई दे रही थी. प्रतिमा को कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा बनाया गया था. बजरंग दल की त्रिपुरा इकाई के समन्वयक तूतन दास ने कहा, सोशल मीडिया पर बिना पारंपरिक साड़ी के मां सरस्वती की प्रतिमा का वीडियो प्रसारित हो रहा था.

ओडिशा कांग्रेस के पूर्व विधायक ने छोड़ी पार्टी

भुवनेश्वर । ओडिशा कांग्रेस के पूर्व विधायक अंशुमन मोहंती ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है. मोहंती 2014 में केंद्रपाड़ा जिले के राजनगर निर्वाचन क्षेत्र से राज्य विधानसभा के लिए चुने गए थे. उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और केंद्रपाड़ा जिला कांग्रेस समिति के अध्यक्ष पद, दोनों से इस्तीफा दे दिया. उन्होंने पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष शरत पटनायक को बुधवार को अपना इस्तीफा सौंपा. मोहंती ने अपने कार्यकाल के दौरान समर्थन के लिए पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया.

पाकिस्तान में दोबारा मतगणना का मामला

दो दलों के बीच गोलीबारी, दो लोगों की मौत, 14 घायल हुए

भाषा । कराची

पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में एक निर्वाचन क्षेत्र में पुनः मतगणना के दौरान दो राजनीतिक दलों के समर्थकों के बीच सशस्त्र झड़प में कम से कम दो लोगों की मौत हो गयी और 14 अन्य घायल हो गए. पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. कराची की सीमा से लगते औद्योगिकी शहर हब में निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के बाहर बलूचिस्तान आवामी पार्टी (बीएपी) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के समर्थकों के बीच झड़प हुई. 8 फरवरी को हुए चुनाव में बीएपी को मुहम्मद सालेह भूटानी ने अनौपचारिक नतीजे घोषित होने के बाद जीत का दावा किया था लेकिन पीपीपी के अली हसन जहरी ने पुनः मतगणना कराने की मांग की थी. इसके बाद पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने पुनः मतगणना का आदेश दिया था.

कॅरियर-काउंसिलिंग

फिजिकल ट्रेनिंग इंस्ट्रक्टर पाठ्यक्रम पूरा कर बना सकते हैं कॅरियर

फिजिकल ट्रेनिंग इंस्ट्रक्टर का इस्तेमाल मुख्य रूप से ब्रिटिश सैनिकों, पुलिस साथ ही अन्य राष्ट्रमंडल देशों में फिटनेस शिक्षक के लिए किया जाता है. प्रत्येक विद्यालय में पीटीआई (फिजिकल ट्रेनिंग इंस्ट्रक्टर) टीचर की विशेष मान्यता होती है, जिसे हिंदी में शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक के रूप में भी जाना जाता है. अन्य रूप से देखें, तो पीटीआई केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थानों में शारीरिक शिक्षा शिक्षक (पीटीआई टीचर) का पद होता है. पीटीआई टीचर बच्चों को शारीरिक शिक्षा के बारे में पढ़ाते हैं और शारीरिक अभ्यास/ पीटी भी कराते हैं. कुछ जगहों पर पीटीआई टीचर स्पोर्ट्स टीचर के रूप में बी काम करते हैं.

पीटीआई टीचर के क्या-क्या हैं दायित्व

एक खेल या पीटीआई शिक्षक के कर्तव्यों में छात्रों को खेल खेलना, राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा परीक्षण का प्रशासन करना, छात्रों की प्रगति की निगरानी करना, सिखाने और शारीरिक रूप से दिब्यांग छात्रों की शारीरिक जरूरतों को पूरा करने, छात्रों के प्रदर्शन को ग्रेड करना और शिक्षकों और माता-पिता के साथ संवाद करना शामिल है.

खेल या पीटीआई शिक्षकों को मजबूत संचारक होने और विभिन्न तरह की कक्षाओं का नेतृत्व सहजता पूर्वक करने की आवश्यकता है. पीटीआई टीचर विभिन्न खेलों के कोच भी हो सकते हैं. चूंकि ये शिक्षक अक्सर लंबी अवधि तक काम कर सकते हैं, इसलिए इन्हें एथलेटिक गतिविधियों की निगरानी के लिए स्कूल अवधि के बाद भी विद्यालय के खेल मैदान में रहने की जरूरत होती है.

आवश्यक स्किल

- शारीरिक फिटनेस, टीम के खेल में अनुभव और मजबूत पारस्परिक और संचार कौशल इच्छुक शारीरिक शिक्षा शिक्षकों के लिए एक अच्छी बुनियाद रख पानी की क्षमता होनी चाहिए.
- टीम की गतिशीलता, शारीरिक क्रिया व शरीर के अंगों के स्वास्थ्य और पोषण का ज्ञान नए शारीरिक शिक्षा शिक्षकों को रोजगार खोजने में मदद कर सकता है.
- पीटीआई टीचर का लक्ष्य शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देना, छात्रों को स्वास्थ्य की उचित देखभाल, खान-पान की आदतों का के बारे में सचेत करना है.
- अच्छे पीटीआई टीचर अपने छात्रों के लिए रोल मॉडल होते हैं और इसलिए उन्हें अच्छे स्वास्थ्य और फिटनेस के सभी गुणों का प्रदर्शन करना चाहिए.
- पीटीआई टीचर को अपने छात्रों को स्वस्थ, सक्रिय जीवन जीने के लिए निरंतर प्रेरित करना है.

कैसे बनें पीटीआई टीचर

- शारीरिक शिक्षा या स्वास्थ्य शिक्षा या काइंसियोलॉजी जैसे विषय में बैचलर्स डिग्री प्राप्त करें.
- शारीरिक शिक्षक की सेटिंग में एक इंटर्नशिप पूरा करें.
- शारीरिक शिक्षा अनुमोदन के लिए अपने राज्य से आवश्यक परीक्षण लें.
- अपने शिक्षण लाइसेंस के लिए आवेदन करें
- पीटीआई टीचर पदों के लिए आवेदन करना शुरू करें.
- पब्लिक स्कूल पीटीआई को उस ग्रेड के लिए राज्य शिक्षक प्रमाणन अर्जित करना होगा, जो पाठ्यक्रम की पढ़ाई करना चाहते हैं.
- अधिकांश राज्यों में शारीरिक शिक्षा पर जोर देने के साथ-साथ चार वर्षीय बैचलर्स डिग्री एक व्यक्ति को राज्य प्रमाणन परीक्षा में बैठने के योग्य बनाती है.
- कई राज्य वैकल्पिक प्रमाणन मार्ग भी प्रदान करते हैं, जिनमें शारीरिक शिक्षा की डिग्री में मास्टर्स भी शामिल हो सकते हैं,

पीटीआई बनने के लिए कौन सा पाठ्यक्रम

डीपीएडः डिप्लोमा इन फिजिकल एजुकेशनः यह कोर्स कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों का शारीरिक शिक्षक बनने के लिए है. इस कोर्स की अवधि 2 वर्ष है. इस कोर्स में एडमिशन लेने के लिए आवेदक को उच्च माध्यमिक परीक्षा में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण होना चाहिए, अंतरराष्ट्रीय/राष्ट्रीय/एसजीएफआई खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले उम्मीदवारों को 5 प्रतिशत की छूट मिलती है.

बीपीएड : बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशनः यह कोर्स कक्षा 6 से 10 तक के विद्यार्थियों के लिए शारीरिक शिक्षक तैयार करने और कक्षा 11-12 के विद्यार्थियों की शारीरिक शिक्षा व खेलकूद कराने के लिए है. इस कोर्स की अवधि 2 वर्ष या 4 सेमेस्टर है, फिर भी उम्मीदवार अधिकतम 3 वर्षों में इसे पूरा कर सकते हैं.

एमपीएडः मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन : यह कोर्स कक्षा 11 व 12 के छात्रों के लिए शारीरिक शिक्षक तैयार करने का व्यावसायिक कोर्स है. विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में प्रोफेसर/निदेशक/खेल अधिकारी एवं शारीरिक शिक्षक कॉलेजों/शारीरिक विश्वविद्यालय के विभागों में शारीरिक शिक्षकों को प्रशिक्षण देने के लिए शिक्षक तैयार करने के लिए यह पाठ्यक्रम कराया जाता है. इस कोर्स की अवधि दो वर्ष या चार सेमेस्टर है.

पीटीआई टीचर बनने के लिए देश के टॉप कॉलेज

1. लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन, ग्वालियर
2. वाईएमसीए कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन, चेन्नई
3. इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज, दिल्ली
4. ज्योतिबा कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन, नागपुर
5. गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन, भुनेश्वर
6. बलिया पॉल कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन, बालासोर
7. कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन, पुणे
8. एसई एसएस कॉलेज ऑफ फिजिकल एंड कॉलेज ऑफ एजुकेशन, जलगांव

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)